स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

# स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, मंगलवार
22 अप्रैल, 2025
वैशाख मास कृष्ण पक्ष 9
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक -240 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस गए दिल्ली के अक्षरधाम - पेज 12

# ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस नहीं रहे

## 88 साल की उम्र में वेटिकन में निधन | फेफड़ों और किडनी में था गंभीर संक्रमण | शोक में डूबे डेढ़ अरब कैथोलिक ईसाई

**वेटिकन।** कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार आज सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे। पिछले कई महीनों से वह स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वे 5 हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे।

इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्कॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। हालांकि 14 मार्च को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था।

पोप फ्रांसिस 1300 साल में पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें पोप चुना गया था। पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने, सेम-सेक्स कपल्स को आशीर्वाद देने, पुनर्विवाह को धार्मिक मंजूरी देने जैसे बड़े फैसले लिए। उन्होंने चर्चों में बच्चों के यौन शोषण पर माफी भी मांगी थी। विशेष बात है कि ईस्टर संडे पर ही पोप फ्रांसिस ने लोगों को संबोधित किया था। उस दौरान उन्होंने विचारों की आजादी और सहिष्णुता पर बात की थी। पोप फ्रांसिस ने लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए कहा था, भाइयो और बहनों, ईस्टर की शुभकामनाएं! उनकी आवाज पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली प्रतीत हो रही थी। पोप फ्रांसिस ने पियाजा में ईस्टर की प्रार्थना में हिस्सा नहीं लिया बल्कि इसे सेंट पीटर्स बेसिलिका के सेवानिवृत्त कार्डिनल एंजेलो कोमास्ट्री को सौंप दिया। लेकिन प्रार्थना समाप्त होने के बाद, फ्रांसिस बेसिलिका के प्रवेश द्वार के ऊपर स्थित लॉजिया बालकनी पर दिखाई दिए। नीचे मौजूद हजारों लोगों ने खुशी का इजहार किया, जब सैन्य बैंड ने होली सी और इतालवी राष्ट्रगान की धुन बजाई। फ्रांसिस ने बालकनी से हाथ हिलाया और फिर एक सहयोगी से अपना भाषण पढ़ने को कहा। पोप फ्रांसिस पहले लैटिन अमेरिकी धर्मगुरू थे, जो पोप के पद पर पहुंचे। उन्हें साल 2013 में पोप की उपाधि मिली थी। बतौर पोप अपने 12 साल के कार्यकाल में पोप फ्रांसिस ने वेटिकन सिटी में कई अहम प्रशासनिक बदलाव किए।

### पोप फ्रांसिस के बड़े फैसले

पोप फ्रांसिस ने चार ऐसे बड़े फैसले लिए थे जो वेटिकन के साथ ईसाई समुदाय के लोगों के लिए भी नई राह दिखाने वाले साबित हुए।

**समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने पर :** पद संभालने के 4 महीने बाद ही पोप से समलैंगिकता के मुद्दे पर सवाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा, 'अगर कोई समलैंगिक व्यक्ति ईश्वर की खोज कर रहा है, तो मैं उसे जज करने वाला कौन होता हूं।'

**समलैंगिक जोड़ों को आशीर्वाद की अनुमति :** पोप फ्रांसिस ने 2023 में समलैंगिक जोड़ों को आशीर्वाद देने की अनुमति देने का फैसला किया। वेटिकन ने कहा कि यह आशीर्वाद ईश्वर की दया और प्रेम का प्रतीक होगा, लेकिन यह कैथोलिक चर्च के पारंपरिक विवाह सिद्धांतों को नहीं बदलेगा, जो अब भी पुरुष और महिला के बीच विवाह को मान्यता देता है।

**पुनर्विवाह को धामिक मंजूरी :** पोप ने तलाकशुदा और दोबारा शादी करने वाले कैथोलिक लोगों को चर्च में अधिक स्वीकृति देने का फैसला लिया। पोप फ्रांसिस ने कहा कि ऐसे लोगों को चर्च से अलग नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले तक कैथोलिक चर्च ऐसे लोगों को पवित्र संस्कारों से वंचित कर देता था।

**बच्चों के यौन शोषण पर माफी मांगी :** पोप फ्रांसिस ने अप्रैल 2014 में चर्च में बच्चों के यौन शोषण के मामलों पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि चर्च के कुछ पादरियों ने बच्चों का यौन शोषण किया। पोप ने कहा कि यह एक 'गंभीर पाप' और 'शर्मनाक अपराध' है, जिसके लिए चर्च न केवल माफी मांगेगा, बल्कि इन अपराधों को रोकने के लिए ठोस कदम भी उठाएगा।

### मोदी ने दुख जताया, याद कीं मुलाकातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा दुख जताया है और कहा है कि भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने ट्वीट किया, पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूं। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई। मैं उनके साथ अपनी मुलाकातों को याद करता हूं और समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ हूं। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी आत्मा को ईश्वर की गोद में शांति मिले।

### आज का मौसम

| | |
|---|---|
| अधिकतम तापमान | - 40° |
| न्यूनतम तापमान | - 23° |
| सूर्योदय | - 05:36 |
| सूर्यास्त | - 06:33 |

आसमान साफ रहेगा।

### संक्षिप्त समाचार

#### शरद और अजित पवार के फिर साथ आने की अटकलें

**मुंबई।** महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार के साथ आने की अटकलें एक बार फिर से तेज हो गई हैं। दरअसल, बीते कई दिनों में दोनां नेता कई बार एक मंच पर दिखाई दिए हैं। ताजा मामला सोमवार का है, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को एक पखवाड़े में तीसरी बार मंच साझा किया। इस बार कृषि और चीनी उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा के दौरान दोनों एक ही मंच पर दिखे।

#### 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर जेपीसी की बैठक आज

**नई दिल्ली।** 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक 22 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। पहले सत्र में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस हेमंत गुप्ता के साथ बातचीत होगी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसएन झा के साथ एक सत्र होगा। अगले सत्र में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारत के 21वें विधि आयोग के अध्यक्ष डॉ. जस्टिस बीएस चौहान शामिल होंगे। अंतिम सत्र राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी के साथ होगा। इससे पहले, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर जेपीसी की वेबसाइट के आगामी लॉन्च के बारे में बोलते हुए, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने बताया कि समिति ने दो प्रमुख बातों पर निर्णय लियाः विज्ञापन सभी भाषाओं में मुद्रित किया जाएगा।

#### शेयर बाजार में रही तूफानी तेजी

**मुंबई।** चौथी तिमाही के नतीजों के बाद बैंकिंग शेयरों में शानदार तेजी दिख रही है। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन जहां सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल के साथ कारोबार होता दिखा, वहीं बैंक निफ्टी अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

## राहुल गांधी की नागरिकता पर हाई कोर्ट सख्त

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दायर याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सख्त रुख अपना लिया है। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि वह दस दिनों में इस सम्बन्ध में याची की ओर दाखिल प्रत्यावेदन को निस्तारित करें और नागरिकता को लेकर स्पष्ट रिपोर्ट दें। अगली सुनवाई के लिए 5 मई की तिथि नियत की गई है। यह आदेश

#### केंद्र सरकार से दस दिन में स्पष्ट रिपोर्ट मांगी

न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के एस विग्नेश शिशिर द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया है। पिछली सुनवाई के दौरान डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने अदालत को बताया था कि याची के शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, संबंधित मंत्रालय ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता के बारे में विवरण मांगते हुए ब्रिटेन सरकार को पत्र लिखा है और इसलिए सरकार को शिकायत पर निर्णय लेने के लिए समय चाहिए।उल्लेखनीय है कि मामले में याची की ओर से दलील दी गई है कि उसके पास तमाम दस्तावेज और ब्रिटिश सरकार के कुछ ई-मेल हैं जिनसे यह सिद्ध होता है कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं और इस कारण से वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। लोकसभा सदस्य का पद नहीं धारण कर सकते। इसी आधार पर याची ने राहुल गांधी की सांसद पद पर बने रहने के खिलाफ अधिकार पृच्छा रिट जारी करने का आदेश देने की भी मांग की है।

## शुरू हो गया गर्मी का कहर

### यूपी के कई जिलों में पारा 40 के पार

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में गर्मी का कहर शुरू हो गया है। सोमवार को बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में गर्म हवा के थपेड़ों ने लोगों को परेशान किया। सोमवार को लखनऊ, हमीरपुर, प्रयागराज, आगरा, बांदा, उरई आदि में अधिकतम पारा 40 डिग्री

#### चार-पांच दिनों तक जारी रहेगी गर्मी की मार

सेल्सियस के पार चला गया। लखनऊ में इस सीजन में पहली बार पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा। शहर में दोपहर 2.30 बजे पारा 41 डिग्री सेल्सियस पर पहुच गया। वहीं, कई जिलों में सोमवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा और सीजन में पहली बार वहां पारा 40 डिग्री सेल्सियस के सूचकांक तक पहुंचा।

मौसम विभाग का कहना है अगले चार-पांच दिनों तक उत्तर प्रदेश में यूं ही गर्मी की मार जारी रहने वाली है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। वहीं, बुंदेलखंड और दक्षिण के कुछ जिलों के लू की चपेट में आने के संकेत हैं। मंगलवार को झांसी व कुछ अन्य जिलों में तापमान के 45 डिग्री तक पहुंच जाने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 21 से 26 अप्रैल तक मौसम के शुष्क और साफ रहने की संभावना है। 22 से 24 अप्रैल तक कहीं-कहीं उष्ण लहर (लू) चलने का पूर्वानुमान है। आगरा में बढ़ते तापमान और हीट वेव को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर कक्षा 8वीं तक के सभी स्कूलों का समय बदल कर सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक कर दिया गया है।

## नक्सलियों के खिलाफ जारी रहेगी मुहिम : शाह

**नई दिल्ली।** झारखंड में सुरक्षा बलों की तरफ से आठ नक्सलियों को मार गिराने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए उनकी सरकार की प्रतिबद्धता बरकरार है। बता दें कि, झारखंड के बोकारो जिले में सीआरपीएफ और पुलिस के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए,

#### झारखंड में एक करोड़ के इनामी सहित आठ नक्सली ढेर

जिनमें एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली भी शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है। आज सुरक्षा बलों को नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में मुठभेड़ में आठ माओवादियों को ढेर कर दिया गया, जिसमें एक शीर्ष स्तर का नक्सली नेता विवेक, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया, जिसमें आठ नक्सली मारे गए और एक एके सीरीज राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देशी बंदूकें और एक पिस्तौल जब्त की गई।

## निशिकांत दुबे पर एसवाई कुरैशी का पलटवार

**नई दिल्ली।** भाजपा सांसद निशिकांत दुबे अपने बयानों को लेकर इन दिनों लगातार चर्चा में हैं। जहां अब इस मामले में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने

#### बोले मैं भारत के विचार में यकीन रखता हूं, नफरत की राजनीति में नहीं

सोमवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर पलटवार किया है।कुरैशी ने कहा कि वे भारत के उस विचार में विश्वास रखते हैं जहां किसी इंसान को उसकी काबिलियत और काम से पहचाना जाता है, न कि धर्म से।

कुरैशी ने कहा कि मैंने पूरी निष्ठा के साथ चुनाव आयोग में काम किया है और मेरा आईएएस करियर भी काफी संतोषजनक रहा है। लेकिन कुछ लोग अपनी नफरत भरी राजनीति के लिए धर्म को आधार बनाते हैं।

बता दें कि एसवाई कुरैशी जुलाई 2010 से जून 2012 तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे थे। इस पूरे विवाद ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस को जन्म दिया है।

कुरैशी ने आगे कहा कि भारत हमेशा संविधान और उसके सिद्धांतों के साथ खड़ा रहा है और आगे भी खड़ा रहेगा। दिल्ली प्रशासन अधिकारी मंच के अध्यक्ष महेश और पूर्व राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी ने भी कुरैशी का समर्थन किया। महेश ने कहा कि कुरैशी ने अपने कार्यकाल में चुनाव आयोग में कई अहम सुधार किए, जैसे मतदाता शिक्षा और खर्च नियंत्रण की व्यवस्था की।

## पूजा खेडकर पुलिस के सामने उपस्थित रहें : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने पूजा खेड़करला को जांच के लिए पुलिस के समक्ष उपस्थित रहने के अहम निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 21 मई तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब तक कोई ठोस जांच नहीं हुई है और पुलिस को जल्द जांच पूरी करने का निर्देश दिया। अगले 2 दिन में सुबह 10.30 बजे पूजा खेडकरला (पूजा खेडकर) को दिल्ली क्राइम ब्रांच के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है।

## बंगाल के गवर्नर अस्पताल में एडमिट

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को सीने में दर्द की शिकायत के बाद सोमवार को यहां पूर्वी कमान अस्पताल में भर्ती कराया गया। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्हें सुबह करीब 10 बजे वहां ले जाया गया। डॉक्टर फिलहाल उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जरूरी जांच के बाद इलाज के अगले चरण पर फैसला लेंगे। पश्चिम मेदिनीपुर के सालबोनी में जेएसडब्ल्यू के 1,600 मेगावाट के बिजली संयंत्र के शिलान्यास समारोह में भाग लेने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अस्पताल में बोस से मुलाकात की।

## दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार!

**नई दिल्ली।** दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को घोषणा की कि आगामी नगर निगम (एमसीडी) वार्षिक मेयर चुनाव के लिए भाजपा ने सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को उप मेयर पद का उम्मीदवार चुना है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब आप के नेता सौरभ भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी इस बार मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। सचदेवा ने कहा कि सरदार राजा इकबाल सिंह पूर्व में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मेयर रह चुके हैं और वर्तमान में एमसीडी में विपक्ष के नेता हैं। दिल्ली के विकास और निगम की कार्यप्रणाली को मजबूत करने के लिए सही विकल्प हैं।

## पत्नी ने की थी कर्नाटक के पूर्व डीजीपी की हत्या : पुलिस

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या के मामले में आज सोमवार को नया खुलासा हुआ। एजेंसी ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि

#### खाना खाते वक्त चेहरे पर मिर्ची पाउडर फेंका, फिर चाकू से वार किए

पत्नी पल्लवी ओम प्रकाश की हत्या की प्रमुख संदिग्ध है। घटना के समय ओम प्रकाश खाना खा रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हुआ। यह इतना बढ़ गया कि पत्नी ने उनकी हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पल्लवी ने पहले ओम प्रकाश पर मिर्ची पाउडर फेंका, जब जलन से राहत पाने के पूर्व डीजीपी इधर-उधर भाग रहे थे तो पल्लवी ने उनकी गर्दन, पेट और छाती पर चाकू से 10-12 वार किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पल्लवी ने गुनाह कबूल कर लिया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस वारदात के दौरान बेटी कृति भी वहीं मौजूद थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हत्या के बाद एक अन्य आईपीएस ऑफिसर की पत्नी को मैसेज किया- एक राक्षस को खत्म कर दिया। बाद में पल्लवी ने उन्हें फोन कर बताया कि उसने ओम प्रकाश की हत्या कर दी है। इसके बाद आईपीएस ऑफिसर ने ही पुलिस को सूचना दी। बेटे कार्तिकेश की शिकायत पर पूर्व डीजीपी की पत्नी और बेटी कृति पर हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्तिकेश ने आरोप लगाया है कि उसकी मां पल्लवी पिछले एक सप्ताह से पिता को जान से मारने की धमकी दे रही थी।

## बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर हुई है, जिसमें पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई है। वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन याचिकाकर्ता की तरफ से दलीलें रखेंगे। गौरतलब है कि

#### सुप्रीम कोर्ट का तंज- हम पर संसदीय कार्यों में दखल का आरोप लग रहा

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हिंसा हुई है, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। वकील विष्णु शंकर जैन ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष याचिका पेश की, जिसके बाद याचिका को कल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया। याचिका में ये भी मांग की गई है कि बंगाल में पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की जाए और साथ ही रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय समिति बनाकर हिंसा की जांच की जाए। याचिका पर पीठ ने तंज कसते हुए कहा कि आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए राष्ट्रपति को आदेश जारी करें? वैसे ही, हम पर कार्यपालिका (क्षेत्र) में अतिक्रमण करने का आरोप लग रहा है। गौरतलब है कि हाल ही भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर कार्यपालिका के काम में दखल देने का आरोप लगाया है।

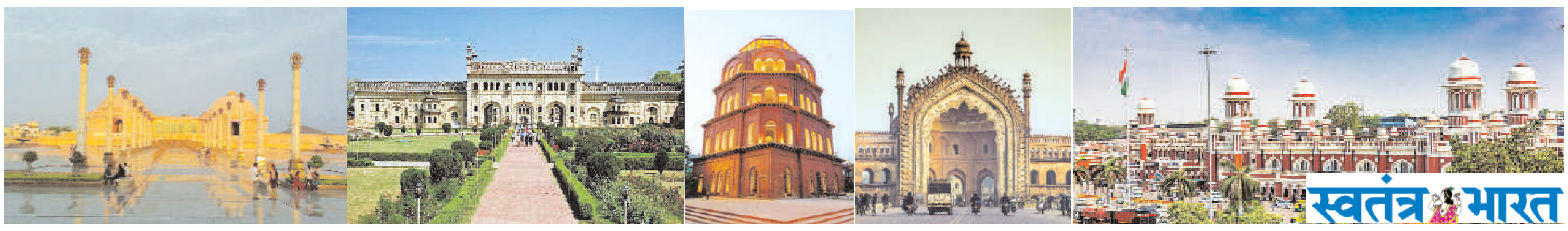

स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

# शिक्षा के साथ हुनरमंद होना जरूरी : कपिल देव

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर सेवायोजित किया जा रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में हुनरमंद युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सोमवार को तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला के शुभारंभ करते हुए कहा कि युवाओं के लिए हर क्षेत्र में अनेक संभावनाएं मौजूद हैं। आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग बढ़ रही है, जिसे देखते हुए हर जिले में कौशल प्रशिक्षण केंद्र खोलने की तैयारी है। प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास डॉ. हरि ओम ने कहा कि युवाओं को व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने, प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक लेने और कौशल विकास मिशन तथा आईटीआई के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। मिशन के निदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला विभाग के अधिकारियों, परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों प्रशिक्षण भागीदारों और अन्य कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित की गई है। इस अवसर पर संवाद के माध्यम से जमीनी स्तर की समस्याओं का समाधान खोजा जाएगा। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में परियोजना प्रारंभ, प्रशिक्षण केंद्र संचालन, अभ्यर्थी प्रबंधन कौशल पंजी और कौशल भारत पोर्टल के माध्यम से, हेल्पडेस्क, निरीक्षण, ऑन-जॉब ट्रेनिंग, मूल्यांकन, वित्तीय प्रबंधन मॉड्यूल, नियोजन एवं प्लेसमेंट प्रबंधन पर चर्चा की गई। कल दूसरे दिन भी इन्हीं तकनीकी सत्रों की पुनरावृत्ति कर सहभागियों को गहन जानकारी दी जाएगी। राज्य स्तरीय टीम द्वारा वित्तीय प्रबंधन एवं प्लेसमेंट मॉड्यूल पर विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

# एलडीए ने अवैध अपार्टमेंट व प्लाटिंग किया ध्वस्त, काम्प्लेक्स किया सील

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** लखनऊ विकास प्राधिकरण ने सोमवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। ठाकुरगंज के दौलतगंज इलाके में बिना मानचित्र स्वीकृति के बनाए जा रहे पांच मंजिला अपार्टमेंट को ध्वस्त किया गया। वहीं गोसाईंगंज में करीब 5 बीघा क्षेत्रफल में हो रही अवैध प्लाटिंग को भी खत्म कर दिया गया और चिनहट में एक अवैध व्यावसायिक कॉम्पलेक्स को सील कर दिया गया। एलडीए की प्रवर्तन जोन-7, जोन-2 और जोन-1 की टीमों ने यह कार्रवाई की। जोन सात के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि बिल्डर सज्जाद व अन्य द्वारा मिर्जा अली खान मोहल्ले में लगभग 2000 वर्गफुट क्षेत्रफल पर अवैध रूप से पांच मंजिला अपार्टमेंट बनाया जा रहा था, जिसकी कोई मानचित्र स्वीकृति नहीं ली गई थी। विहित न्यायालय के आदेश पर सहायक अभियंता संजय शुक्ला की अगुवाई में प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से बिल्डिंग को ध्वस्त किया।

अपार्टमेंट घनी आबादी के बीच स्थित था, इसलिए संवेदनशीलता बरतते हुए जेसीबी मशीन से छज्जे, दीवारें और स्लैब तोड़े गए। पास की दुकानों को बंद कराया गया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह के अनुसार, पंकज सिंह और राम रतन द्वारा गोसाईंगंज के चांद सराय क्षेत्र में लगभग 5 बीघा भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत न कराए जाने के कारण इस पर भी न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण आदेश दिया गया था। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से बनाई गई सड़क, नाली, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को ध्वस्त कर दिया।

जोन एक के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि डॉक्टर मनीष पटेल व अन्य द्वारा चिनहट के जुग्गौर क्षेत्र में एक एजुकेशनल कॉलेज के पास करीब 500 वर्गमीटर भूखंड पर अवैध रूप से व्यावसायिक कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जा रहा था। मानचित्र स्वीकृति न होने के कारण प्रवर्तन टीम ने निर्माण को सील कर दिया।

## खबर एक नज़र

### मनरेगा मजदूरों के लिए मिले 2300 करोड़

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** मनरेगा मजदूरों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 2300 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की गई है। इससे बकाया भुगतानों को करने और समय पर मजदूरी देने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निवेदन पर केंद्र सरकार से मनरेगा श्रमिकों के भुगतान हेतु करीब 2343.80 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। इससे बकायेदारी भी दूर होगी। आयुक्त, ग्राम्य विकास जी0एस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना के लिए मांग के क्रम में केंद्र सरकार द्वारा श्रमांश मद हेतु करीब 2343.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। इस धनराशि से मनरेगा श्रमिकों के बकाये का भी भुगतान किया जाएगा।

### रामकोला सड़क हादसे से अखिलेश दुःखी

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कुशीनगर के भुजौली में हुई सड़क दुर्घटना में रामकोला विधानसभा क्षेत्र के नारायणपुर चरगहा के छह लोगों की दर्दनाक मौत पर गहरा शोक जताया है। अखिलेश यादव ने दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और प्रदेश सरकार से पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता की मांग की। दुर्घटना में छह लोगों की मौत और दो लोग घायल हो गये हैं। मृतकों में पांच लोग एक ही परिवार के हैं।

### उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले 18 रेलकर्मी सम्मानित

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडलीय कार्यालय में सोमवार को आयोजित एक विशेष समारोह में मंडल रेल प्रबंधक एस.एम. शर्मा ने संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले 18 रेलकर्मियों को सम्मानित किया। यह सम्मान उन कर्मचारियों को प्रदान किया गया जिन्होंने अपनी सजगता, तत्परता और जिम्मेदारी के साथ रेलवे में दुर्घटनाओं को रोकने और संरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुरस्कृत कर्मचारियों में प्वाइंट्समैन, गेटमैन, स्टेशन मास्टर, ट्रेन मैनेजर, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, वरिष्ठ खंड अभियंता जैसे विभिन्न विभागों से जुड़े कर्मी शामिल थे। जिन प्रमुख कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया उनमें रायबरेली के प्वाइंट्समैन आशीष कुमार सिंह, भरतकुंड के राहुल यादव, जौनपुर जंक्शन के गेटमैन सुशील कुमार, मोढ़ के स्टेशन मास्टर प्रवेश कुमार सिंह, काशी के स्टेशन मास्टर जितेंद्र सिंह, व्यासनगर के गेटमैन कौलेश्वर नाथ, जफराबाद के हरदेव मंडल, बक्सा के संदीप कुमार, सुल्तानपुर के ट्रेन मैनेजर मनोज कुमार, प्रतापगढ़ के प्वाइंट्समैन शिव कुमार और लोको पायलट रमेश कुमार गुप्ता प्रमुख रहे।इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक नीलिमा सिंह, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी समर्थ गुप्ता, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रजनीश श्रीवास्तव सहित संरक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

### मयंक त्रिवेदी बने राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो।** राष्ट्रीय लोकदल ने संगठन में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए मयंक त्रिवेदी को पार्टी का प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी के अनुमोदन के बाद की गई है। अब तक मयंक त्रिवेदी प्रदेश सह मीडिया प्रभारी के रूप में दायित्व निभा रहे थे। नई जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने विश्वास जताया कि मयंक त्रिवेदी राष्ट्रीय लोकदल की रीति-नीति, और भारत रत्न श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह एवं श्रद्धेय चौधरी अजित सिंह की विचारधारा को आत्मसात करते हुए पार्टी को सशक्त बनाएंगे।

### शक्ति भवन में विद्युत उपभोक्ताओं की जनसुनवाई

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्यालय शक्ति भवन में सोमवार को विद्युत उपभोक्ताओं की जनसुनवाई का आयोजन किया गया। उपभोक्ताओं की सुविधा और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनसुनवाई की यह व्यवस्था प्रतिदिन सोमवार से शनिवार तक नियमित रूप से सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक शक्ति भवन के मुख्य प्रवेश द्वार के लॉबी क्षेत्र में संचालित की जाती है। इस जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहते हैं।जनसुनवाई में मुख्य अभियंता सतीश चन्द्र सिंह और अधीक्षण अभियंता राधे श्याम ने मौजूद रहकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में हरदोई, उन्नाव और बलिया जनपदों से तीन उपभोक्ता पहुंचे, जिन्होंने अपनी-अपनी विद्युत संबंधी शिकायतें दर्ज कराईं। अधिकारियों द्वारा इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही प्रारंभ की गई, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके।

### अयोध्या में 125 करोड़ से बनेंगे 6 प्रवेश द्वार

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** अयोध्या में श्रद्धालुओं को अब बुनियादी सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। आगंतुकों की सुविधाओं के लिए छह प्रमुख प्रवेश द्वारों पर गेट कॉम्प्लेक्स तैयार किया जा रहा है। इन गेट पर यात्री निवास, स्टार रेटेड व बजट होटल, पर्यटन सूचना केंद्र, कला एवं शिल्प दीर्घाएं, शॉपिंग एरिया, कैफेटेरिया सहित कई सुविधाएं होंगी। यह गेट पीपीपी मॉडल पर 125.69 करोड़ से बनाये जायेंगे। इस बाबत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राम मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या वैश्विक मंच पर एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। ये द्वार- श्री राम द्वार (लखनऊ रोड), लक्ष्मण द्वार (गोंडा रोड), भरत द्वार (सुल्तानपुर रोड), हनुमान द्वार (गोरखपुर रोड), जटायु द्वार (अम्बेडकर नगर रोड) और गरुढ़ द्वार (रायबरेली रोड) शहर के प्रमुख मार्गों पर स्थापित किए जा रहे हैं। यह परियोजना एक मास्टर प्लान के अंतर्गत क्षेत्र-आधारित योजना दृष्टिकोण पर आधारित है। इसका विकास निजी निवेशकों द्वारा बुनियादी ढांचे के साथ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि साथ ही सड़कें, बिजली और जल आपूर्ति, समर्पित पावर स्टेशन, जल शोधन संयंत्र की भी सुविधाएं रहेंगी। अयोध्या केवल आस्था का नगर नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। राज्य सरकार अयोध्या को विश्व स्तरीय ढांचे और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर एक वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर रही है।

# 1,66,522 आवेदन में 30,595 युवाओं को मिला लोन

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से युवा अब जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बन रहे हैं। स्वरोजगार के लिए अभियान के तहत महज 67 दिनों में रिकार्ड 2,07,158 से अधिक आवेदन मिले हैं। वहीं एमएसएमई विभाग को मिले आवेदनों में से 1,66,522 आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं। जबकि 44,521 आवेदनों को बैंकों ने स्वीकृत कर दिया है और 30,595 युवाओं को 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक का लोन मिला। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सीएम की मंशा के अनुरूप बैंकों के साथ समन्वय किया जा रहा है, ताकि फाइलें लंबित न रहें । विभाग द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण, मार्केटिंग सपोर्ट और मेंटरशिप जैसी सहायक सेवाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं। ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक, युवा आज इस अभियान के माध्यम से खुद का उद्यम शुरू कर रहे हैं, जिससे रोजगार सृजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अगले कुछ महीनों में इस अभियान को और विस्तार देकर नया कीर्तिमान बनाया जाये। इस योजना में 1 लाख के वार्षिक लक्ष्य की तुलना में 1,78,662 आवेदन मिले हैं।

# राज्यपाल से मिले सीएम

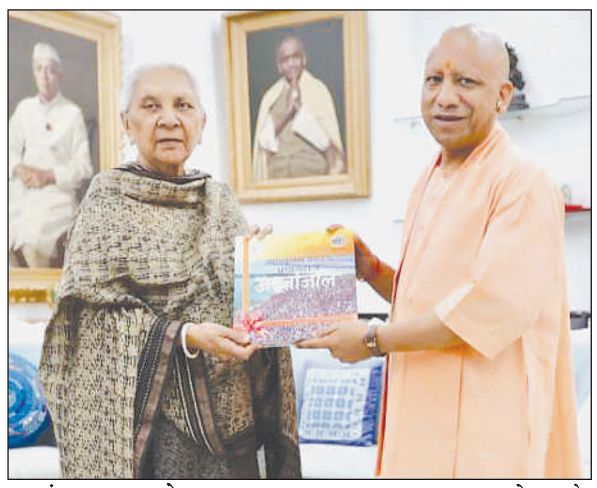

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। साथ ही सीएम आवास पर आन्ध्रप्रदेश के स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सत्य कुमार यादव ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात किया।

# दलितों पर अत्याचार में यूपी नम्बर वन : अखिलेश

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि दलितों पर अत्याचार के

## प्रयागराज में युवक की हत्या पर सपा प्रमुख खफा

मामले में भाजपा सरकार के समय में यूपी नंबर एक बन गया है। सवाल ये है कि दलितों पर हमलों और दलितों के खिलाफ सबसे ज़्यादा अपराधों में, वो भी खासतौर से दलित महिलाओं के उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की वारदातों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओड़िशा, महाराष्ट्र जैसे वो ही राज्य क्यों है, जो भाजपा शासित हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश के दलितों के साथ अन्याय, अत्याचार चरम पर है। भाजपा सरकार आरक्षण और आजादी तो छीन ही रही है अब तो सत्ता संरक्षित प्रभुत्ववादी, दबंग और गुण्डे जान ले, रहे हैं। प्रयागराज में गेहूं काटने से इंकार करने पर हुई दलित युवक की हत्या अंदर से हिला देने वाली घटना है। यादव ने कहा कि भाजपा मूलतः परम्परागत प्रभुत्ववादियों की पार्टी है और वर्चस्ववादी भाजपाइयों की बुनियादी सोच सामंतवादी है, जिसमें गरीब, वंचित, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आधी आबादी (महिलाओं) और आदिवासियों के लिए सिर्फ़ अपमान और जलालत के अलावा और कुछ नहीं है। मन, मानस और आचरण में भाजपाई आजादी से पहले की ही सोच में जी रहे हैं।

# पर्यावरणीय चेतना की वाहक है डॉ. करुणा पांडे की कृति नदियों में भारतीय संस्कृति

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** बौद्ध सभागार में नृत्य और संगीत से सजी एक शाम में नृत्य नाटिका की भव्य प्रस्तुति के साथ ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठित कवियित्री एवं वरिष्ठ साहित्यकार डा0 करुणा पांडे की कृति ÷नदियों में भारतीय संस्कृति÷ पुस्तक के विमोचन का भव्य कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ0 अनीता जैन भटनागर ने अपने उद्बोधन में डा0 करुणा पांडे की कृति नदियों में भारतीय संस्कृति के लोकार्पण के अवसर पर कहाकि डा0 करूणा पांडे भारतीय संस्कृति पर्यावरणीय संचेतना और सनातन समरसता को अपनी लेखनी से प्रस्तुत करने वाली ऊर्जावान साहित्यकार हैं। पुस्तक की समीक्षा करते हुए डा0 महेश दिवाकर ने इस पुस्तक को अपने समय का दायित्व बोध बताया उन्होंने कहा कि अब समय आ गया, जब हमें अपनी प्राकृतिक संपदाओं का संरक्षण करना होगा तथा इस तरह के विषयों को उठाने वाले लोगों को समाज में प्रोत्साहित करना होगा।

इस विमोचन कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रही डॉ0 पूर्णिमा पांडे ने कहा कि पर्यावरण की समस्या भारत हो नहीं पूरे विश्व की समस्या बन चुकी है। विभिन्न राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठित, वरिष्ठ साहित्यकार एवं मोटिवेशनल स्पीकर डा0 राधा बिष्ट ने भी डॉ0 करुणा पांडे सराहना करते हुए कहा कि अब तक 40 से अधिक पुस्तकों की रचयिता करुणा पांडे की प्रत्येक कृति में विषय वस्तु का गहराई से अध्ययन छुपा होता है अन्य अतिथियों में मुकुल सिंघल ने कहा कि नई पीढ़ी सनातन संस्कृति के ज्ञान से विमुख होती जा रही है तथा सनातन संस्कृति का मूल पर्यावरणीय महत्व के ज्ञान के लिए ऐसे विषयों को लगातार उठाते रहने की आवश्यकता हैं।

# आरएसएम अस्पताल की सुविधाओं को जांच रही एनक्यास टीम

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** बीकेटी के आरएसएम संयुक्त अस्पताल में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यास) की टीम ने निरीक्षण शुरू किया है। राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन के लिए दो सदस्यीय एनक्वास के मूल्यांकनकर्ता मंगलवार तक निरीक्षण कर अस्पताल में मरीजों को दी जा रही सुविधाओं और गुणवत्ता के बारे में जानेंगे। आरएसएम के सीएमएस डॉ. वीके शर्मा ने बताया कि टीम में हरियाणा पंचकुला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की पैथालॉजिस्ट डॉ. सरोजबाला, नई दिल्ली लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के पीडियाट्रिक विभाग के एचओडी डॉ. तरुण कुमार रवि शामिल हैं। यह टीम एनक्यूएएस और मुस्कान के राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ता, राष्ट्रीय प्रशिक्षक आईएमएनसीआई और एफबीएनसी में शामिल है। एनक्वास प्रमाणीकरण होने पर अस्पताल को एनक्वास प्रमाण पत्र के साथ अस्पताल की सेवाओं को तीन साल तक विशेष अनुदान भी मिलेगा।

# सोलर उपभोक्ताओं की यूनिट का समायोजन तत्काल कराया जाए : अवधेश वर्मा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर** प्रदेश में रूफ्टॉप सोलर प्रणाली अपनाने वाले हजारों विद्युत उपभोक्ताओं को उस समय गहरा झटका लगा जब उनके अप्रैल माह के बिजली बिलों में सोलर पैनल से उत्पादित अतिरिक्त बिजली यूनिट्स का समायोजन नहीं दिखाया गया। यह खुलासा तब हुआ जब उपभोक्ताओं ने पाया कि वित्तीय वर्ष के अंत के बाद होने वाला नियमित यूनिट समायोजन इस बार उनके बिलों में 'शून्य' दिखाया गया है। इस गंभीर अनियमितता के बाद उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल किया। उन्होंने मांग की कि प्रदेश के सभी रूफटॉप सोलर उपभोक्ताओं की यूनिट का समायोजन तत्काल कराया जाए और पावर कारपोरेशन को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को उनका न्यायोचित हक मिल सके। परिषद द्वारा दाखिल प्रस्ताव में कहा गया है कि अप्रैल महीने में सॉफ्टवेयर की तकनीकी गड़बड़ी के चलते हजारों उपभोक्ताओं की यूनिट का समायोजन शून्य दिखाया जा रहा है, जिससे पूरे प्रदेश के सोलर उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है। यह स्थिति न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान पहुंचा रही है बल्कि पावर कारपोरेशन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रही है।

# विद्यालय में लगेगी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की मूर्ति

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** राजधानी के चारबाग स्थित एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज के प्रांगण में आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व सेलुलर जेल बंदी रहे अतुल चंद्र दत्ता उर्फ मेघू की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। मूर्ति का अनावरण उत्तर प्रदेश सूचना आयोग के आयुक्त दिलीप अग्निहोत्री द्वारा किया जाएगा।

# सैकड़ों व्यापारियों ने लखनऊ व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण की

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा, महामंत्री उमेश शर्मा तथा पश्चिम विधानसभा महामंत्री सुशील तिवारी की उपस्थिति में सोमवार को बुद्धेश्वर परिक्षेत्र के अध्यक्ष रामशंकर राजपूत और उपाध्यक्ष गोपाल गुप्ता के साथ ई-ब्लॉक मार्केट में एक अहम बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर ई-ब्लॉक मार्केट के पूर्व महामंत्री शीलू बाजपेयी के नेतृत्व में पूर्व महामंत्री राजवीर सिंह, संजीव चंदानी समेत सैकड़ों व्यापारियों ने लखनऊ व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण की। सभा के दौरान व्यापारियों ने वर्तमान ई-ब्लॉक मार्केट व्यापार मंडल के अध्यक्ष पर मनमानी करने और संगठन की मूल भावना के विपरीत कार्य करने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि ई-ब्लॉक व्यापार मंडल का पुनर्गठन किया जाए ताकि सभी व्यापारियों की भागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने इस मौके पर घोषणा की कि ई-ब्लॉक मार्केट के अध्यक्ष ऋषभ गुप्ता को संगठन विरोधी गतिविधियों के चलते कार्यकारिणी के निर्देशानुसार नगर कमेटी से तत्काल प्रभाव से पृथक किया गया है। अब वे संगठन के सदस्य नहीं रहेंगे। बैठक में सैकड़ों व्यापारियों की मौजूदगी रही, जिन्होंने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए सदस्यता की शपथ ली। प्रमुख रूप से ए.एस. अरोड़ा, बृजकिशोर द्विवेदी, मनीष गुप्ता, अनिल विश्वकर्मा, प्रदीप शर्मा, कन्हैया, कृष्ण कुमार शर्मा, अनिल शर्मा, संदीप गुप्ता, रामदयाल, रामपाल शर्मा, सोनी, अभिषेक भवनानी, विनीत पटेल, संजय तिवारी, अरुण तिवारी, नईम, राजीव महरोत्रा, भावेश चतुर्वेदी, कुक्कू अवस्थी, हरिदास प्रजापति, जवाहर सिंह, किशोर, मीनाक्षी गुप्ता, दीपा, राजकमल सक्सेना, जसविंदर सिंह, पंकज, लक्ष्मी चंद्र, कौशल मूर्जनी, नामित शर्मा, दिनेश माथुर समेत अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

# परिश्रम का पर्याय हैं कार्यकर्ता : धर्मपाल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने

## संगठनात्मक बैठक में नेताओं से संवाद

कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि भाजपा लगातार कार्य करने वाला दल है। जहां एक ओर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता व नेता सिर्फ चुनाव के समय सक्रिय होते है। वहीं भाजपा सामाजिक, सांस्कृतिक कार्य जनता के बीच करती है। भाजपा विचार आधारित दल है। जबकि सभी विपक्षी दल परिवार व जाति आधारित दल है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव देश की आवश्यकता है, जो राष्ट्र को राजनैतिक स्थिरता के साथ आर्थिक समृद्ध और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा। वक्फ सुधार जन-जागरण अभियान के माध्यम से हमें वक्फ कानून के नाम पर देश में कांग्रेस द्वारा दी गई लूट की छूट का पर्दाफाश करना है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आम्बेडकर सम्मान अभियान के माध्यम से जिला स्तर पर गोष्ठियां आयोजित की जा रही है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों द्वारा बाबा साहेब के विरूद्ध किए गए षडयंत्र को भी जनता के बीच पहुंचाना है। भाजपा की मजबूत बूथ संरचना किसी भी चुनाव को जीतने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मजबूत बूथ संरचना से मजबूत व्यूह रचना तैयार करना है। जो विपक्ष के हर भ्रम और झूठ को समाप्त करने के लिए बूथ पर लगातार सम्पर्क व संवाद करेगी। हर बूथ पर भाजपा की विजय का परचम फहराएगी। उन्होंने कहा कि हमें सभी मोर्चो को भी बूथ पर मजबूत करना होगा।

# वामपंथी कर रहे थे जनजातीय समाज का ब्रेनवॉश : योगी

## 2017 से पहले जन जातियों को नहीं था वोटिंग राइट, गोरक्ष-अवध प्रांत के कार्यकर्ताओं का सम्मान

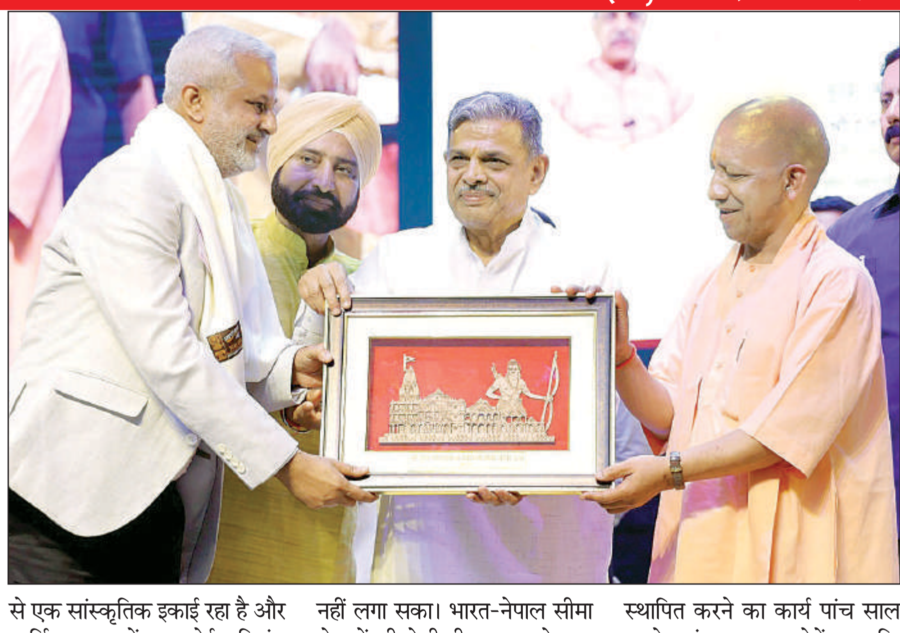

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** जन जातियों को 2017 से पहले मतदान के अधिकार नहीं थे। राशन कार्ड और कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं थी। भाजपा की सरकार आने के बाद से थारू, मुसहर, कोल, गोंड, समेत सभी जनजातियों को हर सुविधा उपलब्ध कराई गई। पहले कुछ मिशनरी और वामपंथी इस समाज का ब्रेनवॉश भी किया करते थे। ये विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सीएमएस स्कूल में आयोजित गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 5 के कार्यकर्ता सम्मान समारोह में व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनटांगिया के 55 गावों में कोई अधिकार नहीं थे। यह स्थिति देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रही थी। उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक भारत आदिकाल से एक सांस्कृतिक इकाई रहा है और धार्मिक यात्राओं पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा सका। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में भी ऐसी ही एकता को पुनः स्थापित करने का कार्य पांच साल पहले प्रारंभ हुआ। उन्होनें कहा कि 1947 में देश को आजादी मिली, लेकिन 2017 से पहले तक इन गांवों के लोगों को न वोटिंग का अधिकार था, न राशन कार्ड। न बिजली, न सड़क और न स्वास्थ्य की कोई सुविधा। वन विभाग और पुलिसकर्मी इनका शोषण करते थे। बीजेपी की सरकार आई, तब इन गांवों को राजस्व ग्राम की मान्यता देकर सभी योजनाएं लागू की गईं। थारू जनजाति के लोग अंग्रेजों द्वारा तराई के जंगलों में बसाए गए। उन्हें कहा गया था कि जंगल में रहो, कोई वेतन नहीं मिलेगा। वे झोपड़ियों में रहे, शोषण सहा। जब आजादी मिली तब भी सरकारों ने आंखें मूंदी रखीं। उन्होंने कहा कि 2022 और 2024 के चुनाव में भी हजारों लोग पहली बार वोटर बने। अब हर गांव में सड़क है, हर घर में बिजली है, सभी को मकान मिले हैं। आंगनबाड़ी केंद्र खुले हैं, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र बन रहे हैं। हमें आभार प्रकट करना चाहिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नानाजी देशमुख और अपने पूज्य गुरुदेव महंत अवैद्यनाथ का। उन्होंने बच्चों के लिए छात्रावास और स्कूल की व्यवस्था कराई। सीएम ने कहा कि यह यात्रा केवल स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकात्मता की यात्रा है। यह हमें जगतगुरु शंकराचार्य की याद दिलाती है। जब यात्राओं के माध्यम से जनजागरण का कार्य हुआ करता था। आज यह कार्य भारत-नेपाल सीमा पर हो रहा है। यह यात्रा चलती रहनी चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के साथ मुख्यमंत्री ने भगवान धन्वंतरी, भारत माता, गुरु गोरखनाथ और स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर पुष्प अर्पित किये।

# अप्रैल से उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 1.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के लिए अप्रैल का महीना एक और बोझ लेकर आया है। बिना किसी सार्वजनिक घोषणा के उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अप्रैल 2025 से सभी उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 1.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। यह बढ़ोतरी 'ईंधन अधिभार शुल्क' (फ्यूल एडजस्टमेंट चार्ज) के नाम पर की गई है, जिसकी वजह जनवरी माह में बिजली कंपनियों का निकला 78.99 करोड़ रुपये का समायोजन बताया जा रहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि इस बढ़ोतरी का आदेश गुपचुप तरीके से 27 मार्च को ही जारी कर दिया गया था और 1 अप्रैल से इसे सॉफ्टवेयर में लागू भी कर दिया गया, जिससे उपभोक्ताओं को बिना जानकारी के ही बढ़ा हुआ बिल थमाया गया। यानी कि अब उपभोक्ताओं को जब अपना अप्रैल माह का बिजली बिल मिलेगा, तो उसमें कुल बिल राशि का 1.24 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क बतौर ईंधन अधिभार जोड़ दिया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने इस बढ़ोतरी को पूरी तरह असंवैधानिक और जनविरोधी बताया है। उन्होंने कहा कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा हाल ही में लागू किए गए मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 के संशोधन के तहत अब हर महीने बिजली दरों में ईंधन अधिभार के नाम पर घटोतरी और बढ़ोतरी की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो निजी कंपनियों के दबाव में उपभोक्ताओं पर थोपे गए एक काले कानून से कम नहीं है। वर्मा ने यह भी बताया कि प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं का पहले से ही बिजली कंपनियों पर करीब 33,122 करोड़ रुपये का सरप्लस बकाया है, ऐसे में जनवरी माह का 78.99 करोड़ रुपये सीधे इसी राशि से समायोजित किया जाना चाहिए था।

# मंडल रेल प्रबंधक ने लखनऊ से मैलानी जंक्शन तक किया विंडोट्रेलिंग निरीक्षण

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने सोमवार को लखनऊ जंक्शन से मैलानी जंक्शन तक रेलखंड का वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ विंडोट्रेलिंग निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य संरक्षा, स्वच्छता और अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने बक्शी का तालाब, सिधौली, सीतापुर, लखीमपुर, गोला गोकर्णनाथ और मैलानी स्टेशनों का भ्रमण किया। उन्होंने स्टेशन भवनों, समपार फाटकों, पुलों, सिग्नलों, स्टेशन यार्डों और यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। सीतापुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्लेटफार्म संख्या 1 और 3 पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही सीतापुर-हरगांव रेलखंड पर स्थित समपार संख्या 86सी की संरक्षा का परीक्षण करते हुए गेटमैन की कार्यकुशलता का निरीक्षण और संरक्षा काउंसिलिंग की गई। मंडल रेल प्रबंधक ने लखीमपुर और गोला गोकर्णनाथ स्टेशनों पर अमृत भारत योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति का भी निरीक्षण किया। और यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण यात्रा के अंतिम चरण में उन्होंने मैलानी जंक्शन स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बुकिंग कार्यालय, सरकुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म और फुट ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त रेलवे डीजल इंस्टॉलेशन, मीटर गेज कोचिंग डिपो, दुर्घटना सहायता गाड़ी और चिकित्सा सहायता गाड़ी की संरक्षा से संबंधित स्थिति की भी जांच की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (कोचिंग), वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (द्वितीय), वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

# पांच अस्पतालों में बनेंगे अमरनाथ यात्रा के मेडिकल

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** अमरनाथ यात्रा के लिए इस बार मेडिकल बनवाना और आसान होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अब तीन नहीं बल्कि पांच अस्पतालों में मेडिकल बनवाने की व्यवस्था की गयी है। इससे श्रद्धालुओं को लाइन में लगकर घंटों इंतजार नहीं करना होगा, जल्द ही उनका मेडिकल बन सकेगा।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने मांग की थी कि हर शहर में दो के बजाए पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था की जाए। उनकी इस मांग को स्वास्थ्य विभाग ने मान्य किया है। अस्पतालों में यात्रियों के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने की व्यवस्था की जा रही है। मालूम हो कि अमरनाथ की पावन यात्रा इस बार तीन जुलाई से शुरू होकर नौ अगस्त तक चलेगी। बाबा बर्फानी के दिव्य भव्य दर्शन के लिए यात्रा में जाने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के पंजीकरण 14 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं। अमरनाथ की यात्रा में पंजीकरण करवाने के लिए हर श्रद्धालु का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बहुत जरूरी होता है। लखनऊ के दो अस्पतालों श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल और रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त अस्पताल में प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था थी। श्राइन बोर्ड की मांग पर इस बार अब पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। इन अस्पतालों की सूची श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। अब बलरामपुर, लोकबंधु राजनारायण और महानगर बीआरडी अस्पताल में भी प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। पांच अस्पतालों को मान्य करते हुए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दे दी है। इससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी।

# नगर निगम ने नाले पर बनी झुग्गियां ढहाईं

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** बरसात के पहले नाले-नालियों की सफाई में जुटे नगर निगम ने सोमवार को अतिक्रमण अभियान चलाया। जोन दो में नाले पर बनी 35 झुग्गियां हटाई गईं। लगभग 3:30 घंटे अभियान चला। अतिक्रमण के चलते नाले की

**अतिक्रमण के चलते नहीं हो पा रही थी नाले की सफाई**

सफाई नहीं हो पा रही थी। इससे क्षेत्र में जलभराव हो रहा था।

क्षेत्रीय पुलिस की उपस्थिति में वार्ड ऐशबाग अंतर्गत गोपीनाथ रस्तोगी इंटर कॉलेज के बाहर से लेकर गूंगा बहस स्कूल तक नाले पर बनी झुग्गियों को हटाया गया। अभियान के तहत नगर निगम ने लगभग तीन दर्जन अवैध झुग्गियों को हटाया। ये झुग्गियां वर्षों से नाले के ऊपर अतिक्रमण कर बनाई गई थीं, जिससे न केवल नाले की सफाई व जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही थी, बल्कि क्षेत्र में गंदगी और जलजमाव की समस्या भी बनी हुई थी। साथ ही, आग लगने या अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में स्थानीय निवासियों की सुरक्षा पर भी खतरा बना हुआ था। अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने किया, जिनके निर्देशन में यह कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं सुनियोजित ढंग से सम्पन्न की गई। अभियंत्रण विभाग जोन-2 के अवर अभियंता (जेई) उमेश पाल सिंह एवं वार्ड 296 की पूरी टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस दौरान एसआई जय किशन द्विवेदी व उनकी पुलिस टीम भी मौजूद रही।

## 19 करोड़ की जमीन अवैध कब्जे से मुक्त

ग्राम तेराखास व नटकुर में नगर निगम ने 19 करोड़ की जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई। कार्रवाई का नेतृत्व अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव की टीम ने किया। कार्यवाही के लिए प्रभारी अधिकारी, सम्पत्ति नगर निगम संजय यादव द्वारा आदेश जारी किया गया था। इसके तहत नायब तहसीलदार नीरज कटियार के नेतृत्व में नगर निगम के लेखपाल राकेश यादव, लालू प्रसाद, आलोक यादव एवं विनोद वर्मा की टीम ने मौके पर पहुँच कर अवैध रूप से कब्जाई गई भूमि को खाली कराया। इस जमीन पर एक प्रॉपर्टी डीलर ने अवैध प्लॉटिंग की थी। नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से शांतिपूर्ण ढंग से इस अवैध निर्माण को हटाया और भूमि को कब्जे से मुक्त कराया। मुक्त कराई गई भूमि ग्राम तेराखास की खसरा संख्या-151 में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 0.190 हेक्टेयर (बंजर भूमि) है। यह भूमि नगर निगम की अभिलेखों में दर्ज है और इसकी वर्तमान बाजारी कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। ग्राम नटकुर में कुल 1.381 हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया, जो मुख्य सड़क के किनारे स्थित है और अत्यंत मूल्यवान मानी जाती है। इस भूमि की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये आंकी गई है।

# शादी अनुदान योजना को मिलेगी ऊड़ान

## पांच सवाल

सुनीता सिंह
जिला समाज कल्याण अधिकारी
लखनऊ

प्रदेश सरकार ने शादी अनुदान योजना को नये रूप में इस वित्तीय वर्ष से आरंभ किया है। इस योजना का उद्देश्य गरीब निर्धन परिवार की बेटियों की शादी भी सहज हो सके। समाज कल्याण विभाग द्वारा इस योजना का लाभ दलित एवं सामान्य वर्ग की गरीब परिवारों को दिया जाता है। जिनकी सालाना आय शहरी क्षेत्र में 56, 460 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 46, 810 रुपए होनी चाहिए। ऐसे परिवारों को इस योजना के तहत 20 हजार रुपए दिये जाते हैं। यह योजना उन परिवारों के लिए लाभप्रद है जो सामूहिक नहीं बल्कि घर पर ही बेटी की शादी करना चाहते हैं। शादी के तीन माह पूर्व इसके लिए आवेदन करना होता है। यह कहना है कि जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता सिंह का।

**सामूहिक विवाह योजना में एक लाख रुपए नहीं खर्च किये जा रहे हैं?**

सुनीता सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस योजना में एक लाख रुपए प्रति लाभार्थी देने का ऐलान किया गया है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में बजट की भी व्यवस्था भी की गयी है। किंतु बढ़ी धनराशि का शासन द्वारा कोई शासनादेश न आने से अभी प्रति लाभाथी पर 51 हजार रुपए की खर्च किये जा रहे हैं। जैसे ही नया आदेश आ जायेगा इस राशि को बढ़ा दिया जायेगा।

**वृद्धावस्था पेंशन में सत्यापन के नाम पर लाभार्थियों की संख्या कम करने का आरोप है?**

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि सरकार की मंशा है कि हर पात्र को केन्द्र एवं राज्य की योजनाओं का लाभ मिले। साथ ही हर साल लाभार्थियों का सत्यापन भी कराया जाता है। इस समय भी वृद्धावस्था पेंशन धारकों का सत्यापन किया जा रहा है। 15 मई तक यह कार्य पूरा कर जून में ब्यौरा फीड कराया जायेगा। जुलाई में सभी लाभार्थियों के खाते में तीन माह के 3 हजार रुपए एक साथ ट्रांसफर हो जायेगा।

**वृद्धाश्रमों के सभी वरिष्ठ जनों को आयुष्मान एवं पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है?**

सुनीता सिंह ने बताया कि हर जिले में एक एक वृद्धाश्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है। इनमें दो सौ वृद्धों को रहने की व्यवस्था की गयी है। यहां रहने वाले सभी पात्रों को वृद्धावस्था पेंशन एवं आयुष्मान योजना का लाभ दिलाया जा रहा है। जिनको अन्य पेंशन मिल रही है उन्हें वृद्धावस्था पेंशन नहीं दी जा सकती। इसी तरह 70 साल से ऊपर हर बुजुर्ग को आयुष्मान कार्ड दिया गया है। 60 से 69 साल के बीच के वृद्धों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने का आदेश नहीं है।

**अभ्युदय कोचिंग का लाभ सभी को नहीं मिल पा रहा है?**

समाज कल्याण विभाग द्वारा गरीब बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विभाग द्वारा अभ्युदय कोचिंग चलायी जा रही है। यह सभी वर्ग के लिए है बशर्ते वह गरीब हो। इस कोचिंग के शहर में सात केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं जिसमें आफ लाइन एवं आनलाइन दोनों तरह की पढाई होती है। इस कोचिंग से निकले छात्र आइएएस पीसीएस तक बन रहे हैं।

-राजेश सिंह

# बिजली विभाग में बड़ा घोटाला!

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के आउटसोर्स कर्मचारियों को लेकर एक गंभीर अनियमितता और घोटाले का मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश पावर

**घायल और मृत संविदा कर्मियों को नहीं मिला मुआवज़ा, बकाया वेतन भी दबाया- संविदा कर्मचारी संघ**

**23 को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम कार्यालय पर होगा सत्याग्रह**

कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ, लखनऊ ने आरोप लगाया है कि कार्य के दौरान घायल और मृत हुए आउटसोर्स कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति देने में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया है। इसके साथ ही मार्च 2023 में आंदोलन के बाद हटाए गए कर्मचारियों के वेतन व ईपीएफ भुगतान में भी भारी गड़बड़ी की गई है। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि संगठन द्वारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल), वाराणसी के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की दुर्घटनाओं की सूची पावर कॉरपोरेशन को सौंपी गई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए पावर कॉरपोरेशन ने पीवीवीएनएल को जांच आख्या देने के निर्देश दिए। लेकिन निगम द्वारा भेजी गई जांच रिपोर्ट पूरी तरह से गलत पाई गई है, जिसके साक्ष्य संगठन के पास मौजूद हैं। मार्च 2023 में हुए आंदोलन में भाग लेने के आधार पर जून 2024 में कर्मचारियों को 15 महीने की सेवा के बावजूद केवल 9 महीने का वेतन दिया गया, वह भी 15 महीने बाद। 6 महीने का बकाया वेतन और ईपीएफ अब तक नहीं दिया गया और कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया। यह कर्मचारी आज भी दर-दर भटक रहे हैं। प्रदेश महामंत्री ने बताया कि उक्त अनियमितताओं के विरोध में संगठन 23 अप्रैल 2025 को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कार्यालय, भिखारीपुर, वाराणसी पर सत्याग्रह करेगा। संगठन ने इस सत्याग्रह को घायल व मृत कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध अंतिम संघर्ष बताया है।

# बलरामपुर अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट खराब

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** बलरामपुर अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट खराब हो गया। इससे ऑक्सीजन आपूर्ति में दिक्कत शुरू हो गई। हालांकि तुरंत अस्पताल प्रशासन ने ऑक्सीजन सिलेंडरों की व्यवस्था करवाई। अफसरों का कहना है कि कम्पनी को सूचना दे दी गई है प्लांट दुरुस्त करवाया जायेगा। बलरामपुर अस्पताल में 776 बेड पर मरीजों को भर्ती कर इलाज दिया जाता है। अस्पताल में दो ऑक्सीजन प्लांट लगे हैं। इन प्लांट से इमरजेंसी, आईसीयू समेत दूसरे कई वार्डों में ऑक्सीजन आपूर्ति की जाती है। इनमें से 990 एमएलडी का बड़ा वाला ऑक्सीजन प्लांट सोमवार दिन में खराब हो गया है। प्लांट खराब होने से वाडों में ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होनी शुरू हो गई है। वार्डों से ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित होने की जानकारी मिलते ही बलरामपुर के अफसरों ने जंबो सिलेंडर भिजवाने शुरू किए, जिससे वाडों में ऑक्सीजन आपूर्ति सामान्य रूप से शुरू हो सकी।

# बिजली निजीकरण के खिलाफ बड़ा आंदोलन तय

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में बिजली निजीकरण के खिलाफ आंदोलन तेज होता जा रहा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने आज प्रदेशभर में सांसदों,

**सोमवार को भी केंद्रीय मंत्री सहित कई जनप्रतिनिधियों को सौंपा गया ज्ञापन**

विधायकों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो मई महीने में प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह सरकार और ऊर्जा प्रबंधन की होगी। आज संघर्ष समिति के बैनर तले 145वें दिन भी पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इस क्रम में केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान को गोरखपुर में, देश के सबसे युवा सांसद पुष्पेंद्र सरोज को कौशांबी में और घोसी के सांसद राजीव राय को उनके संसदीय क्षेत्र में ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही फतेहपुर के विधायक चंद्रप्रकाश लोधी और ज्ञानपुर के विधायक विपुल दुबे समेत विभिन्न जिलों के जनप्रतिनिधियों को भी ज्ञापन देकर निजीकरण का विरोध दर्ज कराया गया। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने जानकारी दी कि आगामी आंदोलन का खाका तैयार कर लिया गया है। इन्होंने आंदोलन की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि, 1 मई को पूरे प्रदेश में मोटरसाइकिल रैलियां आयोजित होंगी, 2 से 9 मई के बीच राजधानी लखनऊ के शक्ति भवन पर क्रमिक अनशन दिया जाएगा, 14 से 19 मई के बीच नियमानुसार कार्य आंदोलन होगा, 20 मई को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, 21 से 28 मई के बीच रोज़ाना तीन घंटे का कार्य बहिष्कार किया जाएगा तो वहीं 29 मई से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

# वित्त विधेयक 2025 के विरोध में आज शिक्षक संघ का धरना

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** शिक्षक महासंघ के आवाहन पर धरने में सहभागिता की पुष्टि करते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा. आर.पी. मिश्र ने बताया कि भारत सरकार द्वारा लोकसभा में पारित वित्त विधेयक 2025 के माध्यम से सिविल सेवा पेंशन नियमावली में ऐसा बदलाव किया गया है, जिससे सरकार को सेवानिवृत्ति की तिथि के आधार पर पेंशनर्स में भेद करने का अधिकार मिल गया है। यह बदलाव पुराने पेंशनर्स को आगामी आठवें वेतन आयोग के लाभों से वंचित करने की दिशा में गंभीर खतरे की घंटी है। डा. मिश्र ने कहा कि यह बदलाव न केवल असमानता को बढ़ावा देता है बल्कि लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के भविष्य को भी संकट में डालता है। इसी कारण शिक्षक महासंघ ने इस प्रदेशव्यापी धरना आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है।

# सोने की चमक : सरकार दर सरकार कैसे चढ़ा भाव

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** वर्तमान में हर व्यक्ति सोने के चढ़ते दामों से हतप्रभ है। सोना आज एक लाख रूपये प्रति दस ग्राम के भाव पर पहुंच रहा है। सोने के बढ़ते भाव से निवेशक जहां खुश हैं, तो वहीं आम

**100 वर्षों में सोने के दामों में पांच हजार गुना से ज्यादा की आयी उछाल!**

**1925 में 18.75 रूपए से 2025 में 96000 रूपए से ऊपर पहुंचा भाव!**

आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है सोना। आज से सौ साल पहले साल 1925 में जहां सोने का भाव 18 रूपए प्रति दस ग्राम के लगभग था तो वहीं, आज ठीक सौ साल बाद यानि कि साल 2025 में सोने का भाव लगभग एक लाख रूपए प्रति दस ग्राम के लगभग पहुंच गया है। इसका मतलब है कि सीधे-सीधे भाव में 5120 गुना की बढ़ोत्तरी हो गई है, वहीं प्रतिशत में देखा जाए तो लगभग 5,11,900 प्रतिशत की आश्चर्यजनक रूप से बढ़ोत्तरी हुई है।

यह वृद्धि न केवल बाजार की बात है, बल्कि देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों का दस्तावेज़ भी है।

भारत देश में जब-जब सरकारें बदली तो सोने में भी आश्चर्यजनक रूप से भाव में चमक देखी गई। सरकारों के बदलते ही आर्थिक अस्थिरता या उम्मीदों के कारण सोने में हलचल पैदा हुई। साल 1991 में कांग्रेस सरकार ने जब देश को आर्थिक संकट से निकाला और उदारीकरण शुरू किया, तो सोना 3466 रुपये पर पहुंचा। साल 2008 की वैश्विक मंदी और यूपीए शासन में सोने ने 10,000 रुपये का आंकड़ा पार किया। साल 2014 के बाद मोदी सरकार में आर्थिक नीतियों और वैश्विक घटनाओं के कारण सोने ने तेज़ी पकड़ी। साल 2020 में कोविड के दौरान जनता ने सोने को सबसे सुरक्षित निवेश मानकर खूब खरीदा, जिससे भाव 48,000 रुपये तक पहुंच गए।

**- वैश्विक घटनाओं का असर:**

साल 1979-1980: ईरान-इराक युद्ध के कारण कीमत 937 रूपए से 1330 रूपए

साल 2008-2011: वैश्विक मंदी और आर्थिक संकट, 12,500 रूपए से 26,400 रूपए

साल 2020: कोविड महामारी में 48,480 रूपए

- 2024-25 में रिकॉर्ड ब्रेकिंग तेजी: 80,000 रूपए (2024) से 1 लाख रूपए लगभग (2025 अनुमान) - यानी 20,000 रूपए की बढ़त मात्र एक साल में।

**क्यों बढ़ता रहा सोना? जानकारों की राय**

अमित गुप्ता, आर्थिक विश्लेषक कहते हैं, जब भी बाज़ार या सरकार में अस्थिरता आती है, जनता का भरोसा सोने की ओर मुड़ता है। यही वजह है कि युद्ध, मंदी या महामारी जैसे समय में इसकी मांग बढ़ी। और फिर सोना एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित हो चुका है। लोगों में सोने की मांग बढ़ी है, यही सब कारण है सोने का भाव बढ़ने में। जानकार देवआनंद वर्मा बताते हैं, भारत में सोना गहनों के रूप में ही नहीं, अब निवेश, डिजिटल गोल्ड और सरकारी बॉन्ड्स के रूप में भी लोकप्रिय हो गया है। यह एक सुरक्षित और स्थायी संपत्ति मानी जाती है। जानकार संकेत देते हैं कि अगले 3 से 4 वर्षों में सोने की कीमत रूपए 1,20,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती है। कारण है अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता, महंगाई और डॉलर की कमजोरी।

**सोने की कीमतें: 100 वर्षों का विश्लेषण**

| वर्ष | सत्तारूढ़ सरकार प्रधानमंत्री/शासन प्रमुख | 10 ग्राम सोने का भाव (रुपये) |
|---|---|---|
| 1925 | ब्रिटिश शासन ब्रिटिश वायसराय | 18.75 |
| 1947 | कांग्रेस पं. नेहरू | 88.62 |
| 1966 | कांग्रेस इंदिरा गांधी | 84 |
| 1977 | जनता पार्टी मोरारजी देसाई | 576 |
| 1980 | कांग्रेस इंदिरा गांधी | 1330 |
| 1989 | जनता दल वी.पी. सिंह | 3140 |
| 1991 | कांग्रेस नरसिंह राव | 3466 |
| 1996 | मिलीजुली सरकार अटल बिहारी वाजपेयी | 5160 |
| 1998 | एनडीए अटल बिहारी वाजपेयी | 4045 |
| 2004 | यूपीए डॉ. मनमोहन सिंह | 5850 |
| 2014 | एनडीए नरेंद्र मोदी | 28734 |
| 2019 | एनडीए नरेंद्र मोदी (दूसरी बार) | 36080 |
| 2024 | एनडीए नरेंद्र मोदी (तीसरी बार) | 80000 |
| 2025 | (स्थिर) | लगभग एक लाख |

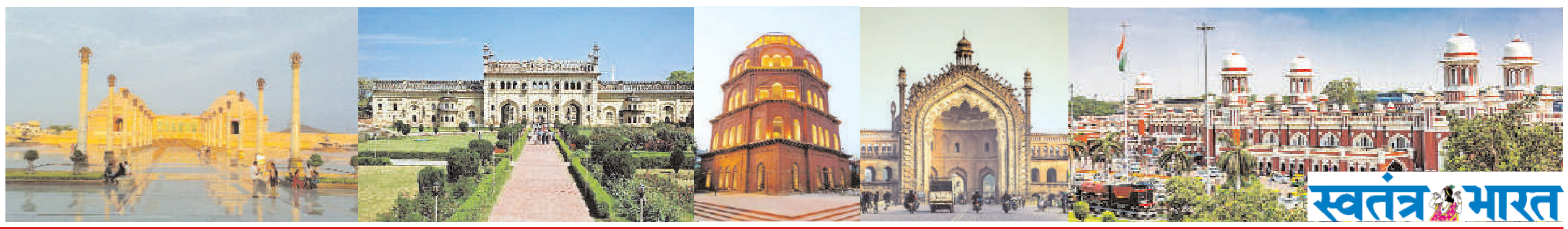



# महापौर से मिला कर्मचारी संघ, कुशलक्षेम जानी

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** नगर निगम कर्मचारी संघ ने महापौर सुषमा खर्कवाल का हालचाल जानने और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करने के लिए उनसे मुलाकात की। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष व सदस्यों ने महापौर के नेतृत्व और उनके द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों व कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा, राम अंचल महामंत्री, हेमंत कुमार, शमील एखलाक, शोएब उपाध्यक्ष, मंत्री लक्ष्मी, रेखा यादव, मिर्जा इरशाद बेग, कार्यालय मंत्री शत्रोहन, संगठन मंत्री अर्जुन यादव, निखलेश खरे, कोषाध्यक्ष यश विजय प्रकाश गुप्ता, संयुक्त मंत्री अनुज कुमार गुप्ता, सहायक मंत्री जाकिर अली, सुखदेव सहित सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

## 73वीं उ.प्र. पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता का समापन

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** प्रदेश पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता-2025 समापन के अवसर पर पुरूष वर्ग में मेरठ जोन को सर्वाधिक अंक प्राप्त कर चल वैजयंती जीतने का गौरव प्राप्त किया है। तो वहीं महिला वर्ग में मेरठ जोन की महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चल वैजयंती जीतने का सम्मान मिला। साइकिलिंग प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला टीमों में मेरठ जोन को गौरव मिला है। इस प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण में 08 नये कीर्तिमान का स्थापित करने में महिला टीम द्वारा 05 व पुरूष टीम में 03 कीर्तिमान स्थापित किये। वहीं मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी सुजीत पाण्डेय द्वारा मेरठ जोन के आकाश ग्रेवाल पुरूष टीम के सर्वोत्तम खिलाड़ी एवं महिला वर्ग में मेरठ जोन की उजाला ने सर्वोत्तम खिलाड़ी होने का गौरव प्राप्त किया। सर्वोच्च साइकिलिंग में होने केशव शर्मा, मेरठ जोन व महिला टीम में आरती व बुलबुल संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

## अस्थिजनन अपूर्णता पर चर्चा

**स्वतंत्र भारत चिनहट।** मैक्स में डॉक्टरों ने ऑस्टियोजेनेसिस इम्पर्फेक्टा से पीड़ित 36 वर्षीय महिला स्तुति उपाध्याय की जटिल किडनी स्टोन हटाने की सर्जरी को मिनिमली इनवेसिव तरीके से सफलतापूर्वक पूरा किया। यह एक दुर्लभ आनुवंशिक रोग है, जिसमें हड्डियां अत्यधिक नाजुक हो जाती हैं और मामूली हरकत भी फ्रैक्चर का कारण बन सकती है। यूरोलॉजी निदेशक डॉ. आदित्य के शर्मा, ने कहा, ऑस्टियोजेनेसिस इम्पर्फेक्टा से पीड़ित मरीज का ऑपरेशन करते समय बेहद सावधानी रखनी होती है।

# राजधानी में विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो : एमडी मध्यांचल

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल द्वारा सोमवार को लखनऊ के अहिबरनपुर स्थित भण्डार केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण ग्रीष्मकाल में बिजली व्यवस्था को सुचारु रखने और विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रबन्ध निदेशक ने भण्डार केन्द्र का विस्तार से भ्रमण किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि लखनऊ में विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो, इसके लिए आवश्यक विद्युत सामग्री हमेशा उपलब्ध रहे। उन्होंने यह भी जानकारी ली कि कौन-कौन से मैटीरियल संवेदनशील हैं तथा उनकी उपलब्धता की वर्तमान स्थिति क्या है। इसके साथ ही ईआरपी प्रणाली के माध्यम से मैटीरियल की डिमांड (इन्डेन्ट) देने की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए गए कि विद्युत सामग्री की आवश्यकता पड़ने पर उसका त्वरित वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा आपातकालीन परिस्थितियों में वितरण खण्ड और स्टोर के बीच किसी भी प्रकार का संचार-अन्तराल न रहे। भण्डार केन्द्र की साफ-सफाई और सामग्री की स्टैकिंग व्यवस्था को संतोषजनक पाते हुए प्रबन्ध निदेशक ने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के समय अधीक्षण अभियन्ता (स्टोर), अधिशासी अभियन्ता (स्टोर) सहित अन्य अधिकारी एवं भण्डार केन्द्र का स्टाफ उपस्थित रहा।

# 'फुले' को रिलीज़ से रोके जाने के विरोध में आप पार्टी का प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म 'फुले' को सेंसर बोर्ड द्वारा रिलीज़ से रोके जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने सोमवार को प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी लखनऊ में यह प्रदर्शन अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल और जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में जीपीओ, हजरतगंज पर आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाज़ी करते हुए सेंसरबोर्ड और केंद्र सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और आप कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हुई। पार्टी के जिला अध्यक्ष इरम रिजवी को प्रदर्शन से पहले ही सुबह उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में और अधिक आक्रोश फैल गया। प्रदर्शन के दौरान 'ज्योतिबा फुले अमर रहें' और 'सेंसरबोर्ड मुर्दाबाद' जैसे नारे गूंजते रहे। अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने इस निर्णय को सामाजिक न्याय और पिछड़े, दलित, वंचित वर्ग के आंदोलन पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि जब 'कश्मीर फाइल्स' और 'द केरल स्टोरी' जैसी विभाजनकारी फिल्मों को सरकार बढ़ावा देती है, तो 'फुले' जैसी प्रेरणादायक और ऐतिहासिक फिल्म को सेंसरशिप के बहाने रोका जाना एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। यह केवल एक फिल्म की बात नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, हमारे इतिहास और पहचान की लड़ाई है, जिसे आम आदमी पार्टी पूरे दमखम से लड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि पार्टी सड़क से संसद तक इस अन्याय के खिलाफआवाज़ उठाएगी। लखनऊ की जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि सेंसर बोर्ड ने 'फुले' फिल्म पर 16 कट्स लगाने के बाद भी उसे 11 अप्रैल को रिलीज़ होने से रोक दिया, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। इरम रिजवी ने भारतीय जनता पार्टी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर भाजपा संविधान, बाबा साहेब और दलित अधिकारों की बातें करती है, वहीं दूसरी ओर जब कोई रचनात्मक माध्यम समाज के शोषण के खिलाफआवाज़ उठाता है, तो उसे सेंसरशिप के नाम पर रोक देती है। यह भाजपा की असली सोच और दोहरे चरित्र को उजागर करता है, जो अब जनता से छुपा नहीं है।

# वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आग़ाज़

**स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ।** इंद्रानगर स्थित सिटी इंटरनेशनल स्कूल द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम में तीन दिवसीय इंटर-स्कूल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के 38 प्रतिष्ठित स्कूलों के लगभग 350 छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। बता दें कि टूर्नामेंट में भारतीय वॉलीबॉल टीम के पूर्व कप्तान व अर्जुन अवार्डी रनवीर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे तमाम छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में सिटी इंटरनेशनल स्कूल की चीफ मेंटर व सिटी मॉन्टेसरी स्कूल की संस्थापक डा. भारती गांधी, सीआईएस की संस्थापक डा. सुनीता गांधी व सीआईएस के

मैनेजिंग डायरेक्टर रॉबर्ट गांधी समेत कई स्कूलों के प्रशासनिक अधिकारियों ने शिरकत की। डा. भारती गांधी ने मुख्य अतिथि रनवीर सिंह को धन्यवाद दिया और कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल बेहद जरूरी है। वहीं सीआईएस की संस्थापक डा. सुनीता गांधी ने कहा कि खेल का मतलब टीम वर्क और छात्रों को अभी से टीम वर्क सिखाना बेहद जरूरी है।वहीं सीआईएस के मैनेजिंग डायरेक्ट रॉबर्ट गांधी ने प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे सभी छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सराहना की।

## पत्नी ने प्रेमी भांजे के साथ मिलकर की थी पति की हत्या

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** देवरिया जिले में एक पत्नी ने अपने प्रेमी (भांजे) के साथ मिलकर पति की हत्या की थी। गांव से करीब 70 किलोमीटर दूर युवक का शव शूटकेस में मिला था। पुलिस ने मृतक की पत्नी को गिरफ्तार कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, घरवालों का कहना है कि आरोपितों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने सोमवार को बताया कि तरकुलवा थाना क्षेत्र स्थित पकड़ी पटखौली गांव के गेहूं खेत में ट्राली बैग में युवक का शव मिला था। पासपोर्ट से उसकी पहचान मईल थानाक्षेत्र के भटौली गांव में रहने वाले अली अहमद के पुत्र नौशाद के रूप में हुई।

# गुर्दा रोग में तीन तरह की डायलिसिस एनेस्थीसिया की अहम भूमिका

**स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ।** गुर्दा मरीजों की तीन तरह की डायलिसिस होती है। एक मरीज को चार से छह घंटे, उससे गंभीर मरीज को 10 से 11 घंटे डायलिसिस की जाती है, जबकि आईसीयू में भर्ती रहने वाले गंभीर मरीज की डायलिसिस दो से तीन दिन तक चलती है। यह बात डॉ. पीके दास ने लोहिया अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में कही।

लोहिया अस्पताल के एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पीके दास ने बताया कि डायलिसिस के मरीज पर ब्लड प्रेशर का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में बहुत संभलकर डायलिसिस करनी होती है। एनेस्थीसिया विशेषज्ञ इस डायलिसिस में अहम योगदान देते हैं। वहीं यह तय करते हैं कि किस मरीज को कौन सी डायलिसिस देनी होती है। एनेस्थीसिया विभाग के पूर्व प्रमुख व लोहिया के पूर्व निदेशक डॉ. दीपक मालवीय और वरिष्ठ संकाय डॉ. शिल्पी मिश्रा ने थायराइड के मरीजों में ऑपरेशन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। डॉ. शिल्पी ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान मरीज का थायराइड का सामान्य होना बहुत जरूरी होता है। एनेस्थीसिया विशेषज्ञ इसमें भी अहम भूमिका निभाते हैं। डॉ. आरपी गेहदू ने बेहोशी देने के दौरान उपयोग में आने वाली मशीनों की विस्तृत जानकारी छात्रों को दी। डॉ. अपूर्व अग्रवाल व डॉ. संजय चौबे ने बच्चों को एनेस्थीसिया देने के बारे में बताया।

### क्यों होती है डायलिसिस

डायलिसिस तब होती है जब आपके गुर्दे (किडनी) ठीक से काम नहीं कर रहे हों, खासकर जब वे रक्त को साफ करने में असमर्थ हो जाते हैं। गुर्दे के विफल होने पर, वे अपशिष्ट पदार्थ और अतिरिक्त तरल पदार्थ को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाते हैं, जिससे डायलिसिस की आवश्यकता होती है।


**एम.सी.जे.फार्म नं. ३३ भाग ७ हेतु संदर्शित करने के सूचना**

(साधारण प्रारूप)

न्यायालय उपजिलाधिकारी सदर सीतापुर

वादं.स. टी २०२४१०६४०२१३४४६

सन् २०२४

पेशी-२६.०४.२०२५

राजेश मिश्रा आदि बनाम उ.प्र. सरकार आदि

१- सरकार उ.प्र. राज्य द्वारा कलेक्टर महोदय सीतापुर।

२-ग्राम पंचायत टिकवापारा द्वारा प्रधान टिकवापारा परगना, तहसील व जिला सीतापुर।

३- रवि कुमार पुत्र चन्द्र मोहन निवासी टिकवापारा परगना तहसील व जिला सीतापुर

४- दीपेन्द्र

५- सौरभ

६-संतोष उर्फ नितिन पुत्रगण राजेन्द्र कुमार

७-मनीष कुमार पुत्र शिव प्रकाश निवासी मोहल्ला तरीनपुर परगना व तह. व जिला सीतापुर

८-रवि प्रकाश पुंत्र गोविन्द प्रसाद निवासी ग्राम टिकवापारा परगना व तहसील व जिला सीतापुर

९-कुष्ण प्रकाश उर्फ रवी पुत्र शिव प्रकाश

१०-मुकुट बिहारी

११-ओम प्रकाश पुत्रगण अवध बिहारी

१२- मनीष पुत्र भूपेन्द्र नाथ

१३- शशी कृष्ण श्रीवास्तव पुत्र कृष्ण प्रकाश निवासीगण तरीनपुर परगना तहसील व जिला सीतापुर

१४-रवि कृष्ण श्रीवास्तव

१५-मधुर महोन श्रीवास्तव पुत्रगण कृष्ण प्रसाद श्रीवास्तव बहैसियत मुख्तारआम सगा भाई शसी कृष्ण श्रीवास्तव निवासी ३५४ इन्द्रानगर लखनऊ---प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित वादीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि धारा १४४ उ.प्र.रा.सं. ०६ अतएवं आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतुं सनदिर्शत करने के लिए २०२५ -४ के २६ दिवस को १०.०० बजे पूर्वान्ह में स्वयं सम्पर्क रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उप संजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा आधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहत आज दिनांक २०२५/ ०३/२०२५ के दिवस को निकाली गई।

न्यायालय के आज्ञा से

सी.आर.-135/D-CN



## स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

### सूचना

सूचित हो मेरे पुत्र का नाम श्लोक धनगर (SHLOK DHANGAR) है। नाम से पहले दिव्य (DIVY) जोड़ दिया है। इस प्रकार अब मेरे पुत्र का नाम दिव्य श्लोक धनगर (DIVY SHLOK DHANGAR) हो गया है जिसे भविष्य में इसी नाम से जाना पहचाना जाये। - आलोक पाल पुत्र स्व. रामचन्द्र पाल, निवासी-मुन्नूगंज, गोला, लखीमपुर खीरी वर्तमान पता-गोपालपुरी, आलमबाग, लखनऊ।

सी.आर.-137/L-50

### संबंध विच्छेद

मैंने अपनी पुत्री हरमनदीप कौर को गलत आचरण के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करके संबंध विच्छेद कर लिए हैं। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। मलकीत सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह नि.ग्रा. नगला दमन थाना जलालाबाद-शाहजहांपुर।

सी.आर.-134/D-34

### संबंध विच्छेद

मैंने अपने पुत्र सलीम खां को गलत आचरण के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करके संबंध विच्छेद कर लिए हैं। वह अपने कृत्यों का स्वयं जिम्मेदार होगा। इदरीशा वेगम पत्नी स्व. हनीफखां नि.मो. मदराखेल थाना सदर बाजार-शाहजहांपुर।

सी.आर.-134/D-33

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 1989 का अनुक्रमांक संख्या 0446632 की मार्कशीट (अंकपत्र) वास्तव में खो गये हैं। रजनी चौधरी सुपुत्री श्री लाल बहादुर चौधरी, मकान संख्या- के एच-66 संजय गाँधी पुरम् इंदिरा नगर, लखनऊ, उ.प्र.

सी.आर.-132/L-35

### सूचना

मैं अपने पुत्र राहुल के गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इनके किसी भी कृत्यों के वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा। बिहारी लाल पुत्र स्व. बच्चूलाल, ग्रा.-खेतमानी, पो.-बलसिंहपुर, थाना-रामपुरकलाँ, महमूदाबाद, सीतापुर।

सी.आर.-133/L-37



## कार्यालय आदर्श नगर पंचायत आनन्दनगर-महराजगंज

पत्रांकः- 45-(1)/न.पं.आ./2025 दिनांकः- 19-04-2025

### ई-प्रोक्यूरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत आनन्दनगर जनपद महराजगंज द्वारा निर्गत ई-प्रोक्यूरमेंट सूचना के माध्यम से कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रम योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्न निर्माण कार्य सम्पादित किया जाना है। कराये जाने वाले कार्यों हेतु (टेक्निकल एवं फाईनेन्शियल) ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाईट http://www.etender.up.nic.in पर आनलाईन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की समस्त कार्यवाही वेबसाईट http://www.etender.up.nic.in पर किया जायेगा। निविदा शुल्क एवं धरोहर की धनराशि को भारतीय स्टेट बैंक शाखा फरेन्दा (आनन्दनगर) में खुले खाता सं. 38687104825 IFSC Code- SBIN0000210 में जमा करके प्राप्ति रसीद संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा की विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाईट पर ई-निविदा प्रकाशन दिनांक 22.04.2025 अपरान्ह 2:00 बजे, डाउनलोड/अपलोड दिनांक 22.04.2025 अपरान्ह 4:00 बजे एवं ई-निविदा अपलोड की अन्तिम दिनांक 22.05.2025 अपरान्ह 2:00 बजे तक एवं ई-निविदा दिनांक 23.05.2025 अपरान्ह 3:00 बजे खोली जायेगी। ई-निविदा के शर्तों की जानकारी कार्यालय समय व दिवस में की जा सकती है। निर्माण कार्य का विवरण निम्नवत है।

अधिशासी अधिकारी
आदर्श नगर पंचायत आनन्दनगर
महराजगंज



अदालती सूचना ता. पेशी 23.04.2025 जो.च. आकार-पत्र 6-क (नियम 26(3)) नोटिस (धारा 9-क(2) के अधीन) न्यायालय श्रीमान चकबन्दी अधिकारी, तहसील जलालाबाद जिला शाहजहाँपुर वाद संख्या- 40051/आर गांव सुखनैया पक्ष मुन्नी देवी बनाम विशुनदयाल आदि बनाम 1-श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी पूरन सिंह निवासी ग्राम पिलुआ पोस्ट विक्रमपुर तह. कलान जिला शाहजहाँपुर को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे सामने भूमि के सम्बन्ध में अधिकार और दायित्व, संयुक्त जोतों का विभाजन और गाटों, पेड़ों, कुओं तथा अन्य समुन्नतियों के मूल्य का अवधारण करने के लिए वाद रजिस्टर तैयार किया गया है। आपको एतद्द्वारा आदेश दिया जाता है कि आप दिनांक 23.04.2025 को च.अ. न्यायालय जलालाबाद में 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या यथावत प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा हों। यदि आप उपस्थित न होंगे तो विवाद आपकी अनुपस्थिति में निर्णीत कर दिया जावेगा। मेरे हस्ताक्षर और मेरे कार्यालय की मुहर से दिनांक 16.04.2025 को जारी किया गया।

**न्यायालय श्रीमान चकबन्दी अधिकारी महोदय तहसील जलालाबाद जिला शाहजहाँपुर।**

सी.आर.-134/D-CN



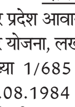

**उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद**
**सम्पत्ति प्रबंध कार्यालय, विकास नगर**
**सेक्टर 9, आफिस काम्पलेक्स, पंचम तल,**
**वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड, लखनऊ 226029**

**'सर्व साधारण को सूचना'**

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की विकास नगर योजना, लखनऊ स्थित अल्प आय वर्ग भवन संख्या 1/685 कार्यालय पत्रांक 258 दिनांक 21.08.1984 द्वारा श्रीमती मालती श्रीवास्तव पत्नी श्री कृपा शंकर लाल के पक्ष में आवन्टित है। भवन का कब्जा आवंटी को हस्तगत है एवं फ्री-होल्ड विलेख दिनांक 23.08.2014 को निष्पादित है। श्री कृपा शंकर लाल पुत्र स्व0 राजा राम लाल ने अपने ऑनलाइन आवेदन दिनांक 31.12.2024 द्वारा अवगत कराया है कि उनकी पत्नी श्रीमती मालती श्रीवास्तव पत्नी श्री कृपा शंकर लाल की मृत्यु दिनांक 20.10.2023 को हो गयी है, एवं उक्त सम्पत्ति को पत्नी की मृत्योपरान्त अपने नाम से अन्तरित करने हेतु अनुरोध करते हुये वांछित प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संदर्भित सम्पत्ति श्रीमती मालती श्रीवास्तव पत्नी श्री कृपा शंकर लाल की मृत्योपरान्त श्री कृपा शंकर लाल पुत्र स्व0 राजा राम लाल के नाम से नामान्तरण करने में किसी हितबद्ध पक्ष को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि बीत जाने के पश्चात सम्पत्ति का नामान्तरण परिषद नियमानुसार श्री कृपा शंकर लाल पुत्र स्व0 राजा राम लाल के नाम से कर दिया जायेगा। तदोपरान्त किसी का दावा / क्लेम मान्य नहीं होगा। जिसके लिए परिषद उत्तरदायी नहीं होगी।

**सम्पत्ति प्रबन्धक**

सी.आर.-131/L



## उत्तर रेलवे

### खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **13.05.2025** को **15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

| | |
|---|---|
| 1 | निविदा सूचना संख्या: 04102025 दिनांक 19.04.2025 |
| 2 | निविदा संख्या : 02-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26 |
| 3 | कार्य का नाम : वरि. मण्डल इंजीनियर-VI, लखनऊ के अधिकार के क्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर–उन्नाव एवं सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग के सेक्शन में TFR=15.056 TKM, CTR(S)=5.426 TKM, TRR(S)=35.392 TKM and TBR(LL)=3.600 TKM का कार्य। |
| 4 | अनुमानित लागत : रु. 6,33,32,189.23 |
| 5 | धरोहर राशि : रु. 4,66,700.00 |
| 6 | कार्य की समापन अवधि : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह। |
| 7 | निविदा डालने का प्रारंभ तिथि : 29.04.2025 |
| 8 | निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 13.05.2025, 15:00 बजे |
| 9 | वेबसाईट : www.ireps.gov.in |

नोटः- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 1171/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



## कार्यालय ग्राम पंचायत मुडपेला विकास खण्ड मेजा प्रयागराज

पत्रांक 2025/26 दिनांक 22/04/2025

### अल्पकालीन निविदा

ग्राम पंचायत मुडपेला में 14/15 वां वित्त एवं चतुर्थ राज्य वित्त आयोग/मनरेगा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वच्छता मिशन आदि योजनाओं/कार्यक्रमो के अन्तर्गत सामुदायिक शौचालय निर्माण नाली/सामुदायिक भवन व आँगनवाड़ी भवन का मरम्मत का कार्य/नाली निर्माण एवं मरम्मत, खड़ंजा निर्माण एवं मरम्मत, कूप का जीर्णोद्वार, इंडिया मार्का हैण्ड पम्प की मरम्मत/रिबोरिंग / स्थापना एवं प्लेट फार्म निर्माण/मरम्मत सोख्ता गड्ढा का निर्माण, नाली निर्माण, वाल राइटिंग, ह्यूम पाइप की आपूर्ति, इण्टरलाकिंग कार्य, एम0डी0एम0 सेट निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की आपूर्ति, एल0ई0डी0, इलेक्ट्रिक बल्ब/सोलर स्ट्रीट लाइट, पानी का टैंकर, बाउन्ड्री वाल का निर्माण पाइप मरम्मत का कार्य / पंचायत भवन, विद्यालयों के जीर्णोद्वार/बाल राइटिंग एवं आँगनबाड़ी केन्द्र की मरम्मत विभिन एवं खिड़की दरवाजा आदि की रंगाई पोताई तथा इस कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामाग्री कोविड 19 कोरोना बचाव हेतु ब्लीचिंग पाउडर, सैनीटाइजर, मास्क, फागिंग मशीन, छिड़काव अन्य उपकरण एक परियोजना बोर्ड की आपूर्ति व्यक्तिगत शौचालय का मरम्मत कार्य प्रा0 वि0 मे कायाकल्प संबंधित समस्त निर्माण कार्य, एस एल डब्लू एम से संबंधित समस्त निर्माण कार्य, गौवंश आश्रय स्थल से कार्य,सामुदायिक शौचालय का मरम्मत कार्य, डस्टबिन की आपूर्ति का कार्य आदि कार्य हेतु पंजीकृत फर्मों से दिनांक 22/04/2025 से 06/05/2025 तक सील बन्द निविदा अथवा हस्ताक्षरी कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 07/05/2025 को 3 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। सामग्री की मात्रा ग्राम पंचायत मे प्राक्कलन स्वीकृत के अनुसार पृथक पृथक होगी। निविदा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2025 -26 के अन्तर्गत कराये जाने वाले सभी कार्य हेतु प्रभाची होगा।

नियम व शर्तेः

1. निविदा को बिना कारण बताये पूर्ण एवं आंशिक संशोधन अथवा निरस्त करने का अधिकार पूर्ण अथवा हस्ताक्षरी का होगा। 2. 100 रु0 के नान ज्यूडिशियल स्टांप पेपर पर 10 रु0 का रसीदी टिकट लगाकर अनुबंध लिखना होगा, कि परियोजना पूरी होने की अवधि तक अनुबन्ध मान्य होगा। 3. कोई भी आपूर्ति की फर्म, निविदा दाता को राज्य सरकार द्वारा काली सूची में दर्ज होगा, तो वह निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेगा। 4. फर्म को टिन नं0/ पैन नं0 तथा सामग्री आपूर्ति पर देकर / टी0डी0एस0 कटौती की जिम्मेदारी फर्म को हो। 5. आपूर्ति हेतु स्वीकृत फर्म को बन्धक धनराशि रुप मे 10000 नगद अथवा राष्ट्रीय बचत पत्र / किसान 'विकास पत्र/डाक घर बचत पासबुक / किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0 अथवा नियमानुसार अन्य प्रतिभूति के रूप में जो कि ग्राम पंचायत के पक्ष में बन्धक होगी। जमा करना अनिवार्य होगा।

राकेश कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मुडपेला
विकास खण्ड मेजा, प्रयागराज

रवि कान्त शुक्ला
ग्राम पंचायत अधिकारी मुडपेला
विकास खण्ड मेजा प्रयागराज



## कार्यालय ग्राम पंचायत कोहड़ार विकास खण्ड मेजा प्रयागराज

पत्रांक 2025/26 दिनांक 22/04/2025

### अल्पकालीन निविदा

ग्राम पंचायत कोहड़ार में 14/15 वां वित्त एवं चतुर्थ राज्य वित्त आयोग/मनरेगा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वच्छता मिशन आदि योजनाओं/कार्यक्रमो के अन्तर्गत सामुदायिक शौचालय निर्माण नाली/सामुदायिक भवन व आँगनवाड़ी भवन का मरम्मत का कार्य/नाली निर्माण एवं मरम्मत, खड़ंजा निर्माण एवं मरम्मत, कूप का जीर्णोद्वार, इंडिया मार्का हैण्ड पम्प की मरम्मत/रिबोरिंग / स्थापना एवं प्लेट फार्म निर्माण/मरम्मत सोख्ता गड्ढा का निर्माण, नाली निर्माण, वाल राइटिंग, ह्यूम पाइप की आपूर्ति, इण्टरलाकिंग कार्य, एम0डी0एम0 सेट निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की आपूर्ति, एल0ई0डी0, इलेक्ट्रिक बल्ब/सोलर स्ट्रीट लाइट, पानी का टैंकर, बाउन्ड्री वाल का निर्माण पाइप मरम्मत का कार्य / पंचायत भवन, विद्यालयों के जीर्णोद्वार/बाल राइटिंग एवं आँगनबाड़ी केन्द्र की मरम्मत विभिन एवं खिड़की दरवाजा आदि की रंगाई पोताई तथा इस कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामाग्री कोविड 19 कोरोना बचाव हेतु ब्लीचिंग पाउडर, सैनीटाइजर, मास्क, फागिंग मशीन, छिड़काव अन्य उपकरण एक परियोजना बोर्ड की आपूर्ति व्यक्तिगत शौचालय का मरम्मत कार्य प्रा0 वि0 मे कायाकल्प संबंधित समस्त निर्माण कार्य, एस एल डब्लू एम से संबंधित समस्त निर्माण कार्य, गौवंश आश्रय स्थल से कार्य,सामुदायिक शौचालय का मरम्मत कार्य, डस्टबिन की आपूर्ति का कार्य आदि कार्य हेतु पंजीकृत फर्मों से दिनांक 22/04/2025 से 06/05/2025 तक सील बन्द निविदा अथवा हस्ताक्षरी कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 07/05/2025 को 11 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। सामग्री की मात्रा ग्राम पंचायत मे प्राक्कलन स्वीकृत के अनुसार पृथक पृथक होगी। निविदा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2025 -26 के अन्तर्गत कराये जाने वाले सभी कार्य हेतु प्रभाची होगा।

नियम व शर्तेः

1. निविदा को बिना कारण बताये पूर्ण एवं आंशिक संशोधन अथवा निरस्त करने का अधिकार पूर्ण अथवा हस्ताक्षरी का होगा। 2. 100 रु0 के नान ज्यूडिशियल स्टांप पेपर पर 10 रु0 का रसीदी टिकट लगाकर अनुबंध लिखना होगा, कि परियोजना पूरी होने की अवधि तक अनुबन्ध मान्य होगा। 3. कोई भी आपूर्ति की फर्म, निविदा दाता को राज्य सरकार द्वारा काली सूची में दर्ज होगा, तो वह निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेगा। 4. फर्म को टिन नं0/ पैन नं0 तथा सामग्री आपूर्ति पर देकर / टी0डी0एस0 कटौती की जिम्मेदारी फर्म को हो। 5. आपूर्ति हेतु स्वीकृत फर्म को बन्धक धनराशि रुप मे 10000 नगद अथवा राष्ट्रीय बचत पत्र / किसान 'विकास पत्र/डाक घर बचत पासबुक / किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0 अथवा नियमानुसार अन्य प्रतिभूति के रूप में जो कि ग्राम पंचायत के पक्ष में बन्धक होगी। जमा करना अनिवार्य होगा।

रमेश कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कोहड़ार
विकास खण्ड मेजा, प्रयागराज

रवि कान्त शुक्ला
ग्राम पंचायत अधिकारी कोहड़ार
विकास खण्ड मेजा प्रयागराज



## कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड-सुल्तानपुर।

पत्रांक 34 /ल0सिं0/ निविदा सूचना/2025–26 दिनांक 15.04.2025

### ई–निविदा सूचना (अति अल्पकालीन) 02/2024–25

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से लघु सिंचाई खण्ड सुलतानपुर के जनपद सुलतानपुर/अमेठी में मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत वर्षा जल संभरण/रिचार्ज की महत्ता के दृष्टिगत वाटर टैंक (हौज) निर्माण कार्यो हेतु ई निविदा आनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से ऐसे ठेकेदार जो सिंचाई विभाग में अनुबन्धित श्रेणी में पंजीकृत/सूचीबद्ध या लघु सिंचाई विभाग के ऐसे ठेकेदारों जिन्हें दो वर्ष का कार्य करने का अनुभव हो एवं यू0पी0 इलेक्ट्रानिक कार्पोरेशन लिमिटेड लखनऊ में पंजीकृत हो से ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत स्वीकृति/धनावन्टन की प्रत्याशा में आमंत्रित की जाती है, निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश सरकार के वेवसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 24.04.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 05.05.2025 को अपरान्ह 17.00 बजे तक उपलब्ध रहेगे जो दिनांक 06.05.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे गठित समिति के समक्ष अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई वृत्त गोरखपुर की अध्यक्षता में खोली जायेगी। विशेष परिस्थितियों में निविदा खोलने की तिथि/समय में यदि कोई परिवर्तन होता है तो उसकी सूचना आन लाईन/नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर उपलब्ध करा दी जायेगी।

| क्र0 सं0/ लाट सं0 | कार्य का नाम व विवरण | वाटर टैंक (हौज) निर्माण कार्य की मात्रा (संख्या में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि | अनुमानित लागत (रू0 लाख में) | धरोहर धनराशि (रू0 लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य/ स्टेशनरी चार्ज | सिंचाई विभाग में पंजीकृत श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत जनपद सुलतानपुर के विभिन्न विकास खण्ड दूबेपुर–04 , भदैया–03, करौदीकला–01, लम्भुआ–03, पी0पी0कमैचा–03, कादीपुर–05, एवं मोतिगरपुर–04 के विभिन्न ग्रामों में 1.5 मी0 X 1.5 मी0 X 1.00 मी0 साइज के वाटर टैंक(हौज) का निर्माण कार्य। (सामान्य जाति) | 23 | एक माह | 6.72 | 0.68 | 766.00 | 'सी' एवं उच्चतर |
| 2 | मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत जनपद सुलतानपुर के विभिन्न विकास खण्ड दास्तपुर–05, वल्दीराय–03, धनपतगंज–05, कुडवार–03, जयसिंहपुर–03, अखण्डनगर–04 एवं कुरेभार–04 के विभिन्न ग्रामों में 1.5 मी0 X 1.5 मी0 X 1.00 मी0 साइज के वाटर टैंक(हौज) का निर्माण कार्य। (सामान्य जाति) | 27 | एक माह | 7.88 | 0.79 | 766.00 | 'सी' एवं उच्चतर |
| 3 | मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत जनपद अमेठी के विभिन्न विकास खण्ड–तिलोई–02,जगदीषपुर–02,गौरीगंज–05,जामों–02,भेटुआ–02, बाजार शुकुल–02, मु0खाना–02,भादर–02,सिंहपुर–03 एवं बहादुरपुर –03 में 1.5 मी0 X 1.5 मी0 X 1.00 मी0 साइज के वाटर टैंक(हौज) का निर्माण कार्य। (सा0 जाति) | 25 | एक माह | 7.30 | 0.73 | 766.00 | 'सी' एवं उच्चतर |
| 4 | मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत जनपद सुलतानपुर के विकास खण्ड दास्तपुर–1, वल्दीराय–01,धनपतगंज–02, मोतिगरपुर–02, दूबेपुर–02, कुडवार–01, कादीपुर–01,भदैया–01, करौदीकला–01, जयसिंहपुर–02,लम्भुआ–01,पी0पी0कमैचा–01, अखण्डनगर–02 एवं कुरेभार–02 के विभिन्न ग्रामों में 1.5 मी0 X 1.5 मी0 X 1.00 मी0 साइज के वाटर टैंक(हौज) का निर्माण कार्य। | 20 | एक माह | 7.30 | 0.73 | 766.00 | 'सी' एवं उच्चतर |
| 5 | मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत जनपद अमेठी के विभिन्न विकास खण्ड–तिलोई–01,जगदीषपुर–01,गौरीगंज–02,जामों–02,सिंहपुर–02 एवं बहादुरपुर –02 में 1.5 मी0 X 1.5 मी0 X 1.00 मी0 साइज के वाटर टैंक(हौज) का निर्माण कार्य। (अनु0 जाति) | 10 | एक माह | 2.92 | 0.30 | 677.00 | 'सी' एवं उच्चतर |

नोट–शेष नियम व शर्ते आन लाइन उपलब्ध है।

उ0प्र0 232683 दिनांक- 21.04.2025
Web.: www.upidadv.gov.in

अधिशासी अभियन्ता,
लघु सिंचाई खण्ड, सुल्तानपुर।

# महिला पुलिसकर्मियों को तोहफा

## पुलिस मुख्यालय में 'शिशु वाटिका' व नारी विश्राम गृह का उद्घाटन

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष वामा सारथी डिम्पल वर्मा (सेवानिवृत्त आईएएस) ने सोमवार को पुलिस महा निदेशक मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग), गोमतीनगर विस्तार स्थित चतुर्थ टॉवर के कैफेटेरिया प्रांगण में 'शिशु वाटिका' एवं 'नारी विश्राम गृह' का उदघाटन किया। उन्होंने सीएम योगी की महिला सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता के दृष्टिगत विगत वर्षो में उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला पुलिस कर्मियों की संख्या में वृद्धि हुयी है।

**-पुलिस महानिदेशक ने दिए प्रदेशभर में ऐसी सुविधाएं लागू करने के निर्देश**

**-जब महिला पुलिस सशक्त होगी, तभी पुलिस व्यवस्था मानवीय होगी: डिम्पल वर्मा**

महिला कर्मियों को कार्यस्थल पर अनुकूल वातावरण एवं मूलभूत सुविधायें प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक,यूपी के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय में शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह का निर्माण कराया गया है। उक्त परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिस कमिश्नरेट/जनपदों की पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालयों एवं थानों में भी शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह बनाये जाने के निर्देश डीजीपी प्रशांत कुमार ने दिये हैं। इस अवसर पर अध्यक्षा, वामा सारथी डिम्पल वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'महिला पुलिस कर्मियों को दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है उन्हें नौकरी के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन करना पड़ता है। ऐसे में जिन महिला कर्मियों के छोटे बच्चे हैं तथा घर में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुये पुलिस मुख्यालय में शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए विश्राम कक्ष और बच्चों के लिए क्रेच जैसी सुविधाएं कार्यस्थल पर न केवल सुविधा देती हैं, बल्कि उन्हें मानसिक संतुलन और आत्मबल भी प्रदान करती हैं। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहाँ ''मिशन शक्ति'' जैसे अभियान महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दे रहे हैं, ऐसे प्रयास और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। प्रदेश के सभी जनपदों की पुलिस लाइनों और थानों में उपलब्ध कराई जाएं, ताकि हमारी महिला पुलिसकर्मी हर स्तर पर सुरक्षित, समर्थ और सम्मानित महसूस करें। उन्होंने यह पहल हमारी सोच में उस बदलाव का प्रतीक है जहाँ सुरक्षा और संवेदनशीलता साथ-साथ चलते हैं। जब महिला पुलिसकर्मी सशक्त होगी, तो हमारी पुलिस व्यवस्था और भी अधिक प्रभावी और मानवीय बनेगी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशान्त कुमार, रेणुका मिश्रा, पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण तिलोत्मा वर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय आनन्द स्वरूप, अपर पुलिस महानिदेशक 112 नीरा रावत, अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था अमिताभ यश, अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिदेशक के जीएसओ एन रविन्दर, अपर पुलिस महानिदेशक फायर सर्विस पद्मजा चौहान समेत अपर पुलिस अधीक्षक राहुल श्रीवास्तव, जितेंद्र सिंह आदि अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

# डीजीपी का अखिलेश के बयान पर पलटवार

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** थानेदारों की तैनाती में भेदभाव के सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान की डीजीपी प्रशांत कुमार ने निंदा करते हुए कहा कि जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों को ऐसे भ्रामक बयान देने से बचना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि सोशल मीडिया में थानेदारों की तैनाती में जाति को लेकर कुछ पोस्ट वायरल हो रही है।उन्होंने बताया कि थानेदारों की तैनाती शासन के नियमों के अनुरूप की जा रही है। गैर जिम्मेदाराना तरीके से जो संख्या बताई जा रही है, वह गलत है। संबंधित जिलों की ओर से आपत्ति जताते हुए सही जानकारी दी जा रही है।जिलों ने इस तरह की गलत बयानबाजी का खंडन भी किया गया है। जनरल, एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के थानेदारों की तैनाती में शासन के आदेशों का पालन किया जा रहा है। जिम्मेदार लोगों को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले भी योगी सरकार पर थानाध्यक्षों की तैनाती में जातिवाद का आरोप लगाते रहे हैं। वहीं, बीते दिनों अमर उजाला के संवाद में आए अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा था कि यूपी का अगला डीजीपी कार्यवाहक होगा और एक जाति विशेष से होगा। उल्लेखनीय है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीते दिनों प्रयागराज में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकारी विभागों में नियुक्तियों समेत कई दावे किए थे।उन्होंने प्रदेश में एक जाति विशेष को सरकारी विभागों की पोस्टिंग में तरजीह दिए जाने का आरोप लगाया था।इसमें उन्होंने विशेषकर पुलिस विभाग में जाति विशेष का जिक्र किया था। वहीं पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की अनदेखी करने की बात कही गई थी।

**बोले- नियम से होती है थानेदारों की तैनाती भ्रामक बयान न दें**

# शोहदे की हरकतों ने तंग युवती ने दर्ज कराया केस

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** कृष्णानगर इलाके में रहने वाले युवक ने एक युवती से दोस्ती की फिर मिलने जुलने पर छेड़छाड़ करने लगा। विरोध पर पीटता धमकी देता। कई बार युवक उसे होटल ले गया। उसके वेतन के रुपये छीन लिए। मोबाइल हैक कर लिया और गलत हरकते की। यह आरोप लगाते हुए युवती ने कृष्णानगर कोतवाली में आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह के मुताबिक पीड़िता ने तहरीर देकर बताया कि वह एक निजी कंपनी में नौकरी करती है। पांच साल पहले उसकी दोस्ती बरगवां सम्भर खेड़ा में रहने वाले शुभम वर्मा से हुई थी। पहले शुभम ठीक था। कुछ महीने से वह प्रताड़ित करने लगा। मिलने के लिए बुलाता तो छेड़छाड़ करता। विरोध पर धमकी देकर पीटता। शुभम ने उसका मोबाइल भी हैक कर लिया था। जिससे उसकी चैटिंग की जानकारी शुभम को होती थी। इस बात पर आए दिन धमकाता और मारपीट करता था। बीते माह उसने मिलने के लिए बुलाया तो होटल में ले गया। वहां शुभम ने गलत हरकते की। वेतन के रुपये छीन लिए। विरोध पर पीटा भी था। शुभम की हरकतों से त्रस्त होकर उससे मिलना बंद कर दिया तो वह बदनाम करने की धमकी देता था। शुभम की हरकतों से त्रस्त होकर रविवार को कृष्णानगर थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। शुभम की तलाश की जा रही है।

## खबर एक नज़र

### कटाई के दौरान थ्रेसर में आग, धू-धू कर जला

**स्वतंत्र भारत संवाददाता बीकेटी।** स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत शिवपुरी मजरा मानपुर लाला गांव में सोमवार को विष्णु की गेहूं फसल की कटाई के तैयारी के दौरान थ्रेसर में आग लग गई। थ्रेसर में लगी आग से अफरा तफरी मच गई। ,देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग ने तैयारी के लिए रखे गये गेहूं फसल के बोझ को चपेट में ले लिया। मौके से दमकल और पुलिस को फोन किया गया। सूचना के बाद बीकेटी पुलिस सहित दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक स्थल पर चपेट में आई फसल और थ्रेसर धू धूकर जल चुका था। पुलिस के मुताबिक, विष्णु के खेत में गेहूं की कटाई के दौरान संतराम के थ्रेसर में आग लग गई, जिसके चलते थ्रेसर और उसमें लगी फसल जल गई।

### गोमती नदी में उतराता मिला अधेड़ का शव

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** गौतमपल्ली थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक 45 वर्षीय अधेड़ का शव रीवर फ्रंट के नीचे गोमती नदी में उतराता मिलने से हड़कंप मच गया। लोगों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखों की मदद से शव बाहर निकाला और शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस का कहना है शव करीब दो दिन पुराना लग रहा है। उसकी शिनाख्त के लिए राजधानी के सभी थानों समेत आसपास जिलों के थाने में गुमशुदा लोगों की डिटेल खंगाली जा रही है। फिलहाल देर रात तक पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मौत का कारण रिपोर्ट आने के बाद साफ होगा।

### बंद घर में चोरों ने बोला धावा

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ।** सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र हसियामऊ गांव में बेखौफ चोरों ने एक बंद घर में धावा बोल हजारों की नगदी और लाखों के कीमती जेवर उड़ा दिये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की, लेकिन आरोपियों का कोई भी सुराग हाथ नहीं लगा। पुलिस केस दर्ज कर चोरों की तलाश में घटनास्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हसियामऊ निवासी वेद प्रकाश शुकला ने बताया कि वह अपने भाई की शादी में शामिल होने परिवार के साथ अमेठी गए थे। इसी बीच बेखौफ चोर मेन गेट का ताला तोड़ अंदर घुस गए और अलमारी का लॉकर तोड़ करीब 60 हजार रुपये नगद और लाखों के कीमती जेवरों पर हाथ साफ दिया। वापस आने पर ताला टूटा और सामान गायब देख उनके होश उड़ गए और उन्होंने फौरन पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू करते हुए फिंगर प्रिंट दस्ते को बुलाया, जिसने घटनास्थल के सैंपल उठाए। फिलहाल पुलिस के हाथ चोरों का कोई भी सुराग नहीं लगा था।

**-नगदी व लाखों के कीमती जेवर उड़ा फरार**

### सड़क हादसा : छह लोगों की मौत

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के भुजौली शुक्ल गांव के पास रविवार रात सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं । सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की पहचान कर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की हैं।पुलिस के मुताबिक, नेबुआ नौरंगिया थाना के पडरौना पनियहवा मार्ग पर भुजौली शुक्ल गांव के पास सड़क हादसा हुआ। बरातियों से भरी बेकाबू कार एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई हैं और दो लोग घायल हैं। मरने वालों में सगे भाई शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हुई है। दो घायल हैं। मृतकों में रामकोला के नारायनपुर चरगांव निवासी हरेंद्र, योगेंद्र, ओमप्रकाश, राजकिशोर, रंजीत, मुकेश और भीम शामिल हैं। राजकिशोर और बजरंगी घायल है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। कार ओमप्रकाश चला रहा था। पुलिस ने घटना की जानकारी पीड़ितों के परिवार को दे दी है।

### ट्रेन हादसों में दो की मौत

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** मीरजापुर जिले में अलग-अलग ट्रेन हादसों में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। जीआरपी ने शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।पहली घटना सोमवार की भोर करीब 3=16 बजे की है, जब सियालदह सुपरफास्ट एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12988) डाउन लाइन से मिर्जापुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पहुंच रही थी। तभी एक मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति ट्रेन के आगे कूद गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और अज्ञात शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास शुरू कर दिया।दूसरी घटना रविवार की देर रात करीब 2.00 बजे की है। ट्रेन संख्या 12295 संघमित्रा एक्सप्रेस से प्रेम कुमार साहनी पुत्र राजेश्वर साहनी निवासी बिशनपुर बसंत, फेनारा, जिला पूर्वी चंपारण बिहार अपने भाई के साथ बेंगलुरु से दानापुर घर जा रहा था। इसी दौरान मिर्जापुर क्षेत्र के डगमगपुर के पास ट्रेन से गिर गया और उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को सूचना दे दी गई है।

# संचार में आत्मनिर्भर बनी यूपी पुलिस

## महाकुंभ में नई व्यवस्था से अपराध और ट्रैफिक पर रहा सफल प्रयोग

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश पुलिस ने अब संचार के पारंपरिक साधनों से आगे बढ़ते हुए खुद का संचार नेटवर्क विकसित कर लिया है। पुलिस अब मोबाइल नेटवर्क या टेलीफोन व्यवस्था पर निर्भर नहीं रही। इसका सबसे बड़ा उदाहरण आगामी महाकुंभ 2025 में देखा गया, जहां पुलिस विभाग ने अत्याधुनिक वॉयस और डाटा कम्युनिकेशन सिस्टम की शुरुआत की है। पुलिस रेडियो विभाग द्वारा विकसित इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है-महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन के दौरान अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना। भारी भीड़, जाम और आपातकालीन परिस्थितियों में अक्सर मोबाइल नेटवर्क जाम हो जाता है, जिससे पुलिस की कार्रवाई बाधित होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। रेडियो पुलिस मुख्यालय के डीआईजी राघवेन्द्र द्विवेदी द्वारा दी गई जानकारी कुछ अंश।

**-वीएचएफ-आरटी, यूएचएफ-आरटी, रेडियो मेल और पोलनेट के माध्यम से पुलिस ने खुद का हाईटेक कम्युनिकेशन तैयार किया सिस्टम, अब मोबाइल नेटवर्क पर निर्भरता नहीं**

**वॉयस कम्युनिकेशन के लिए वीएचएफ और यूएचएफ सेट**

महाकुंभ में तैनात पुलिस बलों के बीच तुरंत और स्पष्ट संवाद के लिए वीएचएफ-आरटी (वेरी हाई फ्रिक्विन्सी रेडियो टेलीफोनी) व यूएचएफ एंड आरटी (अल्ट्रा हाई फ्रिक्विन्सी रेडियो टेलीफोनी) सेट लगाए गए हैं। ये वायरलेस सेट विशेष रूप से पुलिस बलों के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो बिना किसी बाहरी नेटवर्क के सीधे संपर्क की सुविधा देते हैं। इससे न केवल संवाद की गति बढ़ाने के साथ ही गोपनीयता भी बनी रहेगी।

**डाटा कम्युनिकेशन के पोलनेट व रेडियो मेल का उपयोग**

पुलिस की आंतरिक सूचनाओं, आदेशों और इंटेलिजेंस को सुरक्षित रूप से साझा करने के लिए रेडियो मेल और पोलनेट (पुलिस नेटवर्क संचार) का प्रयोग शुरू किया गया है। पोलनेट एक उपग्रह आधारित नेटवर्क है, जो मुख्यालय से लेकर फील्ड तक की इकाइयों को जोड़ता है। वहीं रेडियो मेल, विभागीय डिजिटल संचार प्रणाली है जो पूरी तरह इंटरनेट से अलग और सुरक्षित है। इसी के साथ ही सीमावर्ती जनपदों के मध्य आन्तरिक संचार सुनिश्चित करने के लिए इंफॉरमेशन हाईवे को स्थापित कर 24 घंटे व सातो दिन सूचनाओं का आदान-प्रदान की सुगमता व सफलता को देखते हुए पूरे प्रदेश में लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है।

### आधुनिक पुलिसिंग की ओर एक ठोस कदम

यह पहल न सिर्फ महाकुंभ जैसे आयोजनों को सुरक्षित बनाने में मदद करेगी, बल्कि प्रदेश भर में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस अब तकनीक के इस नए युग में आत्मनिर्भर होती जा रही है।

# फैक्ट्री में आग, कई श्रमिक झुलसे

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** यूपी में मेरठ जिले के भीमनगर में सोमवार को धमाके के साथ सिलिंडर फटने से फैक्ट्री में आग लग गई। जिसकी चपेट में आये कई श्रमिकों के झुलसने के साथ ही कपड़ों के चीथड़े उड़ गए। उसी अवस्था में चीखते चिल्लाते हुए बाहर की ओर भागे। सूचना पर पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंचकर राहत व बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार भावनपुर थाना के जयभीम नगर भोपाल संजय विहार में यह हादसा हुआ है। यहां सुमित गुप्ता पुत्र महावीर प्रसाद की फेन बॉक्स बनाने की फैक्टरी में गेस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। आग की चपेट मे आने से सीता, कश्मीरी, जुनैद और कुलदीप गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

**- फैन बाक्स बनाने का कार्य किया जाता है**

# ब्यूटीशियन के हत्यारोपी गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत, बंथरा।** बंथरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों ने कार में ब्यूटीशियन से छेड़खानी और विरोध पर हत्या के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रजनीश कुमार निवासी सोहरामऊ उन्नाव, अजय प्रताप वर्मा निवासी अजगैन उन्नाव व पिपहरी बंथरा निवासी विकास के रूप में हुई। आरोपियों के ऊपर मृतका के पति ने कार में छेड़खानी और विरोध पर चाकू से वार कर हत्या करने और घटना को हादसे का रूप देने के लिए कार को पलटा देने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत दुर्घटना से आई चोटों की वजह से होना साबित हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि मृतका व आरोपी विकास पुत्र अमृतलाल निवासी ग्राम पिपहरी मजरा रहीम नगर थाना बंथरा (जो कि मृतका का दोस्त था) सुधांशु रावत के तिलक समारोह में ग्राम रमदासपुर में दोस्ती हुई और एक दूसरे का मोबाइल नंबर आदान प्रदान किया गया था। सुधांशु रावत के घर पर गुरुवार को मेंहदी का प्रोग्राम था, जिसमें तीनों आरोपी शामिल हुए। रात में मृतका व विकास की बातचीत हुई कि कहीं घूमने चला जाये, तत्पश्चात तीनों आरोपी मृतका को उसकी चचेरी बहन के साथ घूमने के लिए साथ लेकर आ रहे थे, जहां पर चालक अजय से रामदासपुर में गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान के रैप की सीढ़ियों से टकराकर पलट गयी थी। आरोपी को कार से निकल कर भाग गए और उसमें फंसी घायल ब्यूटीशियन ने दम तोड़ दिया था। पूछताछ में यह सामने आया था। चार डॉक्टरों की टीम ने शव का पोस्टमार्टम किया, जिसमें किसी भी धारदार हथियार से वार की कोई भी पुष्टि नहीं हुई।

# 27 अप्रैल से वायुसेना के नियंत्रण में गंगा एक्सप्रेस-वे

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** यूपी के शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे पर हवाई पट्टी वाला पांच किलोमीटर का क्षेत्र 27 अप्रैल से वायु सेना अपने नियंत्रण में ले लेगी। वहां दो व तीन मई को लड़ाकू विमान उतारने का पूर्वाभ्यास किया जाना है। करीब 36 मीटर चौड़ी हवाई पट्टी के निर्माण में सीमेंट और कंक्रीट का प्रयोग किया गया है। इस क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के दोनों ओर करीब दस-दस फिट अतिरिक्त जमीन अधिग्रहित की गई है। बीते 11 अप्रैल को भी वायु सेना के अधिकारियों ने यहां निरीक्षण किया था। उन्होंने विमान उतारने का परीक्षण करने से पहले हवाई पट्टी के दोनों ओर फेंसिंग कराने, सफाई व अन्य कई तकनीकी कार्य कराने के निर्माण कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए थे। वायु सेना के कमांडिंग ऑफिसर सोमवार को कार्यों की प्रगति जानने के लिए दोबारा पहुंचे।

**- बनी हवाई पट्टी पर उतरेंगे लड़ाकू विमान**

**फेंसिंग लगाने का चल रहा कार्य : उपजिलाधिकारी**

एसडीएम दुर्गेश यादव ने बताया कि जो कार्य बताए गए हैं, उनमें से अधिकांश पूरे हो गए हैं। फेंसिंग लगाने का काम तेजी से चल रहा है। निरीक्षण में कमांडिंग ऑफिसर कार्य की प्रगति से संतुष्ट दिखे। उन्होंने बताया कि शेष कार्य को 26 अप्रैल तक पूरा कराने के निर्देश देते हुए निर्माण कंपनी से कहा कि 27 को हवाई पट्टी वाले क्षेत्र को सुरक्षा कारणों से वायु सेना अपने नियंत्रण में ले लगी। उन्होंने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे पर दो मई को रात में और तीन मई को दिन में लड़ाकू विमान उतारने का परीक्षण प्रस्तावित है। पूर्वाभ्यास के दौरान वायुसेना के विंग कमांडर और पायलट विमानों को हवाई पट्टी से स्पर्श कराने के अलावा उन्हें रनवे पर दौड़ाने और उनमें ईंधन भरने का परीक्षण करेंगे।

# चोरी के गुनाह पर पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** गोमतीनगर थाना क्षेत्र में चोरी के गुहार पर शटरिंग कारीगर और पेंटर की पीट-पीटकर हत्या की गयी थी।

**-कत्ल के बाद शटरिंग कारीगर और पेंटर का शव सड़क किनारे फेंक गए आरोपी**

**-गोमतीनगर पुलिस ने दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर तीन आरोपी दबोचे**

सेलफोन चोरी करने के लिए घर में घुसने पर उन्हें परिजनों ने पकड़ लिया। इसके बाद रस्सी से हाथ-पैर बांध उन्हें बेल्ट, बैट और डंडे से इतना मारा कि दोनों ने दम तोड़ दिया। इसके बाद दोनों के शव सड़क किनारे फेंक कातिल फरार हो गये। रविवार को पॉश इलाके में दोहरे हत्याकांड की खबर से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये। वहीं घटना की तफ्तीश में जुटी गोमतीनगर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। हत्याकांड के खुलासे में सर्विलांस टीम की अहम भूमिका रही।

डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि रविवार सुबह करीब 8बजे सूचना मिली कि विरामखंड में रेलवे ट्रैक के बगल एक व्यक्ति सड़क पर पड़ा है। दूसरा व्यक्ति रेलवे ट्रैक के नजदीक कूड़े के ढेर के पास गिरा हुआ है। जांच के दौरान दोनों की पहचान कैसरगंज बहराइच निवासी राम संवारे (40) पुत्र जोधा के रूप में हुई, जबकि दूसरे की पहचान कैसरगंज बहराइच निवासी राकेश (35) पुत्र अयोध्या के रूप में हुई। अस्पताल जाते वक्त राकेश जिंदा था। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी वंदना की शिकायत पर मुकदमा दर्ज आरोपियों की गिरफ्तारी के किए चार टीमे लगाइ गई थी। इंस्पेक्टर गोमतीनगर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि वारदात में शामिल मूलरूप से सीतापुर राजकोट निवासी मोहित, सीतापुर खैराबाद के शिवराज और जौनपुर के रामदेव को गिरफ्तार कर लिया गया। यह तीनों चौधरी लान के पास रेलवे पटरी किनारे झोपड़पट्टी में परिवार के साथ रहते हैं। सर्विलांस टीम और मुखबिर की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पूछताछ शुरू की गयी। इस दौरान उन्होंने बताया कि शनिवार रात को दोनों लोग रात करीब एक बजे मोहित के घर घुसे थे, जहां सामान की तलाशी के दौरान सामान गिरने पर घर के लोग जाग गए घर वालों ने दोनों को पकड़ लिया। नशे में होने के चलते दोनों मारपीट करने लगे। इसी बीच बीच चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी कई लोग इकठा हो गए। यह लोग दोबारा ऐसी घटना करने की दोबारा न सोचें इसके लिए दोनों के हाथ और पैर रस्सी से बांध कर बेल्ट, लाठी, बैट और बेल्ट से जमकर पिटाई कर दी। जिसके बाद दोनों का मोबिल आयल से पूरा शरीर काला कर विभूतिखंड स्थित पटरी किनारे फेंक दिया गया था। दूसरे दिन रविवार की सुबह दोनों की मौत की खबर सुनकर आरोपी घर छोड़कर भाग निकले थे। डीसीपी शशांक सिंह ने बताया कि बताया कि आरोपियों की निशानदेही आलाकत्ल (एक बैट, एक डण्डा), रस्सी व बेल्ट, प्लास्टिक की एक बोतल में कालारंग का तरल पदार्थ बरामद किया गया।

### पुलिस की जीतोड़ मेहनत ने 24 घंटे में किया दोहरे हत्याकांड का खुलासा

पॉश इलाके में दोहरे हत्याकांड की खबर मिलते ही डीसीपी पूर्वी समेत अन्य अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। फोरेंसिक टीम को बुलाया गया और खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को चक किए गए। मुखबिर खास की सूचना पर सोमवार को हत्या में शामिल मूल रूप से सीतापुर राजकोट निवासी मोहित, सीतापुर खैराबाद के शिवराज और जौनपुर के रामदेव को रेलवे ट्रैक गोमतीनगर विस्तार के बगल में स्थित झाडियों से गिरफ्तार किया गया।

### आरोपियों ने चेहरे पर कालिख पोत लिखा 420

पुलिस के मुताबिक, पिटाई के बाद मोहित, शिवराज और रामदेव ने राम सबोर के चेहरे पर कालिख पोत दी थी। कालिख पोतने के बाद उसके चेहरे पर 420 लिखा था। अधमरा समझकर राम सबोर का शव रेलवे ट्रैक के किनारे और कुछ दूर आगे राकेश को फेंका था। दोनों की इलाज के अभाव में तड़प-तड़पकर मौत हो गई। जब घर में वह चोरी के लिए घुसे थे तो आरोपियों को खुद सजा देने के बजाए पुलिस को सूचना देनी चाहिए थी, लेकिन किसी ने पुलिस को खबर करने की जहमत नहीं उठाई और दोनों को इनता पीटा कि वह मर गए।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

## नुकसानदेह दवाएं

बड़ी विचित्र बात है कि देश में समय-समय पर कुछ दवाओं को लोगों के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह पाकर प्रतिबंधित किया जाता है लेकिन कुछ अंतराल के बाद और हानिकर दवाएं बेची जाने लगती हैं। प्रतिबंध लगाने का कदम इसलिए उठाया जाता है कि इनके कारण आमजन के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पैदा हो रहे खतरों को खत्म किया जा सके लेकिन ऐसी ही दवाएं फिर बिकने आ जाना यह सवाल उठाता है कि संबंधित विभागों का एक बड़ा तंत्र होने के बाद भी ऐसी दवाएं बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं। वह भी तब जबकि किसी दवा के उत्पादन और बिक्री की सुनिश्चित प्रक्रियाओं के भी प्रावधान हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा पैंतीस विभिन्न दवाओं पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय अपेक्षित कदम है लेकिन इस कदम से यह भी साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह मोटी कमाई के लिए आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही हैं। करीब दस महीने पहले ही विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन दवाओं को यह कह कर प्रतिबंधित किया गया था कि ये लोगों के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। लेकिन उसी ढंग का गोरखधंधा फिर सामने आया। यह तो ठीक है कि दवाओं में गड़बड़ी पाने पर उन्हें प्रतिबंधित करने के कदम उठते हैं लेकिन सोचने की बात यह है कि जितने दिन ऐसी दवाओं की बिक्री होती है और लोग उनका सेवन करते हैं तो उनका क्या और कितना असर पड़ता होगा। मतलब यह कि जब तक हानि होने का निष्कर्ष सामने नहीं आता, तब तो इन दवाओं का होता ही है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि क्या ऐसी दवाओं के ठोस परीक्षण और उनके परिणामों पर पहुंचे बिना ही इनके उत्पादन व बिक्री की अनुमति दे दी जाती है। क्या सार्वजनिक स्वास्थ्य और उसे गंभीर खतरों की केवल सरकारी तौर पर काम करने की अनावश्यक रूप से लंबी और उलझाऊ प्रक्रिया की आड़ लेकर पूरी तरह से उपेक्षा कर दी जाती है। तब इसमें जन स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी और जवाबदेही कहां तक रह जाती है।

## शराब के खिलाफ

अधिकाधिक राजस्व की लालच में जिस तेजी से शराब दुकानों के लाइसेंस जारी हो रहे हैं, उससे करीब-करीब शहर के हर मोहल्ले में यह आसानी से मिलने लगी है। कुछ क्षेत्रों में तो मंदिरों और स्कूलों के नजदीक ही इनके खुल जाने से कई समस्याएं भी हो गई हैं। इन दुकानों पर सुबह दस बजे से ही पियक्कड़ों का जमावड़ा शुरू होकर रात में दुकान बंद होने तक जारी रहता है। बेहद महंगी होने पर भी इसे खरीदने के लिए कभी-कभी ऐसी लाइन लगती है मानो प्रसाद बंट रहा हो। पहले इन दुकानों की संख्या कम होती थी एवं ज्यादातर लोग पहचाने जाने के डर से अंधेरा होने के बाद ही इन पर जाते थे, वह शर्म और झिझक भी अब नहीं रह गई है। शौक इस कदर बढ़ चुका है कि किशोर और युवा भी खुलेआम दिन के उजाले में शराब खरीदने और पीने में संकोच नहीं करते। भले ही इसके लिए पैसे का इंतजाम करने के लिए उन्हें घर में झूठ बोलना, चोरी या अन्य अपराध करने पड़ें। अब तो शराब के पैसे के लिए मां-बाप से झगड़ा करने और उन्हें मार देने तक की घटनाएं भी हो रही हैं। अच्छी बात यह है कि इस बुराई को लेकर समझदार लोगों के बीच जागरूकता बढ़ी है और कई बस्तियों-मोहल्लों में वे इन दुकानों के खुलने का विरोध कर रहे हैं। लखनऊ में कई जगहों पर पिछले दिनों ऐसे प्रदर्शन हुए। यदि इन पर गंभीरता से ध्यान देकर प्रशासन कार्रवाई करते हुए इन दुकानों को बंद या भीड़भाड़ वाली जगहों से हटा दे तो शराबियों के उपद्रव और अराजकता से उस क्षेत्र के लोगों को छुटकारा मिलेगा। सरकार के राजस्व जुटाने में कोई हर्ज नहीं हो सकता क्योंकि उसका दावा इस पैसे से विकास कार्य होने का है लेकिन इसके लिए ध्यान रखना होगा कि सामाजिक व्यवस्था पर विपरीत असर न पड़े।

## कांव-कांव

♦♦♦

**बेसहारा महिलाओं के लिये बनेंगे सखी निवास**
लेकिन बेसहारा पुरुषों का कोई पुरसाहाल नहीं!

**प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों को एआई कौशल**
बदहाल स्कूलों में कंप्यूटर प्रशिक्षण का आनंद!

**अयोध्या, बनारस अब बनेंगे हेल्थ टूरिज्म सिटी**
किडनीफरोशों की जमातें लखनऊ में मौजूद है!

**भ्रष्ट ब्रिटिश कंपनी के जरिये विद्युत निजीकरण**
आईएएस लाबी का ब्रिटिश प्रेम जगजाहिर है!

**मुंबई में जैन मंदिर तोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण-पवन जैन**
लगेगी आग तो आयेंगे घर सभी ज़द में..

**बसपा ने दिलाई बहुजन को प्रतिष्ठा - मायावती**
एनआरएचएम घोटाला इसका गवाह बन गया!

♦♦♦

# प्राकृतिक संपदा को सहेजना जरूरी

## ग्लोबल वार्मिंग और गांधी का दर्शन

**डॉ. नंद किशोर साह**

ग्लोबल वार्मिंग वर्तमान समय की प्रमुख वैश्विक पर्यावरणीय समस्या है। यह एक ऐसा विषय है कि इस पर जितना सर्वेक्षण और पुनर्वालोकन करें, कम ही होगा। आज ग्लोबल वार्मिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिज्ञों, पर्यावरणविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों की चिंता का विषय बना हुआ है। ग्लोबल वार्मिंग से पृथ्वी ही नहीं बल्कि पूरे ब्रह्मांड की स्थिति और गति में परिवर्तन होने लगा है। इनके कारण भारत के प्राकृतिक वातावरण में अत्यधिक मानवीय परिवर्तन हो रहा है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान के कारण जीव-जंतुओं की आदतों में भी बदलाव आ रहा है। इसका असर पूरे जैविक चक्र पर पड़ रहा है। पक्षियों के अंडे सेने और पशुओं के गर्भ धारण करने का प्राकृतिक समय पीछे खिसकता जा रहा है। कई प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर है। संवैधानिक रूप से प्रतिबंध के बावजूद जंगली जीव की संख्या कम हो रही है। सम्पूर्ण ब्रह्मांड में पृथ्वी एक ऐसा ज्ञात ग्रह है जिस पर जीवन पाया जाता है। जीवन को बचाये रखने के लिये पृथ्वी की प्राकृतिक संपत्ति को बनाये रखना बहुत जरूरी है। इस पृथ्वी पर सबसे बुद्धिमान कृति इंसान है। धरती पर स्वाश्वत जीवन के खतरा को कुछ छोटे उपायों को अपनाकर कम किया जा सकता है, जैसे पेड़-पौधे लगाना, वनों की कटाई को रोकना, वायु प्रदूषण को रोकने के लिये वाहनों के इस्तेमाल को कम करना, बिजली के गैर-जरुरी इस्तेमाल को घटाने के द्वारा ऊर्जा संरक्षण को बढ़ाना। यही छोटे कदम बड़े कदम बन सकते हैं। अगर इसे पूरे विश्वभर के द्वारा एक साथ अनुसरण किया जाये।गत सौ वर्ष में मनुष्य की जनसंख्या में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। इसके कारण अन्न, जल, घर, बिजली, सड़क, वाहन और अन्य वस्तुओं की माँग में भी वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर काफी दबाव पड़ रहा है और वायु, जल तथा भूमि प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। जनसंख्या दबाव के कारण आज गांव का पानी भी पीने योग्य नहीं रहा। जहां रहने के लिए जंगल साफ किए गए हैं, वहीं नदियों तथा सरोवरों के तटों पर लोगों ने आवासीय परिसर बना लिए हैं। जनसंख्या वृद्धि ने कृषि क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ाया है। वृक्ष जल के सबसे बड़े संरक्षक हैं। बड़ी मात्रा में उसकी कटाई से जल के स्तर पर भी असर पड़ा है। सभी बड़े-छोटे शहरों के पास नदियां सर्वाधिक प्रदूषित है। वायु प्रदूषण, गरीब कचरे का प्रबंधन, बढ़ रही पानी की कमी, गिरते भूजल लेबल, जल प्रदूषण, संरक्षण और वनों की गुणवत्ता, जैव विविधता के नुकसान, और भूमि का क्षरण प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों में से कुछ भारत की प्रमुख समस्या है। भारत में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण परिवहन की व्यवस्था है। लाखों पुराने डीजल इंजन वह डीजल जला रहे हैं जिसमें यूरोपीय डीजल से 150 से 190 गुणा अधिक गंधक उपस्थित है। बेशक सबसे बड़ी समस्या बड़े शहरों में है जहां इन वाहनों का घनत्व बहुत अधिक है। ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 25 तक कम करने का सरकार प्रयास कर रही है। प्रकृति की गोद में बैठ कर विकास करेंगे और प्रकृति के नियमों से छेड़छाड़ करेंगे तो दंड के भागीदार हम ही होंगे। गांधी का दर्शन था कि आवश्यकता हो तब भी लालच मत करो, आराम हो तो थोड़ा हो और वह विलासता न बन जाए। धरती के पास सभी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन है किंतु किसी की लालच के लिए नहीं। गांधी प्रकृति द्वारा प्रदत संसाधनों को ईश्वर का सबसे अनुपम उपहार मानते थे। वे कहते थे कि इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सृजित किया जाना चाहिए। जब तक प्रकृति में संतुलन है, तब तक परिस्थिति सही है। प्रकृति अपने नियमों के तहत निरंतर कार्य करती है, लेकिन लोग नियमित रूप से उनका उल्लंघन करते हैं। पर्यावरण शब्द का प्रचलन तो नया है, पर इससे जुड़ी चिंता या चेतना नई नहीं है। पर्यावरण हवा, पानी, पर्वत, नदी, जंगल, वनस्पति, पशु-पक्षी आदि के समन्वित रूप से है। यह सब सदियों से प्रकृति प्रेम की रूप में हमारे चिंतन, संस्कार में मौजूद रहे हैं। वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य पर्यावरण को लेकर चिंतित तो है पर पर्यावरण को बचाने में सक्रिय सहभागी नहीं है। यह ठीक वैसा ही है जैसे कि देश में भगत सिंह और राजगुरु जैसे देशभक्त पैदा तो होने चाहिए परंतु अपने घर में ना होकर पड़ोसी के घर में होने चाहिए। आज प्रत्येक आदमी को स्वच्छ परिवेश, स्वच्छ गलियां, सड़कें और स्वच्छ पर्यावरण तो चाहिए परंतु साफ करने वाला भी कोई और होना चाहिए। यह ठीक वैसा ही है जैसे दुनिया को सब लोग सुधारना चाहते हैं मगर अपने को कोई नहीं।

मानव का विकास पर्यावरण के दोहन के मूल पर हो रहा है। आगे हम विकास की ओर दौड़ रहे हैं, पीछे से विनाश दौड़ता आ रहा है। आदिकाल से मनुष्य और पर्यावरण का अन्योन्याश्रय संबंध रहा है। वर्तमान समय में सबसे चिंताजनक समस्याओं में से एक पर्यावरण की समस्या है। यह समस्या मनुष्य प्रकृति से प्राकृतिक संसाधनों के अनर्गल दोहन से उत्पन्न हुआ है। पशु-पक्षी, जीव-जंतु, पेड़ पौधे, नदी-तलाब, खेत-खलिहान आदि से हमारे समाज का निर्माण हुआ है। मनुष्य अपनी सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए इन सभी का दोहन करता है। पर्यावरण के क्षय के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है। बेतहाशा प्रकृति के शोषण का दुष्परिणाम भी ग्लोवल वार्मिंग, तेजाबी वर्षा, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूस्खलन, मृदा प्रदूषण, रासायनिक प्रदूषण, समुंद्री तूफान आदि के रूप में सामने आने लगा है।गांधी जी भारत की आजादी के प्रति जितने चिंतित थे, उससे कहीं ज्यादा विश्व पर्यावरण के प्रति चिंतित दिखाई पड़ते थे क्योंकि गांधी जी का चिंतन वसुधैव कुटुंबकम की भावना में हीं था। उन्होंने विश्व भर में लगातार हो रही वैज्ञानिक खोजों के कारण पैदा हो रहे उत्पादों और सेवाओं को मानवता के लिए घातक बताया था। उन्होंने 1918 में राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन को संबोधित करते हुए चेतावनी दी थी कि विकास और औद्योगिकता में पश्चिम देशों का पीछा करना मनावता और पृथ्वी के लिए खतरा पैदा करना है।

गांधी ने कहा था कि एक ऐसा समय आएगा, जब अपनी जरूरतों को कई गुना बढ़ाने की अंधी दौड़ में लगे लोग, अपने किए को देखेंगे और कहेंगे कि हमने ये क्या किया ? उपभोक्तावादी तथा विलासी जीवन संस्कृति व दोषपूर्ण विकास नीति के कारण पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का जैसे जंगल, जल स्त्रोत, खनिज संपदा आदि समाप्त एवं प्रदूषित हो रहे हैं। सबसे ज्यादा नुकसान जंगलों को हुआ है। विश्व के अधिकांश पहाड़ नंगे हो गए हैं और प्राकृतिक वन समाप्त हो रहे हैं। आबादी बढ़ने के साथ जंगलों में कुछ कमी आना तो स्वभाविक था पर जंगलों का अधिकांश विनाश कागज, प्लाईवुड, कार्डबोर्ड आदि के कारखानों, विलासी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति तथा भ्रष्टाचार के कारण हुआ। जंगलों के बिना से भूमि का कटाव हो रहा है। भूमिगत जल का स्तर नीचे जा रहा है। वर्षा व मौसम का चक्र बिगड़ गया है। जंगलों पर निर्भर रहने वाले करोड़ों लोगों की जिंदगी दुसर होती जा रही है और वे उजड़ रहे हैं। पर्यावरण और पारिस्थितिकी को लेकर गांधी का मानना था कि प्रकृति पालक के रूप में देखी जानी चाहिए, ना कि हमारी विलासिता का हिस्सा होना चाहिए। उसके विपरीत हम प्रकृति, पृथ्वी, नदी व वनों का प्रायोग मात्र अपनी विलासिता के लिए कर रहे है। परिणामस्वरूप आज दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग जैसे बड़े मुददे हमारे सामने है, जिसके दुष्परिणाम आज हम किसी न किसी रूप में झेल रहे है। हम इन सब दुष्परिणामों को देखने के बाद भी प्रकृति को समझने में असफल रहे। स्वच्छ समाज उनकी कल्पना का हिस्सा था। देश के विभिन्न जगहों पर मौजूद कूड़े के पहाड़ निकट भविष्य के प्रमुख संकट है। गांधी ने उसी समय यह कहा था कि स्वच्छता से स्वास्थ्य व चरित्र का निर्माता होता है, जो आज के परिप्रेक्ष्य में सटीक बैठता है।

## प्रेमचंद की कहानियां

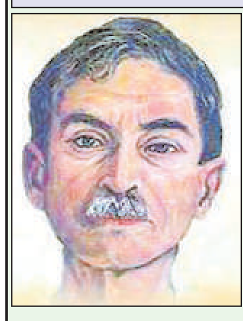

### ईदगाह

अब हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना की गोद में सोता है और उतना ही प्रसन्न है। उसके अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। बहुत-सी थैलियां लेकर आयेंगे। अम्मीजान अल्लाह मियां के घर से उसके लिए बड़ी अच्छी-अच्छी चीजें लाने गयी हैं; इसलिए हामिद प्रसन्न है। आशा तो बड़ी चीज है, और फिर बच्चों की आशा। उनकी कल्पना तो राई का पर्वत बना लेती है।

हामिद के पांव में जूते नहीं हैं, सिर पर एक पुरानी-धुरानी टोपी है, जिसका गोट काला पड़ गया है, फिर भी वह प्रसन्न है। जब उसके अब्बाजान थैलियां और अम्मीजान नियामतें लेकर आयेंगी, तो वह दिल के अरमान निकाल लेगा। तब देखेगा महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी कहां से उतने पैसे निकालेंगे। अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन और उसके घर में दाना नहीं। आज आबिद होता तो क्या इसी तरह ईद आती और चली जाती! इस अंधकार और निराशा में वह डूबी जा रही थी। किसने बुलाया था इस निगोड़ी ईद को। इस घर में उसका काम नहीं है, लेकिन हामिद ! उसे किसी के मरने-जीने से क्या मतलब ? उसके अन्दर प्रकाश है, बाहर आशा। विपत्ति अपना सारा दल-बल लेकर आये, हामिद की आनन्द-भरी चितवन उसका विध्वंस कर देगी।

हामिद भीतर जाकर दादी से कहता है- तुम डरना नहीं अम्मां, मैं सबसे पहले आऊंगा। बिलकुल न डरना!

अमीना का दिल कचोट रहा था। गांव के बच्चे अपने-अपने बाप के साथ जा रहे हैं। हामिद का बाप अमीना के सिवा और कौन है? उसे कैसे अकेले मेले में जाने दे। उस भीड़-भाड़ में बच्चा कहीं खो जाय तो क्या हो। **क्रमशः...**

## ।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

**साधुभ्यस्ते निवर्तन्ते पुत्रमित्राणि बान्धवः।**
**ये च तैः सह गन्तारस्तद्धर्मात् सुकृतं कुलम्।।**

जब परिवार का कोई व्यक्ति साधु बन जाता है, संसार के माया- मोह को छोड़कर वैराग्य को अपना लेता है, तो उसके बन्धु- बान्धव स्त्री- पुत्रादि कुछ दूर तक उसके साथ जाकर लौट आते हैं, परन्तु उसके साथ यदि ये भी वैराग्य ग्रहण कर लेते हैं, तो इस प्रकार उनका वंश कृतकृत्य हो जाता है।

♦♦♦

# पाकिस्तान की हालत अब टुकड़े - टुकड़े होने तक पहुंची

**- अशोक भाटिया**

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में जनाक्रोश लगातार बढ़ रहा है। यह क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार की कमी से जूझ रहा है, जिसके कारण स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए हैं। वर्तमान में, लोग सरकार से बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य बुनियादी जरूरतों की बहाली की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ रहे हैं, और विरोध करने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। लोग गर्मी के बावजूद अपनी आवाज उठाने के लिए सड़कों पर हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों कह रहे हैं कि पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होने का वक्त आ गया है। दरअसल पाकिस्तान के टूटने की शुरुआत साल 1971 में हो गई थी, जब भारत की मदद से बांग्लादेश बना. इसके बनने के पीछे भी 24 सालों का असंतोष था. उसके बाद पीओके . सिंधुदेश की मांग व बलूचिस्तान की मांग ने पाकिस्तान के नाक में दम कर रखा है ।

सिंधुदेश की मांग की तो इसको लेकर हालिया हुई रैली में प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई विश्व के कई बड़े नेताओं की तस्वीरें नजर आईं। प्रदर्शनकारियों ने सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग के मामले में विश्व के नेताओं से दखल देने की अपील की है ।सिंधु देश की मांग की कहानी 1947 से जुड़ी है। भारत को आजादी मिलने के बाद सिंधु क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया और पाकिस्तान के चार प्रांतों में से एक बन गया । अलग सिंधु देश की मांग 1967 से शुरू हुई जब पाकिस्तान सरकार ने यहां के निवासियों के ऊपर उर्दू भाषा थोप दी। यहां के लोगों ने इसका विरोध किया और इसके फलस्वरूप सिंधी अस्मिता का जन्म हुआ। इन्होंने अपनी भाषा और संस्कृति की दुहाई दी और लोगों को एकजुट किया. इस मुहिम में सिंधी हिन्दू और सिंधी मुसलमान दोनों शामिल हुए। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश। सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं। यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है। उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं।

भारत से अलग होकर 19 47 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं । दुनियाभर के कर्ज में डूबे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे ।लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गई। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है । वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है ।पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है। फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन

लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है. वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था।

हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है. ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है। साथ ही पाकिस्तान संसाधनों का दोहन और मानवाधिकारों के जमकर उल्लंघन करता है। जिये सिंध मुत्ताहिदा महाज़ के चेयरमैन मुहम्मद बरफात ने कहा कि हमारी संस्कृति और इतिहास पर हुए दशकों से जारी हमलों के बावजूद हमने अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को बचाकर रखा है। हम आज भी बहुलतावादी, सहिष्णु और सौहार्दपूर्ण समाज हैं, जो मानव सभ्यता को बचाकर रखे हुए है। पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है।

## प्रेरक प्रसंग

### तुष- माश

एक सामान्य गृहस्थ था। उसकी धर्म- ध्यान में बड़ा रुचि थी। अपने परिवार का भरण- पोषण करने के साथ- साथ वह संतो का सत्संग किया करता था। अच्छी- अच्छी पुस्तकें पढ़ा करता था।

एक दिन वह कहीं जा रहा था कि रास्ते में एक ओर को लोगों की भीड़ देखकर वहां चला गया। एक मुनि उपदेश दे रहे थे। वह खड़े होकर उनका प्रवचन सुनने लगा। वह शरीर और आत्मा के संबंध में बोल रहे थे। कह रहे थे :

बहुत-से लोग समझते हैं कि आदमी मर जाता है तो शरीर के साथ आत्मा भी मर जाती है। ऐसा नहीं है। आत्मा अमर है। जिस प्रकार पुरानी हो जाने पर सर्प अपनी केंचुली उतारकर नई केंचुल धारण कर लेता है, उसी प्रकार शरीर के पुराने और जीर्ण हो जाने पर आत्मा नया शरीर धारण कर लेती है। याद रखो, यह शरीर मंदिर है और आत्मा उसमें ईश्वर है। आत्मा की आराधना कि लिए शरीर अनिवार्य है। पर दोनों को मिलाओ मत। दोनों अलग- अलग हैं। गृहस्थ ने यह सब सुना और आगे बढ़ गया। तरह- तरह के विचार उसके मन में उठ रहे थे। वह उनमें एकाएक खो गया। अचानक उसे ठोकर लगी। वह गिर गया। उसकी विचार- धारा टूट गई। उठकर चलने लगा। उसे ध्यान आया कि रास्ते में एक साधु मिले थे, लेकिन उसका मस्तिष्क कुछ ऐसा हो गया कि उसे याद नहीं आया कि उन्होंने क्या कहा था। उसने याद करने की बहुतेरी कोशिश की, लेकिन चिस्मरण इतना हो गया कि वह उसका सूत्र नहीं पकड़ पाया।

कुछ देर चलने पर एक गांव आया। वहां किसी घर के बाहर बैठी एक स्त्री कुछ कर रही थी। उसने पूछा, बहन तुम क्या कर रही हो!

वह बोली, तुष- माश। मैं उड़द की दाल के छिलके उतार रही हूं।

स्त्री का इतना कहना था कि उसे साधु का उपदेश याद आ गया। स्त्री ने उसे बोध दिया कि शरीर और आत्मा एक नहीं हैं, भिन्न हैं। उसे यह भी याद आया। कि साधु ने मैं और तू का गुरु बताया था, जिस प्रकार मैं और तू दो हैं, उसी प्रकार शरीर और आत्मा हैं। स्त्री का वचन उसके भीतर इतना प्रवेश कर गया कि वह उसे जीवन भर नहीं भूला।

## आपका पत्र मिला

### अब वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनने की राह पर है भारत

भारत, जो दशकों से सेवा क्षेत्र में अग्रणी रहा है, अब वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनने की राह पर है। यह अवसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'डेरिफाइंग चाइना' नीति से उत्पन्न हुआ है, जिसमें चीन पर भारी टैरिफ लगाए गए और वैश्विक कंपनियों को चीन से उत्पादन हटाने पर मजबूर होना पड़ा। यह भारत के लिए सुनहरा मौका है, लेकिन इस राह में कई चुनौतियाँ भी हैं जिन्हें गंभीरता से सुलझाना होगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा चीन पर लगाए गए टैरिफ, खासकर 245 प्रतिशत तक के भारी शुल्क, ने कंपनियों को विकल्प खोजने पर मजबूर कर दिया। इस नीति का मकसद था चीन पर अमेरिकी निर्भरता को कम करना और वैश्विक सप्लाई चेन को विविध बनाना। ऐसे में भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों को नए मैन्युफैक्चरिंग केंद्र बनने का अवसर मिला। भारत, अपनी विशाल जनसंख्या, सस्ते श्रम, तकनीकी प्रतिभा और विशाल उपभोक्ता बाजार के चलते सबसे उपयुक्त विकल्प के रूप में उभरा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, फार्मा और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में कई विदेशी कंपनियों ने भारत में संयंत्र लगाने की योजना बनाई है। इसमें शंघाई आईडी ग्रुप जैसी कंपनियाँ भी शामिल हैं जो भारतीय टेक्नोलॉजी पार्टनर के साथ हाथ मिलाने को तैयार हैं। भारतीय सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना और मेक इन इंडिया अभियान विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। इन योजनाओं के तहत सरकार कंपनियों को वित्तीय मदद, टैक्स में छूट और भूमि आवंटन जैसी सुविधाएँ देती है। भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन एक बड़ी समस्या स्किल डिलीवरी की है। कई बार आरक्षण प्रणाली के चलते वास्तविक प्रतिभा को उचित अवसर नहीं मिल पाते, जिससे वे विदेशों की ओर रुख कर लेते हैं।हमें सिर्फ विदेशी निवेशकों के भरोसे न रह कर स्वदेशी तकनीक, स्थानीय उद्यम, और शिक्षा-उद्योग तालमेल को भी सशक्त करना होगा।

**विभूति बुपक्या**
**वाया ई-मेल**

**इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।**

आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**

**स्वतंत्र भारत**
**1, जॉपलिंग रोड,**
**लखनऊ-226001**

*E-mail : swatantrabharat77@gmail.com*

# प्रदोष व्रत में ऐसे करें शिवलिंग का अभिषेक, कार्य होंगे सफल

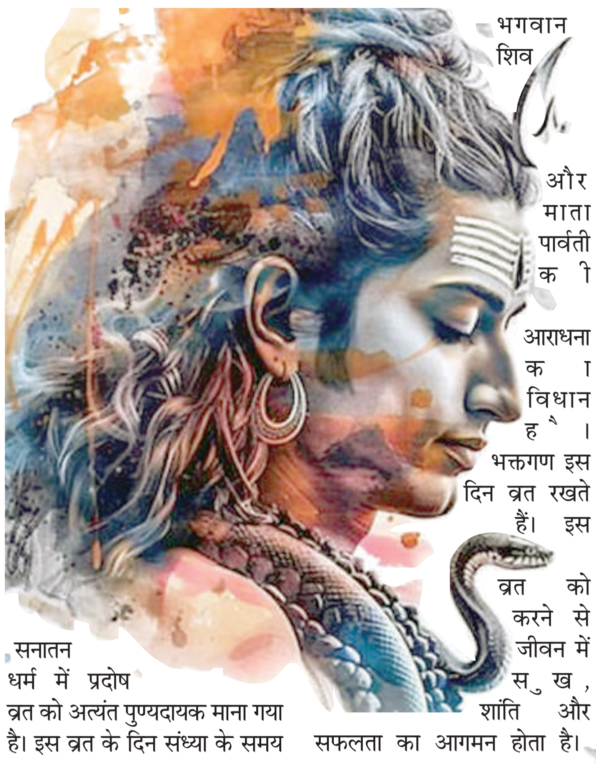

भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का विधान है। भक्तगण इस दिन व्रत रखते हैं। इस व्रत को करने से जीवन में सुख, शांति और सफलता का आगमन होता है। सनातन धर्म में प्रदोष व्रत को अत्यंत पुण्यदायक माना गया है। इस व्रत के दिन संध्या के समय मान्यता है कि इस दिन शिवलिंग का अभिषेक विशेष विधियों से करने पर महादेव प्रसन्न होते हैं और साधक को आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि किस तरह से शिवलिंह का अभिषेक करना चाहिए।

**प्रदोष व्रत तिथि**

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 25 अप्रैल को सुबह 11ः44 बजे होगी और इसका समापन 26 अप्रैल के दिन सुबह 8ः27 बजे होता। उदया तिथि के अनुसार 25 अप्रैल 2025 को वैशाख माह का पहला प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन शुक्रवार होने के कारण इसे शुक्र प्रदोष कहा जाएगा। इस दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त प्रदोष काल होता है, जो शाम 06ः53 बजे से राल 09ः03 बजे तक रहेगा।

**शिवलिंग पर अर्पण करने के लिए सामग्री**

प्रदोष व्रत की पावन तिथि पर शिवलिंग पर जल और घी अर्पित करना विशेष फलदायक माना गया है। इस दौरान मन में शांतिपूर्वक भगवान शिव का ध्यान करें और अपने जीवन की बाधाओं से मुक्ति हेतु प्रार्थना करें।

इस दिन शिवलिंग पर दूध, दही, शहद और बेलपत्र चढ़ाना भी अत्यंत शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन वस्तुओं से अभिषेक करने से व्यापार में उन्नति होती है, रुके हुए कार्य पूरे होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

**इन वस्तुओं से न करें शिवलिंग पर अभिषेक**

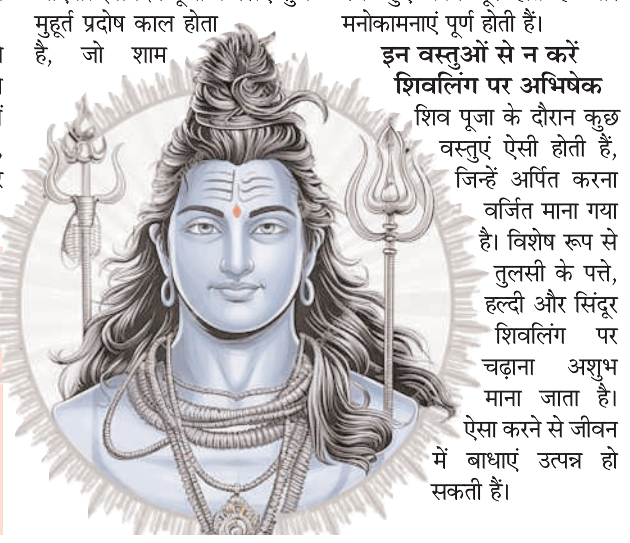

शिव पूजा के दौरान कुछ वस्तुएं ऐसी होती हैं, जिन्हें अर्पित करना वर्जित माना गया है। विशेष रूप से तुलसी के पत्ते, हल्दी और सिंदूर शिवलिंग पर चढ़ाना अशुभ माना जाता है। ऐसा करने से जीवन में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं।

**विशेष मुहूर्त**

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 4:19 से 5:02 तक।
गोधूलि बेला- शाम 6:52 से 7:13 तक।
निशीथ काल- रात 11:57 से 12:41 तक ।
अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:53 से दोपहर 12:45 तक।

# कब है गंगा सप्तमी ? जानें तिथि, शुभ मुहूर्त और महत्व

गंगा सप्तमी का पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह दिन विशेष रूप से गंगा नदी के अवतरण की घटना से जुड़ा हुआ है, जब मां गंगा स्वर्ग से धरती पर आई। पौराणिक कथाओं के अनुसार, गंगा के पृथ्वी पर आने का कारण राजा भगीरथ के पूर्वजों के पापों का नाश और उन्हें मोक्ष दिलाना था। इस दिन का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टि से है, बल्कि यह पर्व समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए विशेष आशीर्वाद और पुण्य प्राप्ति का अवसर भी है।

गंगा सप्तमी के दिन गंगा में स्नान और ध्यान करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और उसे जीवनभर की खुशियां और आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इस दिन किए गए दान और पूजा से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है, जो जीवन को संपूर्ण और सुखमय बनाता है। गंगा सप्तमी के दिन गंगा नदी के किनारे लाखों श्रद्धालु जुटते हैं, ताकि वे इस पवित्र दिन का लाभ उठा सकें और मां गंगा की कृपा प्राप्त कर सकें। यह दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, जो मोक्ष की प्राप्ति की इच्छा रखते हैं। इसी क्रम में आइए जानते हैं गंगा सप्तमी की तिथि, शुभ मुहूर्त और महत्व के बारे में।

**गंगा सप्तमी कब है?**

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि आरंभः 3 मई 2025, प्रातः 7ः51 बजे पर
वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि समाप्तः 4 मई 2025, प्रातः 7ः18 बजे तक

उदयातिथि के अनुसार, गंगा सप्तमी का पर्व 3 मई 2025 को मनाया जाएगा।

**गंगा सप्तमी का शुभ मुहूर्त**

गंगा सप्तमी के दिन स्नान-दान पूजा के लिए शुभ मुहूर्तः 3 मई 2025, प्रातः 10ः58 बजे से दोपहर 01ः38 बजे तक
शुभ मुहूर्त की कुल अवधिः 2 घंटे 40 मिनट।

**गंगा सप्तमी का महत्व**

गंगा सप्तमी का पर्व हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण है और इसे गंगा जयंती भी कहा जाता है। यह दिन विशेष रूप से मां गंगा के धरती पर अवतरण की याद में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा भगीरथ की तपस्या के फलस्वरूप मां गंगा स्वर्ग से धरती पर आई, ताकि वह उनके पूर्वजों के पापों को धोकर उन्हें मोक्ष दिला सकें। इसी दिन मां गंगा का पवित्र जल धरती पर आया था, जिससे न केवल धार्मिक शुद्धता प्राप्त होती है, बल्कि यह दिन आध्यात्मिक उन्नति का भी प्रतीक है।

गंगा सप्तमी के दिन गंगा नदी में स्नान, पूजा और ध्यान करना अत्यधिक पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन किए गए स्नान से सभी पाप धुल जाते हैं और व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति मिलती है। इसके अलावा, इस दिन दान करने से भी अपार पुण्य की प्राप्ति होती है, जो जीवन में समृद्धि और सुख लाती है।

गंगा सप्तमी का महत्व केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। इस दिन लोग गरीबों और जरूरतमंदों को दान देते हैं, जिससे समाज में परोपकार और सहयोग की भावना प्रगट होती है। साथ ही, इस दिन किए गए कर्म व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं और उसे जीवनभर के संकटों से मुक्ति दिलाते हैं।

**मां गंगा की इस विधि से करें पूजा**

सबसे पहले पूजा स्थल को स्वच्छ करें और वहां गंगा जल, चंदन, दीपक, अगरबत्तियां, फल, फूल और मिठाइयां रखें। यदि गंगा जल उपलब्ध हो, तो उसका उपयोग करें।

गंगा सप्तमी के दिन यदि गंगा में स्नान संभव हो, तो वहां स्नान करें। अन्यथा घर में गंगा जल का छिड़काव करके स्नान करें।

स्वच्छ वस्त्र पहनकर गंगा माता की तस्वीर या मूर्ति के सामने बैठें और ? गंगायै नमः मंत्र का जाप करें। इसके बाद गंगा स्तुति का पाठ करें।

मां गंगा के चरणों में फल, फूल और मिठाई चढ़ाएं। यह उन्हें श्रद्धा भाव से अर्पित करें और आशीर्वाद प्राप्त करें।

गंगा आरती का आयोजन करें और ÷जय मां गंगे÷ मंत्र का जाप करें। दीपक से आरती करें और वातावरण को शुद्ध बनाएं।

इस दिन दान करना अत्यधिक पुण्यकारी माना जाता है। गरीबों को अन्न, वस्त्र या गंगा जल का दान करें।

संतान सुख, समृद्धि और अन्य इच्छाओं के लिए मां गंगा से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए व्रत रखें और पूरे मन, श्रद्धा और विश्वास से पूजा करें।

# अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त

हर साल अक्षय तृतीया का दिन हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है. इसे 'अखा तीज' के नाम से भी जाना जाता है और मान्यता है कि इस दिन जो भी शुभ कार्य किया जाता है, उसका फल कभी खत्म नहीं होता. यानी ये ऐसा दिन होता है जब दान, पूजा, जप, हवन या सोना खरीदने जैसी चीजें जिंदगी भर सुख-समृद्धि देती हैं.

**कब है अक्षय तृतीया 2025**
तारीख- 30 अप्रैल 2025 (बुधवार)
योग- रोहिणी नक्षत्र- बुधवार -शुभ संयोग

**पूजा और सोना खरीदने का शुभ मुहूर्त**
**सोना खरीदने का समय- सुबह 5ः41 बजे से दोपहर 2.12 बजे तक**
**पूजा का समय- सुबह 5.41 बजे से दोपहर 12.18 बजे तक**

**अक्षय तृतीया कब मनाई जाएगी**

इस खास मौके पर लोग न सिर्फ माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, बल्कि सोना, चांदी, नई चीजें खरीदकर अपने जीवन में समृद्धि का स्वागत भी करते हैं. इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को मनाई जाएगी और इस दिन कई शुभ योग भी बन रहे हैं, जिससे ये दिन और खास हो गया है.

**इस दिन क्या करें और क्यों है ये खास ?**

**मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करें**

इस दिन दोनों देवी-देवताओं की पूजा

करने से घर में बरकत और सौभाग्य बना रहता है.

तुलसी, फल, मिठाई और फूल अर्पित करें. खासकर तुलसी का पत्ता भगवान विष्णु को अर्पित करना बहुत शुभ माना जाता है.

सोना या चांदी खरीदें- मान्यता है कि इस दिन खरीदा गया सोना कभी घटता नहीं, बल्कि जीवन में धन और वैभव बढ़ाता है.

दान-पुण्य करें- गरीबों को काले तिल, अनाज, वस्त्र या धन का दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है.

घर में हवन या सत्यनारायण कथाः बहुत से लोग इस दिन घर में हवन, कथा या विशेष पूजा का आयोजन करते हैं। नई शुरुआत के लिए परफेक्ट दिनः शादी, गृहप्रवेश या नया बिजनेस शुरू करने जैसे काम इस दिन शुभ माने जाते हैं। पूर्वजों के लिए पितृ तर्पणः कुछ लोग इस दिन अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए जल तर्पण भी करते हैं। सच्चे मन से पूजा करेंः इस दिन की सबसे बड़ी खासियत ये है कि जो भी काम श्रद्धा से किया जाए, उसका फल कई गुना मिलता है। अगर आप चाहते हैं कि इस अक्षय तृतीया पर आपकी किस्मत का दरवाजा खुले, तो शुभ मुहूर्त में सोना खरीदें, पूजा करें और जरूरतमंदों की मदद जरूर करें. यही वो दिन है जब किया गया हर अच्छा काम 'अक्षय फल' देता है, यानी कभी खत्म नहीं होता।

## अक्षय तृतीया पर राशि के अनुसार करें खरीदारी

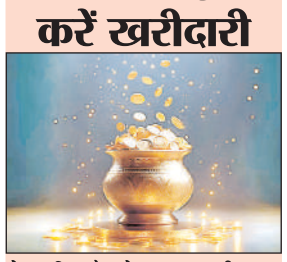

मेष राशि- के लोग अक्षय तृतीया पर सोना खरीद सकते हैं। इससे घर में बरकत व सुख-समृद्धि का वास होता है
वृषभ राशि-के लोग अक्षय तृतीया पर चांदी खरीद सकते हैं। इससे धन-धान्य की प्राप्ति होती हैं।
मिथुन राशि- के लोग धनिया खरीद सकते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार इससे घर लाने पर सभी नकारात्मक शक्ति दूर होती हैं।
कर्क राशि-के लोग अक्षय तृतीया के दिन चांदी के आधूषण खरीद सकते हैं। यह काफी शुभ माना गया है।
सिंह राशि- के लोग मौसमी फलों की खरीदारी कर सकते हैं। इससे जीवन में मिठास व ताजगी बनी रहती है।
कन्या राशि- के लोग अक्षय तृतीया के दिन कांसा खरीद सकते है।
तुला राशि- के लोगों को इस दिन चावल, चीनी आदि की खरीदारी करनी चाहिए।
वृश्चिक राशि- वालें गुड़ खरीद सकते हैं। मान्यता है कि इससे धन की देवी मी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।
धनु राशि- वालों को पीली वस्तुएं इस दिन खरीदनी चाहिए। इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।
मकर राशि- के लोग स्टील या लोहा खरीद सकते हैं।
कुंभ राशि- वाले पीतल या सोना खरीद सकते है। इससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती हैं।
मीन राशि- वालों के लिए वाहन व सोना खरीदना शुभ होता है।

# क्यों मंगलवार और शनिवार को ही होती है बजरंगबली की पूजा

**मंगलवार-** मंगलवार का दिन हनुमान जी के जन्म से जुड़ा हुआ है और इस दिन की पूजा विशेष रूप से शक्ति और साहस के लिए की जाती है। यह दिन मंगल ग्रह से संबंधित है। हनुमान जी मंगल ग्रह के स्वामी हैं जो साहस, और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इस दिन उनकी उपासना करने से मंगल दोष दूर होते हैं। इसलिए मंगलवार को उनकी पूजा करने से जीवन में शक्ति और साहस का संचार होता है। यह दिन व्यक्ति को न सिर्फ शारीरिक बल, बल्कि मानसिक दृढ़ता भी प्रदान करता है, जिससे वह अपनी समस्याओं का सामना करने के लिए अधिक सक्षम बनता है।

**शनिवार-**शनिवार का दिन शनि देव के साथ जुड़ा हुआ है और यह दिन हनुमान जी के साथ भी विशेष संबंध रखता है। शनिदेव के प्रकोप से बचने और शांति पाने के लिए हनुमान जी की पूजा शनिवार को की जाती है। हनुमान जी के बारे में यह मान्यता है कि वह शनि के भक्त हैं और उनके आशीर्वाद से शनि की कड़ी सजा और दोष दूर होते हैं। शनिवार को हनुमान जी की पूजा से शनि दोष का निवारण होता है और व्यक्ति को जीवन में शांति और सुख मिलता है।

**क्यों है पूजा का महत्व?**

मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा से न केवल शारीरिक बल मिलता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। कहा जाता है कि जब रावण ने शनिदेव को कारागार में रखा तो उन्हें हनुमान जी ने ही मुक्त कराया था। इसके बाद शनिदेव ने हनुमान जी को आशीर्वाद दिया था कि शनिवार के दिन जो भी भक्त हनुमान जी की उपासना करेगा, उसे शनिदेव के प्रकोप से मुक्ति मिलेगी। इन दिनों की पूजा से न सिर्फ शनि दोष समाप्त होते हैं, बल्कि हर प्रकार के दुखों से मुक्ति भी मिलती है। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा न केवल धार्मिक परंपरा का हिस्सा है, बल्कि यह जीवन में एक नई ऊर्जा और शांति का आह्वान भी है। इन दिनों की पूजा से हर भक्त को हर संकट से उबरने की शक्ति और आत्मविश्वास प्राप्त होता है।

# कपूर के चमत्कारी प्रयोग से आएगी समृद्धि

यदि आप भी आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं और निरंतर प्रयासों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है, तो चिंता करने की आवश्यकता नहीं है. वास्तु शास्त्र में कई सरल उपाय दिए गए हैं, जो आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करके प्रगति के मार्ग को प्रशस्त कर सकते हैं.

**कपूर कहां जलाना चाहिए?**

यदि आप आर्थिक तंगी से ग्रस्त हैं और अपने घर में समृद्धि लाना चाहते हैं, तो वास्तु शास्त्र में एक सरल उपाय सुझाया गया है. इसके अनुसार, प्रतिदिन सुबह और शाम को घर के आग्नेय कोण, अर्थात् दक्षिण-पूर्व दिशा में खड़े होकर कपूर जलाना चाहिए. ऐसा माना जाता है कि इस क्रिया से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, कठिन समय समाप्त होता है, और आय के नए अवसर उत्पन्न होते हैं.

**कपूर से घर में पॉजिटिव एनर्जी कैसे लाएं?**

धार्मिक जानकारों का कहना है, कि अगर आप खूब मेहनत कर रहे हैं लेकिन उसका सही हल नहीं मिल रहा है या काम बनते बनते बार बार बिगड़ जाता है, तो यह उपाय आपके काम आने वाला है. रोज़ एक कटोरी में कपूर और कुछ लौंग जलाकर को पूरे घर में फैलाना चाहिए. ऐसा करने से घर की नगरी बैनर्जी दूर होती है और रुके हुए काम भी बनने लगते हैं। कपूर की टिकिया रखने से घर में क्या फर्क पड़ता है?

अगर आपके घर में किसी वजह से वास्तु दोष बना हुआ है, तो इसे दूर करने के लिए एक बहुत आसान और सस्ता तरीक़ा है. आप अपने घर की हर कमरे की कोनों में कपूर की एक एक टिकिया रख दें. ऐसा करने से घर की निगेटिव एनर्जी दूर होती है, वास्तुदोष भी ख़त्म होता है, घर में हमेशा सुख शांति बनी रहती है।

# तुलसी के पौधे को लगाने और पूजा करने के जानें नियम

हिंदू धर्म में तुलसी का पौधा बहुत ही पूजनीय और पवित्र माना जाता है। पूजा-पाठ से लेकर किसी भी तरह के धार्मिक अनुष्ठान में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में हर एक घर में तुलसी का पौधा जरूर होता है। घर के आंगन में तुलसी के पौधे को लगाने की और नियमित पूजा करने की विशेष परंपरा सदियों से चली आ रही है। तुलसी का पौधा न सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है बल्कि इसका वास्तु और आयुर्वेद में विशेष महत्व होता है। तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल बीमारियों को ठीक करने में होता है। तुलसी के पत्तों का सेवन करने से व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुलसी के पौधे का वर्णन और महत्व कई ग्रंथों और पुराणों में किया गया है। स्कंद पुराण, पद्म पुराण और गुरुण पुराण में खास वर्णन है। तुलसी को विष्णु प्रिया कहा गया है। जिन घरों में तुलसी का पौधा होता है और नियमित रूप से पूजा- अर्चना की जाती है वहां पर देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का वास होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी के पौधे की नियमित रूप से पूजा करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद तो मिलता ही है साथ ही हर के पापों का नाश भी होता है। आइए जानते हैं तुलसी के पौधे से जुड़ी कुछ खास बातें जिसके बारे में हर किसी को जरूर मालूम होना चाहिए।

-हिंदू धर्म में तुलसी को बहुत ही पवित्र और पूजनीय पौधा माना जाता माना जाता है। वास्तु शास्त्र में भी तुलसी को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाला पौधा कहा गया है।

- जिन घरों पर तुलसी का पौधा लगा होता है और हर दिन पूजा की जाती है और जल अर्पित किया जाता है, वहां पर सदैव भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। ऐसे घरों में कभी भी खुशहाली व धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

- वास्तु म...

तुलसी के पौधे को रखने और लगाने के लिए कुछ नियम होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी को घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा, पूर्व दिशा और उत्तर दिशा में लगाना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार बहुत ही बेहतर तरीके से होता है। इससे घर पर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार तुलसी का पौधा कभी भी दक्षिण दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इस दिशा के स्वामी यमराज होते हैं। ऐसे में भूलकर भी तुलसी के पौधे को दक्षिण दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

- घर पर जहां पर भी तुलसी का पौधा लगाएं वहां पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

-तुलसी के पौधे को बहुत ही पूजनीय और पवित्र माना जाता है। ऐसे में देखभाल करते समय विशेष ध्यान देना चाहिए। रोजाना सुबह स्नान करने के बाद तुलसी को जल जरूर अर्पित करें। इसके अलावा अगर जल में गंगाजल को मिलाकर तुलसी को अर्पित किया जाय तो यह बहुत ही शुभ फलदायी होता है।

- हर दिन सूर्यास्त के बाद तुलसी के पौधे की पूजा, दीपक जलाना और आरती करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

- यदि आप घर में तुलसी का पौधा लगा रहे हैं तो गुरुवार के दिन लगाना चाहिए।

**तुलसी पूजन मंत्र-**
महाप्रसाद जननी सर्व सौभाग्यवर्धिनी, आधि व्याधि हरा नित्यं तुलसी त्वं नमोस्तुते।।
**तुलसी स्तुति मंत्र -**
देवी त्वं निर्मिता पूर्वमर्चितासि मुनीश्वरैः
नमो नमस्ते तुलसी पापं हर हरिप्रिये

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

**दैनिक पंचांग लखनऊ**

**मंगलवार, 22 अप्रैल 2025**

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते वसंत ऋतौ वैशाख मासोत्तमे कृष्ण पक्षे नवमी तिथौ मंगल वासरे 18/14/ श्रवण नक्षत्रे 12/44/ शुभ योग 21/13/ तैतिल करणे 06/36/कुम्भ राशिगत चन्द्रमा घं.24 मि.32पर।

व्रत एवं त्यौहार- पंचक प्रारंभ घं.24मि.32पर से। भद्रा प्रारंभ घं.29मि.29 से।

**मेष :** भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक कष्ट की पूर्ति के लिए लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी हैं। अचानक लाभ संभव है।

**वृष :** उत्तरदायित्व कुछ खर्चीले साबित होंगे। विशेष प्रयत्नों से ही लाभ होगा। संतान के कारण परिवार में अशांति रहेगी और किसी से शत्रुता हो सकती है।

**मिथुन :** बुद्धि चतुर से उत्तम धन लाभ होगा। संयम एवं धैर्य से कार्य के होने की संभावना है। यात्रा का योग है।

**कर्क :** यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद एवं लाभकारी रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रगति के योग बनेंगे।

**सिंह :** पारिवारिक जीवन सुख में होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा सुख मय होगी।

**कन्या:** खेद और ग्लानि का वातावरण समाप्त होगा और अपनी स्थिति के अनुसार मान-सम्मान का ख्याल रखे। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा।

**तुला :** विशेष प्रकार के समाचार मिलेंगे आरै मित्रों का सहयोग भी मिलेगा। भाग्य तथा देवी आस्थाओं को श्रेय देंगे। कोष में कमी होगा।

**वृश्चिक :** परिवार जनों का सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहित निर्णय में टाल मटोल ठीक नहीं है। नए परिचयों के प्रति आकांक्षा रहेगी।

**धनु :** गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

**मकर :** जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा। धन सम्मान में वृद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन आवश्यक है ।

**कुंभ :** व्यर्थ की उलझने रहेगी। यात्रा की स्थिति सुखद एवं लाभकारी होगी। व्यस्तता अधिक होगी।

**मीन :** ज्ञान विज्ञान की वृद्धि होगी तथा कुछ बौद्धिक चिंतन पैदा होंगे। परिश्रम से ही महान कार्य सिद्ध होंगे।

## खबर एक नजर

### साइकिल से टकराकर सड़क पर गिरा एनटीपीसी श्रमिक, सिर में आई गंभीर चोट

**रायबरेली।** एनटीपीसी से ड्यूटी समाप्त करके घर जा रहा श्रमिक सड़क हादसे का शिकार हो गया। साइकिल सवार श्रमिक की सामने से आ रहे साइकिल सवार से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है। उसको सीएचसी में भर्ती कराया गया है। यह हादसा ऊंचाहार एनटीपीसी रोड पर हुआ है। क्षेत्र के गांव फकीर का पुरवा मजरे कंदरावा निवासी मनोज कुमार एनटीपीसी में दिहाड़ी मजदूर है। सोमवार की दोपहर वह अपनी शिफ्ट की ड्यूटी समाप्त करके अपने घर जा रहे थे। एनटीपीसी रोड पर अलीगंज मोड़ के निकट सामने से आ रहे एक साइकिल सवार से उनकी टक्कर हो गई। जिससे वह सड़क पर गिर गए। आसपास के लोगों ने उन्हें उठाया और एंबुलेंस के माध्यम से उनको सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। चिकित्सक ने बताया कि उनके सिर में गंभीर चोट आई है।

### मासूम बच्ची के साथ महिला लापता, पति ने कोतवाली में दी तहरीर

**रायबरेली।** चार बच्चों की मां मासूम बेटी के साथ घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई, काफी खोजबीन के बाद उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। महिला के पति ने कोतवाली में मामले की तहरीर दी है। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गांव बीकर गढ़ निवासी रामराज पाल का कहना है कि वह चार बच्चों का पिता है। उसकी पत्नी नेहा तीन दिन पहले चार साल की एक छोटी बेटी को लेकर घर से बिना किसी को कुछ बताए घर से निकली थी, फिर वह वापस नहीं आई। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की किंतु, उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। उसके पति ने सोमवार को मामले की कोतवाली में तहरीर दी है और अपनी पत्नी के साथ अनहोनी की आशंका जताई है। कार्यवाहक कोतवाल सियाराम राजपूत ने बताया कि महिला की खोजबीन की जा रही है।

### फर्राटा पंखा की चपेट में आकर मासूम घायल

**रायबरेली।** खेलते समय एक मासूम फर्राटा पंखा की चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसकी सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना ऊंचाहार क्षेत्र के गांव बादशाहपुर मजरे शहजादपुर की है। गांव के निवासी प्रवेश कुमार का चार साल का बेटा अर्थव घर में सोमवार की दोपहर खेल रहा था। पास में फर्राटा पंखा चल रहा था। खेलते समय अर्थव अचानक पंखे की चपेट में आ गया, जिससे वह घायल हो गया। घटना से परिवार में हलचल मच गई। परिजन उसको लेकर तत्काल सीएचसी पहुंचे ए जहां मासूम का इलाज किया जा रहा है।

### दो बाईकों में जोरदार टक्कर

**रायबरेली।** बीती रात दो बाईक की आमने सामने जोरदार भिड़ंत में एक अधेड़ दूसरा युवक दोनो चालक गंभीर रुप से घायल हो गए ग्रामीणों की मदद से युवक को नसीराबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया। रविवार रात समय करीब आठ बजे गांधीनगर छतोह राजमार्ग हाजीपुर गांव सचिवालय कार्यालय के पास दो बाईकों में जोरदार टक्कर हो गई। दोनों घायल हो गए गांव निवासी पूरे मदारी मजरे डीघा बब्बन खां थाना जायस जनपद अमेठी देहाडी के रूप में माकान बनाने का काम करते थे देर शाम घर वापस आ रहे थे। जैसे ही नसीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हाजीपुर उक्त कार्यालय के पास पहुंचे कि पूरे चंदी मिश्र का पुरवा दिलीप पुत्र राम प्यारे तेज रफ्तार बाइक लेकर निकला और बब्बन खां को जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर लगते ही दोनों गम्भीर रुप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदर से बब्बन को असैदापुर मे भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर रायबरेली एम्स को भेजा गया वही दिलीप के परिजनों ने बताया कि हालत गंभीर है। नसीराबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया था लेकिन जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सोमवार को सुबह घटना स्थल का जायजा लिया गया तो लोगों की माने तो बब्बन खां गांधीनगर से अपने घर बाएं साईड से जा रहे थे और दिलीप गलत साइड तेज रफ्तार में आकर जोरदार टक्कर मार दिया। नसीराबाद थाना प्रभारी कमलेश कुमार राजभर का कहना है कि जानकारी नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

### युवक की मौत, घर मे छाया मातम

**रायबरेली।** अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक सड़क किनारे पड़ा उपचार के लिए तड़पता रहा। लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने संवेदनहीनता की पराकाष्ठा कार कर उसे अस्पताल पहुंचाने की जहमत तक नहीं उठाई। अंततः लोगों की बेरूखी देख वहां से गुजर रहे सम्भ्रांत युवको ने एंबुलेंस से उसे सीएचसी सलोन में भर्ती कराया। समय से इलाज न मिल पाने के कारण आखिरकार उसकी जान नहीं चली गई। युवक की मौत की सूचना पर घर मे मातम छा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया है। सलोन कोतवाली अंतर्गत नगर के मिलकियाना पूर्वी निवासी युवक शाहरुख पुत्र कलीम रविवार की देर शाम परशदेपुर रोड की तरफ किसी काम से गया हुआ था। वापस लौटने के दौरान दो मजार के समीप अज्ञात बाइक सवार युवक से युवक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया। टक्कर लगने के कारण दर्द और पीड़ा से कराह रहे युवक को आसपास मौजूद लोगों ने सरकारी अस्पताल तक ले जाने की जहमत तक नही उठाई। इसी दौरान रास्ते से गुजर रहे एक युवक ने एम्बुलेंश एवम एक मीडिया कर्मी ने पुलिस को सूचित कर युवक को तत्काल एम्बुलेंश से सीएचसी में भर्ती कराया। यहां उसकी हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल रिफर किया गया लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी शिवशंकर सिंह ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

### शार्ट सर्किट से लगी आग, कई बीघे गेहूं की पराली जलकर हुई खाक

**रायबरेली।** बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार दोपहर तकरीबन 3.00 बजे के आसपास विधुत शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमें गेहू की पराली सहित आसपास मौजूद बागे जलकर खाक हो गई। जानकारी के अनुसार आपको बताते चले की थाना क्षेत्र के खालेगांव मजरे शेखपुर समोधा में मंगलवार की दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब संदिग्ध परिस्थितियों में खेतों में गेहूं की फसल काटने के बाद मौजूद पराली में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिससे खेतों में मौजूद किसान लक्ष्मीकांत व शिवप्रसाद सैनी का भूसा जलकर खाक हो गया। आग की सूचना जैसे ही ग्रामीणों के पास पहुंची वैसे ही मौके पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण पहुंच गए और आसपास की झाड़ियां के डंडों को तोड़कर आग बुझाने के लिए कड़ी मेहनत करने लगे। लेकिन ग्रामीणों की कड़ी मेहनत एवं लगन के पश्चात किसी तरह आग पर काबू पाया गया है। वही ग्रामीणों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी आग बुझाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आई इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए किसान लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बताया कि आज लगने की वजह शॉर्ट सर्किट है। आग लगने के कारण लगभग 15 बीघे गेहूं की पराली, तकरीबन 4 बीघा का भूसा और आसपास मौजूद बागे जलकर खाक हो गई।

### संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

**रायबरेली।** शिवगढ़ थाना क्षेत्र के निहाल खेड़ा मजरे सूरजपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत का मामला सामने आया है। निहाल खेड़ा में विवाहिता संगीता का शव छत में साड़ी के फंदे से लटकता मिलने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना रविवार की देर रात की है संगीता का पति आशाराम अपनी बहन के यहां गेहूं की मड़ाई के लिए गया था, रात करीब 11 बजे जब वह वापस घर लौटाए तो देखा पत्नी को छत में धोती के फंदे से लटकी थी। उसने तुरन्त पत्नी संगीता को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

# सिकुड़ गया सतांव मेले का आकार, घट रही आमदनी

**यान्त्रिक खेती ने कृषि कार्य में कम कर दी पशुओं की उपयोगिता, इसलिए घटा पशु व्यापार!**

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, सतांव, रायबरेली।** बैसवाड़ी व अवधी लोक संस्कृति की साझी विरासत के साक्षी और विशेष किस्म के पशुओं की खरीद बिक्री के लिए समूचे उत्तर भारत में ख्याति प्राप्त, सतांव के माँ गौरा पार्वती पशु मेले का आकार सिकुड़ रहा है और आमदनी घट रही है। खास कारण यह हैं कि यांत्रिक खेती ने बैलों की उपयोगिता खत्म कर दी। भार ढोने वाले पशुओं की जरूरत, मोटर वाहनों ने खत्म कर दी। घोड़ों की कीमत, आराम दायक कारों ने गिरा दी। मेला अवधि में चलने वाले साहित्यिक, साँस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों के आनन्द का स्वाद मोबाइल ने खत्म कर दिया। इसके अलावा प्रशासन की संवेदनहीनताए प्रबन्धन में लापरवाही व जमीन पर स्थानीय लोगों के धड़ाधड़ अवैध कब्जों ने भी मेले की महत्ता और विस्तार को प्रभावित किया है। उल्लेखनीय है कि 18वीं शदी के अंत में ओनई स्टेट के राजा राव शंकर बख्श सिंह ने सताँव स्थित अपनी बाग में छोटा मंदिर बनवा कर माता गौरा पार्वती की स्थापना की थी। सताँव निवासी 85 वर्षीय राज नारायण तिवारी बताते हैं कि बाद में मंदिर परिसर में चैत्र नवरात्र अष्टमी व आश्विन नवरात्र अष्टमी से मेला लगने लगा जो बाद में गौरा पार्वती पशु मेले के नाम से प्रख्यात हुआ। मेले की अवधि 15 दिन है। जिला पंचायत मेले का प्रबन्ध करती है। एक दशक पहले तक देश के विभिन्न प्रान्तों के बड़े पशु व्यापारी व खास वस्तुओं के दुकानदार मेले मे व्यापार करने आते थे, जिससे जिला पंचायत व स्थानीय लोगों को फायदा पहुँचता था।अब खेती किसानी में पशुओं की उपयोगिता लगभग समाप्त हो गयी और स्थानीय स्तर पर लोगों को घरेलू जरूरत का सामान उपलब्ध होने लगा तो बाहरी व्यापारियों ने आना बन्द कर दिया।

मेले मे खाली टीन शेड

**नाम पशु मेला, बिकीं, सिर्फ भैंसों की पडिया**–सताँव मेले का अधिकारिक नाम गौरा पार्वती पशु मेला हैए लेकिन बिक्री सिर्फ भैंसों की पड़िया की। मेरठ, मथुरा व अलीगढ़ से 10 से 12 व्यापारी करीब 250 पड़िया लेकर मेले मे आये हैं। व्यापारी पहलवान ने बताया इस बार पड़िया खरीदने वाले लोगों की संख्या बहुत कम हुई है। मेले में रस्सी खरीदने आये खगियाखेरा गाँव निवासी अजय बाजपेई ने कहा कि कभी रहा होगा विशाल पशु मेला लेकिन अब तो न विशाल है और न ही पशु मेला क्योंकि पशु तो यहाँ हैं ही नहीं। **बाजार जैसा हो गया है मेला**–दस साल पहले तक एक बड़े भूभाग पर लगने वाले गौरा पार्वती पशु मेले का आकार कुछ बीघों मे सिमट गया है। मेला परिसर में, जिन स्थानों पर जानवर खड़े करने या दूकान लगाने की जगह नहीं मिलती थी, वहाँ की जमीन पर स्थानीय लोगों ने स्थायी कब्जे कर लिये। मेले से भीड़ गायब है। आगरा, बनारस, अलीगढ़, अहमदाबाद व रतलाम की बड़ी दूकानें भी मेले मे अब नहीं आतीं, जिससे मेला अब बाजार जैसा दिखने लगा है। **तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना भी नहीं हुई सफल**– मेला परिसर में बने प्राचीन तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना वर्ष 2018 में बनी थी, लेकिन फ्लॉप हो गई। तालाब कीचड़ के गड्ढे में तब्दील हो गया है। मेले में आने वाले पशु इस तालाब का पानी पीकर हलक तर करते थे लेकिन अब आस पास बने अवैध मकानों व होटलों का गन्दा पानी तालाब में बहाया जा रहा है। मेला प्रभारी धनञ्जय वर्मा बताते हैं कि तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना की जानकारी उन्हे नहीं है। **मेले से जुड़ी है धार्मिक आस्था**–मेला परिसर के मध्य बने भव्य भवन में माता गौरा पार्वती पुत्र श्री गणेश को अपनी गोद मे लिए विराजमान हैं। दाहिनी ओर दूसरे भवन में भगवान भोलेनाथ उपस्थित हैं। पचास कदम की दूरी पर प्रभू श्रीराम, माता सीता व शेषावतार लक्ष्मण जी व माता दुर्गा के मंदिर हैं। इन सभी देव स्थानों से स्थानीय लोगों की आस्था जुड़ी है। चूँकि मेला दोनो बार नवरात्र की अष्टमी से आरम्भ होता है, इसलिए सभी मंदिरों मे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है।

## जीएम पीके मश्रा ने भ्रमण दल को हरी झण्ड़ी दिखा कर का किया रवाना

**आरेडिका की ओर से सात दिवसीय कुल्लु-मनाली और मणिकरण भ्रमण शिविर का किया जा रहा है आयोजन**

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)।** आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने कर्मचारी शिविर दल को शुभकामनाएं देते हुए हरी झण्ड़ी दिखा कर रवाना किया। बताते चलें कि आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली से कर्मचारी हित निधि के माध्यम से रमणीय स्थल कुल्लु-मनाली और मणिकरण भ्रमण सात दिवसीय कर्मचारी भ्रमण शिविर का आयोजन कार्मिक विभाग के नेतृत्व में किया जा रहा है। जिसमें आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के 70 कर्मचारियों का दल भ्रमण के लिए जा रहा है। जीएम पीके मिश्रा ने कहा कि ऐसे कर्मचारी भ्रमण शिविर रेल कर्मचारियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। आपसी सामंजस्य की भावना एवं मिल जुल कर कार्य करने की शैली विकसित करते हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक सदभाव को बढ़ावा देने वाले होते हैं, क्योंकि लोगों को विभिन्न संस्कृति एवं सामाजिक रीति रिवाजों से परिचित होने का अवसर मिलता है। आरेडिका के सभी कर्मचारी प्रतिनिधि यूनियानों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। आरेडिका प्रशासन ने कहा कि ऐसे कर्मचारी भ्रमण शिविर रेल कर्मचारियों के लिए आगे भी भविष्य में आयोजित किए जाते रहेंगे। इस मौके पर आरेडिका के उच्च अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

## पत्रकार के खिलाफ फर्जी मुकदमा लिया जाये वापस

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** जनपद में पत्रकारों के खिलाफ कथित तौर पर दुर्भावनापूर्ण और फर्जी मुकदमों का मामला गरमाया हुआ है। इस संदर्भ में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को संबोधित एक ज्ञापन मुख्यमंत्री, राज्यपाल को सौंपा गया है। जिसमें थाना सरेनी में दर्ज एफआईआर संख्या 0082 10 अप्रैल 2025 को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इस एफ आईआर में प्रदेश के प्रतिष्ठित पत्रकार आदित्य मिश्रा सहित अन्य पत्रकारों को गंभीर धाराओं में अभियुक्त बनाया गया है। ज्ञापन में दावा किया गया है कि यह मुकदमा बिना किसी ठोस आधार के, पत्रकारों की पूर्व की निष्पक्ष रिपोर्टिंग के चलते बदले की भावना से दर्ज किया गया है। पत्रकारों की घटना से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं होने के बावजूद, उनके खिलाफ यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव और उत्पीड़न का हिस्सा मानी जा रही है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह कदम पत्रकारों को निष्पक्ष पत्रकारिता से रोकने और उनकी आवाज दबाने की साजिश का हिस्सा है। इस मौके पर अजीत सिंह, संजय मौर्य, धीरज श्रीवास्तव, रोहित मिश्रा, नरेंद्र पांडे, राहुल मिश्रा, संदीप पांडे, दुर्गेश मिश्रा, मोहित मोदनवाल आदि पत्रकार मौजूद रहे। **पत्रकारों ने उठाई आवाज, मांगा न्याय**–ज्ञापन में मांग की गई है कि उक्त एफआईआर से पत्रकारों के नाम तत्काल हटाए जाएं और भविष्य में ऐसी दुर्भावनापूर्ण पुलिस कार्रवाइयों पर रोक लगाई जाए। पत्रकार समुदाय ने इस मामले को प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला करार देते हुए सरकार से त्वरित हस्तक्षेप की अपील की है। **पुलिस और प्रशासन पर सवाल**–थाना सरेनी में दर्ज इस एफआईआर को लेकर स्थानीय पत्रकारों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बिना जांच और सबूतों के पत्रकारों को निशाना बनाना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमजोर करने की कोशिश भी है।

## मान मनौवल के बाद हुआ अंतिम संस्कार

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** सोमवार को सरेनी कस्बे के मृत राजेश प्रजापति के परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया तो पुलिस प्रशासन के हाथ पैर फूल गए। उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी लालगंज ने मौके पर पहुंचकर परिजनों की मान मनौवल की लेकिन वह टस से मस नहीं हुए। अंत में एडिशनल एसपी को परिजनों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सोपा जिसमें मुख्यमंत्री से मांगे मानने का आग्रह किया गया था। ज्ञापन देने के बाद परिजन शव को लेकर गेगासो श्मशान घाट की ओर चले गए जहां राजेश के शव का अंतिम संस्कार किया गया। बीते शनिवार को सरेनी बाजार के रहने वाले राजेश प्रजापति उर्फ धुनारी उम्र 42 वर्ष पुत्र शिवनारायण का शव कमरे में पड़ा मिला तो हड़कंप मच गया। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया लेकिन जैसे ही रविवार की शाम चार बजे शव सरेनी पहुंचा तो परिजनों व अन्य लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। परिजनों की मांग थी कि केस दर्जकर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। शाम करीब छह बजे पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने क्षेत्राधिकारी अनिल सिंह को परिजनों से प्रार्थना पत्र दिलाया इसके बाद पांच नाम जद व अन्य पत्रकारों के खिलाफ केस दर्ज हुआ। पुलिस प्रशासन को लगा कि अब मामला शांत हो गया है लेकिन हुआ इसके ठीक विपरीत। परिजनो ने आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। सूचना पर एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी सी ओ अनिल सिंह मौके पर पहुंचे और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का वादा किया इस बीच पुलिस ने आरोपियों के घर दबिश भी दी लेकिन वह मिल नहीं सके। इसके बावजूद परिजन नहीं माने। इस तरह से दोपहर हो गई अंत में एडिशनल एसपी संजीव कुमार सिन्हा मृतक के घर पहुंचे तो परिजनों ने मुख्यमंत्री को संबोधित उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

# बदला मौसम, चली गर्म हवाएं, विद्यालयों में समय बदलने की मांग

**हीटवेव व मौसम की प्रतिकूलता से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभाव और हो रहे बीमार**

**बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों का समय परिवर्तन प्रातः 7.30 बजे से 12. 00 बजे किये जाने का ज्ञापन**

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** मौसम का मिजाज बदलने और हवाओं का रुख बदलने से आज से हीटवेव चल गई है। मौसम में आए परिवर्तन से दोपहर में निकलना मुश्किल हो गया है। मौसम का मिजाज बदलने पर सोमवार को शैक्षिक संगठनों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर समय परिवर्तन की मांग उठाई है। विद्यालयों में समय बदलने की मांग को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ और जूनियर शिक्षक संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन। राष्ट्रीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद में इस समय प्रातः आठ बजे से अपराह्न दो बजे तक विद्यालय संचालित हैं, जबकि विद्यालयों में विद्युत कटौती प्रातः नौ बजे से हो रही है। अपराहन 11. 30 बजे के पश्चात तापमान 40 डिग्री से ऊपर तथा अपराह्न 12. 30 बजे से दो बजे का तापमान 42-44 डिग्री या अधिक हो जाता है। वीरेन्द्र चौधरी, संजय सिंह और हरिमोहन ने कहा कि जनपद में अपराह्न दो बजे विद्यालय बंद होने पर विद्यालयों के बच्चे 01 से 04 किलोमीटर तक भीषण गर्मी में पैदल अपने घरों को जाते हैं, जिससे विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे आये दिन बीमार पड़ रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकांश विद्यालय दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होने से मौसम की प्रतिकूलता भीषण गर्मी व हीटवेव से छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री मधुकर सिंह ने बताया कि जनपद में मौसम की प्रतिकूलता भीषण गर्मी व हीटवेव से बचाव हेतु छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय का संचालन प्रातः 07.30 से 12. 00 बजे तक समय परिवर्तन हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ जनपद रायबरेली के प्रतिनिधि मंडल ने विद्यालयों के संचालन का समय प्रातः 7.30 से 12.00 बजे तक किए जाने हेतु मांग पत्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप यादव, महामंत्री सियाराम सोनकर, उपाध्यक्ष विक्रमादित्य सिंह, कोषाध्यक्ष शिव शरण सिंह, जगतपुर के मंत्री महेश कश्यप, रवि श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष आशीष तिवारी, अमावां अध्यक्ष सुरेश सिंह, उमाशंकर चौधरी, दीपक कुमार, संजीव श्रीवास्तव, शिवकुमार सिंह, मेराज अहमद आदि उपस्थित रहे।

## मोदी सरकार देश के संविधान को खत्म करने का कर रही प्रयास–अतुल

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं पूर्व प्रत्याशी अतुल सिंह ने ऊंचाहार विधानसभा के ऊंचाहार ब्लॉक के रामचंदरपुर, बग्घा का पुरवा, महिपत पुरवा, सरायं हरदो, राम सांडा एव रोहनिया ब्लॉक के नदौरा माफ़ी, जगदीशपुर, हारी आदि गांव में चौपाल, नुक्कड़ सभा एवं जनसंपर्क कर लोगों की समस्याएं सुनी एवं कांग्रेस पार्टी की नीतियों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि राहुल गांधी लगातार आप सबकी चिंता कर रहे हैं, नौजवानो के रोजगार के लिए, देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बने संविधान को बचाने के लिए लगातार राहुल संघर्ष कर रहे हैं। मोदी सरकार देश के संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रही है। श्री सिंह ने कहा कि ऊंचाहार की जनता अपने मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। इसका सबसे बड़ा कारण है कांग्रेस की 36 सालों से उत्तर प्रदेश में सरकार न बन पाना।आज छुट्टा जानवरों से किसान हमारा परेशान है, सरकार को इनकी समस्याओं से कोई लेना.देना नहीं है, बिजली की समस्या लगातार बढ़ रही है और बिजली का बिल उपभोक्ताओं को कई गुना बढ़ के जमा करना पड़ता है। जरूरतमंदों को पेंशन नहीं मिल रही है। श्री सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि ऊंचाहार को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए, आप सब मेरे परिवार की तरह हैं। मैं हमेशा आपके सुख.दुख में साथ खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सचिव अनुज सिंह, शैलेन्द्र सिंह, रोहनिया ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति सरोज, रामदत्त पांडे, बब्बन पटेल प्रधान, अमित सिंह, विक्रम सिंह, संजय सिंह, युवा नेता आशीष शुक्ला, बिमलेंद्र बाजपेई, पप्पू मिश्रा, प्रदीप सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, गब्बर सिंह, अजय मौर्य, सुधीर गुप्ता, व्रन्दा मौर्य, शिव करण मौर्य, राकेश यादव, राजीव कुमार, मनोज गौतम, देशराज पासी, करण पासी, नीरज चौधरी, राजेश यादव, राम सुमेर यादव, विशाल गौतम आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

## सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप, मुकदमा दर्ज

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, खीरों, रायबरेली।** रविवार की शाम को सेमरी चौराहा पर वाहन चेकिंग के दौरान आइस्क्रीम लेकर जा रहे एक युवक से कुछ पुलिसकर्मियों से कहासुनी हो गई। युवक ने खीरों थाने की पुलिस चौकी सेमरी में तैनात एक आरक्षी पर गाली देते हुए मारपीट करने का गम्भीर आरोप लगाया। इसके बाद सेमरी चौराहा निवासी कुछ युवक पुलिस चौकी सेमरी पहुंचे और काफी नोंकझोंक हुई। जिसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि प्रभारी निरीक्षक के पहुंचने पर मामला शांत हो गया है। पुलिसकर्मियों द्वारा पीड़ित युवक से माफी मांगने की बात भी सामने आई है। लेकिन इस मामले ने तूल तब पकड़ लिया जब पुलिस तीन नामजद व 10- 15 अज्ञात लोगों के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस पर हमलावर होते हुए गाली गलौज का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया। पीडितों ने बताया कि सेमरी चौराहा निवासी शिवलाल सोनी और उनके भाई पप्पू सोनी की सेमरी चौराहा पर बर्तन की दुकान है। दिवाकर सोनी पुत्र शिवलाल सोनी और उनके चचेरे भाई आनन्द सोनी, अभिषेक सोनी पुत्रगण पप्पू सोनी यदाकदा अपनी दुकानों पर बैठकर पिता का व्यापार में सहयोग करते हैं और तीनों लोग पढ़ाई के साथ साथ नौकरी की तैयारी करते हैं। पीडितों के अनुसार रविवार की शाम को सेमरी चौराहे से दिवाकर सोनी आइस्क्रीम लेकर घर जा रहे थे। खीरों पुलिस सेमरी चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस चौकी सेमरी में तैनात एक आरक्षी ने उन्हें रोककर भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारापीटा। जिससे सेमरी चौराहा निवासी और दुकानदार काफी आक्रोशित हो गए। इस घटना से आक्रोशित कुछ युवक पुलिस चौकी सेमरी पहुंचे और उन्होंने पुलिसकर्मियों से काफी नोंकझोंक की। इस दौरान आक्रोशित युवक पुलिसकर्मियों से पीड़ित युवक से माफी मांगने की मांग कर रहे थे। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी सेमरी पहुंचे प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने आक्रोशित युवकों को समझाबुझाकर शांत कराया। पुलिसकर्मियों के माफी मांगने पर मामला शांत हो गया। लेकिन मामले ने तब तूल पकड़ लिया जब पुलिस ने दिवाकर सोनी, उनके चचेरे भाई आनन्द सोनी और अभिषेक सोनी व 10-5 अज्ञात लोगों के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने और गाली देते हुए पुलिसकर्मियों पर हमलावर होने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की शाम लगभग छह बजे सेमरी चौराहे के पास पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध सेमरी चौराहे पर आया। जो देखने में अंजान व संदिग्ध लग रहा था। पुलिस ने रोककर पूंछताँछ की। सन्तुष्ट न होने पर उसे विस्तृत पूंछताँछ के लिए पुलिस उसे सेमरी चौकी ले गई। तभी उसके परिजन 10-5 अज्ञात लोगों के साथ सेमरी चौकी आए और सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए गाली गलौज करने लगे व चौकी के कर्मचारियों पर हमलावर हो गए। इसलिए तीन नामजद और 10-5 अज्ञात लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

# हाइवे के किनारे आरक्षित भूमि पर भू-माफियाओं की गिद्ध दृष्टि

**स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी।** लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग से बाराबंकी गोंडा राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने के लिए प्रस्तावित फोर लेन मार्ग के किनारे पड़ने वाली आरक्षित भूमि पर भू माफियाओं की गिद्धदृष्टि पड़ने लगी है ग्राम पहलीपार मे ऐसे ही एक हरिजन आबादी की भूमि को लेकर आज शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे के प्रदेश महासचिव/मीडिया प्रभारी मनोज मिश्र विद्रोही के नेतृत्व में दर्जनों शिवसैनिको ने ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगायी है।बताते चले कि मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम पहलीपार निवासी दिव्यांग देशराज गौतम जो शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे का पदाधिकारी है तथा वर्षो से ग्राम मे स्थित हरिजन आबादी पर काबिज है लेकिन जब से पहलीपार के निकट से निकलने वाले फोर लेन की चर्चा शुरु हुई है तब से भूमाफिया ग्राम प्रधान एव क्षेत्रीय लेखपाल से सांथगांठ कर आरक्षित जमीनो को टटोल रहे है। ग्राम पहलीपार मजरे सुरसंडा स्थित हरिजन आबादी भूमि को क्षेत्रीय लेखपाल ने ग्राम एक भूमाफिया सिराज के नाम घोषित कर दिया है और उस पर निवासरत हरिजनों को जमीन से बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है और प्रधान व अन्य विपक्षी दलों के नेताओ के इशारे पर स्वामित्व योजना के तहत घरौनी नही जारी की जा रही है ।सागर इंजिनियर कालेज अयोध्या मार्ग से गोंडा मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग तक फोर लेन रोड पास होने से जमीन कीमती हो गई है और गांव की भूमि पर भूमाफियाओं की नजरे जम गई है प्रधान पति धीरज द्वारा गांव में हरिजनों के बीच भय का माहौल बनाया जा रहा है और पीड़ित लोगों को डराया धमकाया जा रहा है जिसके चलते लोग विरोध का साहस भी नही कर पा रहे है जमीन के हरिजन आबादी के संबंध में एक कार्यवाही में स्टांप आयुक्त के फील्ड आफिसर ने अपनी जांच आख्या में झूठी रिपोर्ट लगाई कि उक्त हरिजन आबादी में कोई औद्योगिक व आबादी गतिविधि विद्यमान नहीं है जबकि सैकड़ों वर्षो से हरिजन आबादी है इस प्रकार दलित समाज के हरिजनों के साथ अन्याय किया जा रहा है। हरिजन आबादी से बेदखल किये जा रहे दलित समाज के तमाम लोगो ने सोमवार को तहसील पहुंच कर न्याय की गुहार लगते हुए हरिजन आबादी की भूमि को बचाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। शिवसेना के प्रदेश महासचिव ने दलितों के साथ हो रहे जुल्म को लेकर आर पार की लड़ाई ल?ने का ऐलान किया है इस मौके पर पार्टी के जिला उप प्रमुख दीपू वाल्मिकी उर्फ पंडित जी, जिला उप प्रमुख अजय गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी एस एन मिश्र, युवासेना जिला प्रमुख मनोज सिंह मिंटू, जिला सचिव बलबीर वर्मा, प्रवीन वर्मा,पीड़ित देशराज गौतम आदि ने न्याय की गुहार लगाई है ।

## रंजिश के चलते विद्यालय से काटा गया छात्र का नाम

**स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी।** पुरानी रंजिश के चलते कक्षा चार के एक छात्र का विद्यालय से नाम काट देने का मामला प्रकाश में आया है । पिता ने खंड शिक्षा अधिकारी त्रिवेदीगंज को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की गुहार लगाई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवनाम गांव निवासीरमन विश्वकर्मा पुत्र मकरध्वज विश्वकर्मा शिक्षा क्षेत्र त्रिवेदीगंज के प्राथमिक विद्यालय शिवनाम का कक्षा 4 का छात्र है। प्रधानाध्यापिका द्वारा बुलाए जाने पर पहुंचे पिता से प्रधानाध्यापिका ने कहा कि आपके बेटे को स्कूल की किताबें नहीं मिलेगी अपने बेटे का ट्रांसफर सर्टिफिकेट ले लो इस प्राथमिक विद्यालय से उसका नाम काट दिया गया है। पिता के नाम काट देने का कारण पूछने पर प्रधानाध्यापिका ने कुछ नहीं बताया। खंड शिक्षा अधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में पिता ने बताया कि पूर्व में मेरे पुत्र रजत विश्वकर्मा को सहायक अध्यापिका द्वारा बेरहमी से मारा पीटा गया था ।

# 10 मई को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

**स्वतंत्र भारत,बाराबंकी।** सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी की श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई के आयोजनार्थ राजस्व न्यायालयों पर विचाराधीन वाद/प्री-लिटिगेशन वाद, विभिन्न विभागों में लम्बित पेंशन, जी0पी0एफ0 से संबंधित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण कराये जाने एवं लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार कराये जाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन स्तर पर सभी तहसील के तहसीलदार/सचिव त0वि0से0 समिति के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुश्री प्रियंका त्रिपाठी तहसीलदार रामसनेहीघाट, सुश्री प्रियंका शुक्ला नायब तहसीलदार नवाबगंज, दिनेश कुमार पाण्डेय नायब तहसीलदार सिरौलीगौसपुर, सैयद तहसीन हैदर नायब तहसीलदार रामनगर से उपस्थित रहें। सचिव श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई के आयोजन पर प्रकाश डाला गया और इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी पत्रों पर चर्चा की गई। राजस्व न्यायालयों पर विचाराधीन वाद/प्री-लिटिगेशन वाद, विभिन्न विभागों में लम्बित पेंशन, जी0पी0एफ0, विद्युत, टेलीफोन, जल से संबंधित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण कराये जाने हेतु सुझाव दिया गया। इसके राष्ट्रीय लोक अदालत का सभी तहसीलों, ब्लाक स्तर एवं ग्राम सभा स्तर तक प्रचार प्रसार करवाने हेतु भी निर्देशित किया गया तथा 10 मई को समय 10:00 बजे से सभी तहसीलों पर लोक अदालत के आयोजन हेतु भी निर्देशित किया गया। प्रशासनिक स्तर पर उक्त लोक अदालत का प्रचार प्रसार लेखपाल, आशा बहू, आगंनबा?ी कार्यकर्ती आदि से कराये जाने एवं विभिन्न स्कूलों के बच्चों के सहयोग से प्रभात फेरी इत्यादि द्वारा भी प्रचार प्रसार कराने एवं मनोरंजन विभाग द्वारा नुक्क? नाटक, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं द्वारा भी व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु सुझाव दिये गये। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर अधिक से अधिक मामलों का चिन्हांकन कर उनका अधिक से अधिक निस्तारण करने हेतु भी निर्देशित किया गया। व्यापक प्रचार प्रसार एवं प्रतिभाग करने हेतु हर संभव प्रयास किये जाने का आश्वासन दिया गया।

## खबर एक नजर

### दस ई-रिक्शा सीज

**स्वतंत्र भारत, बाराबंकी।** शहर में नियमों को दर-किनार कर फर्राटा भरने वाले ई रिक्शा- ऑटो पर अंकुश लगाने की दिशा में परिवहन विभाग द्वारा सख्त कार्यवाही जारी है7 इस दौरान क्षमता से अधिक सवारी, बिना फिटनेस, ड्राइविंग लाइसेन्स, नाबालिगो द्वारा संचालन समेत सामग्री ढोने वाले ई रिक्शा को जब्त किया गया7 आज सोमवार को शहर के व्यस्तम पल्हरी चौराहे पर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन/प्रवर्तन श्रीमती अंकिता शुक्ला, क्षेत्राधिकारी आलोक पाठक की संयुक्त टीम ने ओवरलोड, बिना पंजीकरण, फिटनेस के संचालन करते मिलने पर 10 ई-रिक्शा को थाना मंड़ी मे बंद किया। तथा अन्य अभियोगो में 5 ई-रिक्शा के चालान किये। इस दौरान यातायात प्रभारी रामयतन यादव समेत परिवहन एवं यातायात स्टाफ मौजूद रहा।

### मारपीट का मुकदमा दर्ज

**स्वतंत्र भारत जैदपुर बाराबंकी।** रास्ते में मोटर साइकिल खड़ी होने पर एक व्यक्ति को तीन चार लोगों ने मिलकर जमकर मारा पीटा जिसकी शिकायत जैदपुर पुलिस से पीड़ित के करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला जैदपुर थाना क्षेत्र के बरौली मलिक का है जहां के फैजान पुत्र मो0 इदरीश ने थाना जैदपुर में शिकायती पत्र देते हुये बताया कि 19 अप्रैल 2025 समय लगभग समय करीब 7~00 बजे शाम को रास्ते पर खड़ी गाडी को हटाने के बात को लेकर मेरे गांव के रहने वाले अकील, कफील, नशीम पुत्रगण शकील अहमद व नूर आलम पुत्र अजात व वसीक निसार लोग मुझे बिना किसी कारण मां बहन की भद्दी भद्दी गालियां देने लगे जब मैने उपरोक्त लोगो को अनावश्यक गाली देने से रोका तो उपरोक्त लोगों ने लाठी डंडे से मुझे मारा पीटा जिससे मुझे गंम्भीर चोटें आयी मेरे सर में चोट लगने की बजय से काफी खून बहने लगा तब मेरे घर के लोग 108 नम्बर पर सूचना दिया सरकारी एम्बुलेन्स देखकर विपक्षी लोग मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये मोहल्ले के लोगों ने मुझे बचाया तथा एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वाथ्य केन्द्र जैदपुर लाया गया मेरे सिर व कान से खुन बन्द नहीं हो रहा था तो मुझे जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर किया गया है। उक्त मामले में जैदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

### महादेवा कॉरिडोर निर्माण में तेजी लाने के लिए प्रशासन ने कसी कमर

**स्वतंत्र भारत, रामनगर बाराबंकी।** महादेवा कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। जिन भवन स्वामियों का बैनामा हो गया है उन्हें तीन दिनों के अंदर घर खाली करने के लिए कहा गया इसके लिए सोमवार को मुनादी करवाई गई उप जिलाधिकारी रामनगर पवन कुमार ने महादेवा क्षेत्र का भ्रमण किया और राजस्व कर्मचारियों को भवन खाली कराने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल महादेवा में प्रस्तावित कारिडोर निर्माण को लेकर शासन के द्वारा पहली किस्त जारी होते ही अधिकारियों ने तेजी पकड़ ली है। पर्यटन विभाग के द्वारा जिन लोगों के मकानों दुकानों वह भवनों का बैनामा कराया जा चुका है और मुआवजे की धनराशि दी जा चुकी है उन्हें नोटिस जारी कर तीन दिनों के अंदर भवन खाली करने के लिए कहा गया है। सोमवार को रोजगार अधिकारी पवन कुमार ने लोधेश्वर महादेवा पहुंचकर भ्रमण किया और मुनादी करवाई जाने के निर्देश दिए इसके बाद हल्का लेखपाल संतोष कुमार के द्वारा मुनादी करवा कर घर खाली करने के लिए कहा गया उपजिला अधिकारी पवन कुमार ने बताया संभवत 15 मई के आसपास निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा इसीलिए मुनादी करवाई गई है।

### दूसरे दिन भी हटाई गई अवैध होर्डिंग

**स्वतंत्र भारत, बाराबंकी।** नगर निकायों द्वारा मुख्य मार्गो पर लगे स्ट्रीट लाइट के पोल पर विभाग की अनुमति के बिना लगाए गए होर्डिंग बोर्ड को उतारने का तीन दिवसीय अभियान के तहत दूसरे दिन भी नगर पालिका नवाबगंज और जिले की सभी नगर पंचायतों के कर्मचारियों ने सैक?ों पोल पर लगे होर्डिंग बोर्ड को हटाकर अपने कब्जे में ले लिए। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद नवाबगंज श्री संजय शुक्ला ने बताया कि पिछले कई दिनों से निरंतर आम जनता की शिकायतें मिल रही थी कि स्टेट हाईवे के अलावा मुख्य मार्गो पर जितने भी स्ट्रीट लाइट व बिजली के पोल लगे हुए हैं। उन पर अधिकांश लोगों ने विभाग की अनुमति के बिना ही अपने प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग बोर्ड लगाए हुए हैं और इन होर्डिंगों के कारण दुर्घटनाओं का भय भी बना रहता है जिसको शासन व जिला प्रशासन ने संज्ञान लिया और त्वरित कार्यवाही करने के लिये जिले भर में रविवार से चल रहे तीन दिवसीय अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग्स हटवाने के निर्देश दिए । जिसके क्रम में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अधिकारियों द्वारा रविवार से इस अभियान की शुरुआत नगर पालिका परिषद नवाबगंज और जिले की सभी 13 नगर पंचायतों में एक साथ की गई। अभियान में नगर पालिका परिषद नवाबगंज सहित जिले की नगर पंचायतों के सभी ईओ और अन्य कर्मचारीगण अपने अपने क्षेत्र में उपस्थित रहे।

### अवकाश प्राप्त शिक्षक का हुआ सम्मान

**स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी।** पू0मा0 विद्यालय गंगवाई पठनान विकास खण्ड सिद्धौर में शिक्षक अलंकरण एवं विदाई समारोह का आयोजन कर विद्यालय से सेवा काल पूर्ण कर चुके शिक्षक उमेश चंद्र के विदाई दी गई।आयोजन के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सिद्धौर द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर शिक्षक उमेश चन्द्र को सम्मानित किया गया।विद्यालय में प्रधान अध्यापक मो0 अख्तर द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी का माला पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अपने संबोधन में कहा कि अध्यापक कभी सेवानिवृत्त नही होता । वो सदैव समाज को सदमार्ग दिखाता रहता है।अध्यापक रिया अहमद ने माला पहनाकर उमेश चंद्र स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से राजेन्द्र वर्मा बी0 डी0 सी0 ग्राम प्रधान हरिनाथ रावत,नोडल अध्यापक नॉमिलाल,हंसराज वर्मा,रिया? अहमद,अरुण कुमार,नीरज कुमार,यश कुमार,मनोज कुमार,वकील अहमद,सफीर अहमद,अगम बाबू ,आलोक कुमार,अनिल कुमार,संजीव कुमार आदि अध्यापकों ने माला पहनकर एवं उपहार प्रदान कर उमेश चंद्र को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रधानाचार्य मो0 अख्तर ने सभी का आभार व्यक्त कर एवम मुख्य अतिथियों को शाल भेंट की।

# राजा रत्नाकर सिंह जनता के दिलों पर राज करते थे : पीएल पुनिया

**स्वतंत्र भारत, बाराबंकी।** रामनगर ।(धमे?ी) रियासत के 14वें राजा एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव समाजसेवी स्वर्गीय रत्नाकर सिंह जनता के दिलों पर राज करते थे। वे सदैव जनसेवा इमानदारी और विकास के प्रतीक रहे हैं। राजा रत्नाकर सिंह का सरल स्वभाव और सबको साथ लेकर चलने की राजनीती आज के समय में एक प्रेरणा है। आजादी के आन्दोलन में इस रियासत ने ब?च? कर भागीदारी निभाई थी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य श्री दिगवजय सिंह के राजा रत्नाकर सिंह दामाद थे। 61 वर्ष की आयु में कैंसर जैसी घातक बीमारी के कारण उनका असमय निधन हो गया। आज स्व0 राजा रत्नाकर सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली एवं मरीजों को फल वितरण जैसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते है। और दिवंगत की याद दिलाते हैं। आज उनके प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनको कांग्रेस परिवार के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित करते है। उक्त उद्गार पूर्व सांसद डॉ0 पी0एल0 पुनिया ने आज युवा समाज सेवी कांग्रेसी नेता धनन्जय सिंह रैकवार द्वारा रामनगर (धमेड़ी) के राजा स्व0 रत्नाकर सिंह जो नगर पंचायत रामनगर के पूर्व अध्यक्ष तथा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव रह चुके थे, उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर पूर्व सांसद डॉ0 पी0एल0 पुनिया के ओबरी आवास पर आयोजित श्रद्धांजली समारोह में व्यक्त किये। श्रद्धांजली समारोह के पश्चात कांग्रेसजनों के साथ स्थानीय अस्पताल पहुंचकर पूर्व सांसद डॉ0 पी0एल0 पुनिया ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 बी0पी0 सिंह तथा कांग्रेसजनों के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया और मरीजों का हालचाल जानकर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। समाजसेवी कांग्रेसी नेता धनन्जय सिंह रैकवार द्वारा समाजसेवी पूर्व प्रदेश सचिव रामनगर धमेड़ी रियासत के राजा स्व0 रत्नाकर सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजली सभा तथा अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद डॉ0 पी0एल0 पुनिया, कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, विनोद सिंह कार्यक्रम आयोजक धनन्जय सिंह रैकवार, राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला, इरफान कुरैशी, सरजू शर्मा, देवेन्द्र सिंह मोनू, राजकुमार सिंह, अंकित सिंह रैकवार, नेकचन्द त्रिपाठी, अजय रावत, मोहम्मद जिशान, अजीत वर्मा, अखिलेश वर्मा,उदयभान यादव, गोपी कनौजिया, सद्दाम हुसैन,श्रीकान्त मिश्रा, संजीव मिश्रा, आशू दिक्षित,धीरेन्द्र सिंह, ज्ञानू सिंह, अमित सिंह सहित दर्जनों की संख्या में कांग्रेसजन तथा स्वर्गीय राजा रत्नाकर सिंह जी के प्रशंसक थें ।

# पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ कार्यक्रम के अंतर्गत रोपित किये गए पौधे

**स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी।** धरती पर हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से टीम युवा शक्ति द्वारा पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को क्षेत्र के तमाम गावों मे एक पेड़ अपने लिए लगाने की मुहिम की शुरुआत करते हुए दो सौ वृक्ष रोपित किये गए।कार्यक्रम के प्रभारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि लगातार हो रहे पर्यावरणीय दोहन से साल दर साल भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है जिससे आम जनमानस की जीवनशैली व दिनचर्या प्रभावित हो रही हैं। इन सब से बचने का एक मात्र उपाय धरती पर हरियाली बढ़ाना और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना है। जिससे निकट भविष्य मैं गर्मी की समस्या का सामना न करना पड़े। बताया कि कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए ज्यादा से लोगो को कार्यक्रम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम मे प्रयास एवं लक्ष्य फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा सहयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर आदर्श अवस्थी,अरमान कुरैशी, लवकुश कुमार, राघवेंद्र त्रिवेदी, अमरेंद्र सिंह, मेराज राईन, मुकेश सिंह आदि मौजूद रहे।

# पूर्व डीजे पंकज सिंह की स्मृति में लाइब्रेरी

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, बाराबंकी।** जिला बार एसोसिएशन बाराबंकी के सभागार मे सेंट्रल ए सी इंस्टालेशन कार्य के शुभारम्भ एवं जिला बार एसोसिएशन बाराबंकी के परिसर मे स्मृति शेष पंकज कुमार सिंह जनपद न्यायाधीश बाराबंकी मेमोरियल लाइब्रेरी का नामकरण का शिलान्यास प्रभारी जनपद न्यायाधीश बाराबंकी विनय कुमार सिंह-3 व शशांक त्रिपाठी द्वारा किया गया।कार्यक्रम मे अपर जिला जज नितीश राय, अपर जिला जज राकेश कुमार सिंह प्रण विजय सिंह, सुभाष तिवारी, अपर जिला जज अमित सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुधा सिंह, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दिवाकर कुमार, उज्जवल उपाध्याय, छितिज पाण्डेय उपस्थिति रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बार के अध्यक्ष हिसाल बारी किदवाई व पूर्व अध्यक्षगण जगत बहादुर सिंह, रामगोपाल शुक्ला, ब्रजेश कुमार दीक्षित, महेंद्र कुमार सिंह, हरीश अग्निहोत्री, रघुराज सिंह वर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, भारत यादव, योगेंद्र सिंह वर्मा, नरेन्द्र कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार सिंह, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमन लाल द्विवेदी, व रामकिशोर मिश्रा, ज्ञान प्रकाश मिश्रा, सुषमा शर्मा, रूबी सिंह, जिला बार एसोसिएशन बाराबंकी के वर्तमान पदाधिकाारियो मे वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह, राकेश कुमार तिवारी, अंशुमान सिंह उपाध्यक्ष-2, विनोद यादव, विजय पाण्डेय, प्रदीप कुमार बाजपेई, अतुल कुमार वर्मा, श्रीमती दौलता कुमारी, मदनलाल यादव, पंकज श्रीवास्तव, विजय कुमार रस्तोगी, अनिल कुमार यादव, राहुल विक्रम सिंह, सुमेर सिंह, नवीन चंद वर्मा, रवि कुमार वर्मा, शिव कुमार वर्मा सहित सुरेन्द्र नाथ मिश्र, राजेंद्र मिश्र, संजय मिश्रा, रमेश वर्मा, उदयभान वर्मा, राजेंद्र कुमार गोस्वामी सहित हजारों अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम मे मंच संचालन जिला बार एसोसिएशन बाराबंकी के महामंत्री अशोक कुमार वर्मा ने किया।

# डीएम ने की चकबंदी के कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

**स्वतंत्र भारत, बाराबंकी।** जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरुण कुमार सिंह, उप संचालक चकबंदी (डीडीसी) आलोक कुमार श्रीवास्तव सहित सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक करके चकबंदी कार्यो की समीक्षा की।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सम्बंधित अधिकारियों से चकबंदी कार्यो की अद्यावधि जानकारी ली। उप संचालक चकबंदी (डीडीसी) आलोक कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चक्र की चकबंदी प्रक्रिया जिले के 6 गांवों में गतिमान है और द्वितीय चक्र की चकबंदी प्रक्रिया 35 गांवों में चल रही है। जिसमें से 16 गांवों में सर्वे व धारा 8 सहित अन्य कार्य चल रहे हैं। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन गांवों में चकबंदी प्रक्रिया चल रही है वह अधिक लंबी न चले, सभी स्थानों पर चकबंदी कार्य को समय पर पूर्ण कराया जाए। अधिकारी यह सुनिश्चित कर ले कि ग्रामपंचायतों में चारागाह, तालाब व अन्य प्रकार की सरकारी जमीनों पर यदि किसी ने कब्जा कर रखा है तो उसपर कार्यवाही करते हुए अवैध कब्जे को खाली कराया जाए। उन्होंने कहा कि दरांवा और परसा गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया की अविलंब शुरुआत की जाए। भदरास, मवइया, रसूलपुर, कान्हीपुर, सहावर, बिजौली, डिंगरी, बच्छराजमऊ, लाही, बबुआपुर, ओदार, खुज्जी, जासेपुर, सलेमाबाद, आदि गांवों में चकबंदी के कार्य समय से पूर्ण कराये जाए। जिन गांवों में चकबंदी प्रक्रिया गतिमान है उन सभी गांवों में अविलंब चकबंदी के कार्यो को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाए। इस अवसर पर उप संचालक चकबंदी (डीडीसी) आलोक कुमार श्रीवास्तव, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी (एसओसी) संजय कुमार विश्वासएवं सहायक चकबंदी अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### कार्ययोजना बनाकर पुराने मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चकबंदी से सम्बंधित मुकदमों के निस्तारण की स्थित का?ी खराब है, 3 व 5 साल से अधिक समय से लंबित मुकदमों की स्थित पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कार्ययोजना बनाकर समय से चकबंदी के मुकदमों का मेरिट के आधार पर शीघ्रता से निस्तारण करें। चकबंदी के मुकदमों में तारीख पर तारीख देकर अनावश्यक समय खराब करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी।

### कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही में न हो विलंब

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि खुज्झी, बरौली, ओदार, सलेमाबाद और जासेपुर आदि सहित जिन गांवों में कब्जा परिवर्तन किया जाना है उन सभी गांवों में समय से कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही विधिक रूप से पूर्ण की जाए।

### गतिरोध दूर करने का करें प्रयास

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन गांवों में चकबंदी प्रक्रिया का लोग विरोध कर रहे है उनसे बातचीत करके विरोध के कारणों का अधिकारी पता लगाए और गतिरोध को दूर करने का प्रयास करें। फिर भी कोई बार-बार बेवजह गतिरोध करे तो उस पर कार्यवाही करें।

## उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मजदूर संघ का सम्मेलन

**स्वतंत्र भारत,अयोध्या।** उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मजदूर संघ अयोध्या का जिला सम्मेलन रविवार को जिला सहकारी बैंक के सभागार में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रेम सागर मिश्रा व विभाग प्रमुख जय प्रकाश सिंह , भारतीय मजदूर संघ अयोध्या के संरक्षक सत्य प्रकाश श्रीवास्तव , संगठन मंत्री राम प्रकाश तथा प्रचार मंत्री पुष्कर तिवारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मजदूर संघ अयोध्या की नयी कार्यकारिणी पर विचार विमर्श के उपरांत घोषित की गयी। जिसमे अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह,उपाध्यक्ष अखिलेश पाठक एवं विवेक कुमार ,मंत्री शुभम सिंह, संयुक्त मंत्री आशीष यादव, राम प्रसाद यादव, पुष्पा, कोषाध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, प्रचार प्रमुख राम नरेश तथा कार्यकारिणी सदस्य के लिए अजय कुमार, सरोज देवी,राजेंद्र पाल,राजू निषाद,विपिन कुमार,अमन यादव,यशा कुमार को मनोनीत किया गया ।

## प्रभावी पैरवी करके अपराधियों को कड़ी सजा दिलाई जाए : डीएम

**स्वतंत्र भारत, बाराबंकी।** जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरुण कुमार सिंह सहित जिले के अधिकारियों के साथ अभियोजन कार्यो की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए विभिन्न न्यायालयों में चल रहे मुकदमों के विषय में शासकीय अधिवक्ताओं व सम्बन्धित अधिकारियों से फीडबैक लिया। जिलाधिकारी ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज गंभीर मुकदमों में पुलिस को प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गंभीर धाराओं के मुकदमों में पुलिस अपनी जांच रिपोर्ट साक्ष्यों के साथ लगाते हुए प्रभावी पैरवी करे जिससे अपराधियों को क?ी सजा मिले और समाज में सुरक्षा का माहौल बन सके।

### गवाहों के न आने के कारणों का पाया लगाया जाए

जिलाधिकारी ने कहा कि अगर वाद दोषमुक्त हो रहा है तो क्यों? विरोधाभास, पक्षद्रोही बयान व गवाहों के न आने का कारण, शासकीय अधिवक्ताओं को बताना होगा। सम्बंधित अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि मुकदमों में साक्षी गवाही देने आए जिससे केस मजबूत हो सके। अपने ही बयानों से मुकरने वाली पी?िताओं के पक्षद्रोही बयान को भी संज्ञान लिया जाए और सम्बंधित पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। जिससे इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति पर रोक लग सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरुण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी, रहे।

# एसडीएम सदर को ज्ञापन सौंपने पहुंचे संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी

**स्वतंत्र भारत,अयोध्या।** अमेरिकी उपराष्ट्पति जे. डी. वेंस के सोमवार को द्विपक्षीय व्यापार सौदे पर बातचीत के लिए भारत आने पर संयुक्त किसान मोर्चा व किसान सभा ने विरोध किया है और इस संबंध में जिला मुख्यालय तहसील सदर पर प्रतिवाद दर्ज कराते हुए राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्री ज्ञापन उपजिलाधिकारी सदर को सौंपा गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत होने वाली चर्चा पशुपालक किसानों के लिए मौत की घंटी होगी क्योंकि टैरिफ और बाजार प्रतिबंध हटाए जाने पर अमेरिकी डेयरी निर्यात में भारी उछाल आएगा। अमरीका गेहूं संघ का दावा है कि भारत में घरेलू समर्थन का उच्च स्तर है और व्यापार को विकृत करने वाले उच्च टैरिफ हैं, विडंबना यह है कि जब भारत में किसान कानूनी रूप से गारंटीकृत खरीद के साथ लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आगे कहा गया कि समझौते से अमेरिकी कृषि उत्पादों को डंप किया जाएगा जिससे बाजार में भारी गिरावट आएगी। उपरोक्त वार्ता राज्य सरकारों और संसद को विश्वास में लिए बिना की जा रही है जो अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों के क्रियान्वयन का आश्वासन भी नहीं देते। ज्ञापन में कहा गया कि चीन, कनाडा, मैक्सिको आदि देशों ने ट्रंप की टैरिफ के खिलाफ तीखा प्रतिरोध किया और अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एकजुट हुए, वहीं भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को त्यागने का विकल्प चुना है। उल्लेखनीय है कि कनाडा और मैक्सिको, जो अमेरिका को 70 प्रतिशत से अधिक निर्यात करते हैं, ने समय रहते माकूल जवाब दिया जबकि 18 प्रतिशत निर्यात करने वाला भारत अमेरिकी दबाव की राजनीति के खिलाफ ख?ा होने से इंकार कर रहा है। इस अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक मायाराम वर्मा, किसान सभा के जिला सचिव मायाराम वर्मा, मजदूर नेता अतीक अहमद, भाकियू नेता कमला प्रसाप्रकाश, भीम सिंह पटेल आदि नेता शामिल रहे।

### डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का अयोध्या भ्रमण कार्यक्रम आज

**स्वतंत्र भारत,अयोध्या।** प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का 22 अप्रैल को जनपद अयोध्या का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लगभग 12 बजे उपमुख्यमंत्री का आगमन होगा, जिसके पश्चात तारा जी रिजॉर्ट देवकाली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह में शामिल होंगे। तत्पश्चात सर्किट हाउस अयोध्या में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। तदोपरांत विकासशील एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया जायेगा और इसके बाद लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

# पिछली हार बराबर करने उतरेगी एलएसजी

**लखनऊ।** आईपीएल 2025 के 40वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मंगलवार, 22 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में होगा। लखनऊ और दिल्ली दोनों टीमों के अंक बराबर होने के कारण, यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है. यह इस सीजन में दूसरी बार है जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, इससे पहले खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने एक विकेट से जीत दर्ज की थी। ऋषभ पंत की अगुआई वाली टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आखिरी ओवर में रोमांचक जीत के बाद इस मैच में उतरेगी. ऐसा लग रहा था कि मैच ऋ की झोली में आ जाएगा, लेकिन आखिरी क्षणों में आवेश खान के शानदार 20वें ओवर की बदौलत मैच आरआर से छीन लिया गया। इंदौर के इस तेज गेंदबाज ने न केवल तीन विकेट चटकाए, बल्कि आखिरी छह गेंदों में नौ रन भी बचाए. उस जीत के साथ, एलएसजी 10 अंकों और 0.088 के सकारात्मक एनआरआर के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार चार जीत के साथ सीजन की शानदार शुरुआत करने के बाद हाल ही में अपने पिछले तीन मैचों में से दो में हार का सामना किया है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में, अक्षर पटेल की अगुवाई वाली टीम 203 रन बनाने के बावजूद इसका बचाव करने में विफल रही और उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सात मैचों में पांच जीत के साथ, डीसी ने आईपीएल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मजबूती से कब्जा कर रखा है।

इकाना क्रिकेट स्टेडियम को बल्लेबाज़ी के अनुकूल स्थल के रूप में जाना जाता है, टूर्नामेंट में कई अन्य स्टेडियमों की तरह. यहाँ औसत पहली पारी का स्कोर लगभग 165 है, लेकिन हाल के मैचों में, इस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। हालाँकि, इस सीज़न में गेंदबाज़ों को सतह से ज़्यादा मदद नहीं मिली है. टॉस जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाज़ी करने का विकल्प चुन सकता है। लखनऊ की पिच गेंदबाजों के लिए भी अनुकूल रही है, जहां कुछ मौकों पर इसने तेज गेंदबाजों की मदद की है, वहीं कई मौकों पर इसने स्पिनरों की मदद की है और कम स्कोरिंग मुकाबले दिखे हैं। आईपीएल में कैपिटल्स और सुपर जायंट्स का 6 बार आमना-सामना हुआ है. इन 6 मैचों में से डीसी ने 3 जीते हैं जबकि एलएसजी 3 मौकों पर विजयी रही है। अगर एलएसजी पहले बल्लेबाजी करती है, तो वे स्कोर का बचाव कर सकती है। भले ही डीसी बड़े स्कोर बना सकती है, लेकिन अगर वे पहले बल्लेबाजी करती हैं, तो उन्हें स्कोर का बचाव करना मुश्किल हो सकता है। **लखनऊ सुपर जायंट्स :** एडेन मार्कराम, मिशेल मार्श, निकोलस पूरन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/ कप्तान), डेविड मिलर, अब्दुल समद, रवि बिश्नोई, शार्दुल ठाकुर, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अवेश खान। इम्पैक्ट प्लेयर : आयुष बडोनी

**दिल्ली कैपिटल्स :** अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, मिशेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार इम्पैक्ट प्लेयर : समीर रिज़वी

# गुजरात टॉप पर कायम

## जीटी ने केकेआर को 39 रनों से दी पटखनी, गिल-सुदर्शन की धमाकेदार पारी

**नई दिल्ली।** शुभमन गिल और साई सुदर्शन के बेहतरीन पारी और फिर गुजरात के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस का जीत का कारवां जारी है। सोमवार को आईपीएल 2025 के 39वें मैच में जीटी ने कोलकाता नाइट राइडर्स को उसी के घर में 39 रनों से पटखनी दी। इस जीत से टाइटंस के आठ मैच में 12 अंक हो गए हैं और उसने अंक तालिका के शीर्ष पर दो अंक की बढ़त बना ली है। वहीं नाइट राइडर्स की टीम छह अंक के साथ सातवें स्थान पर है। टॉस गंवाकर गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए। जिसके जवाब में केकेआर निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 159 रन ही बना पाई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स ने पारी की पांचवीं गेंद पर ही रहमानुल्लाह गुरबाज (01) का विकेट गंवा दिया जिन्हें मोहम्मद सिराज ने द्दड्ढ2 किया। सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण (17) और कप्तान रहाणे ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। रहाणे ने सिराज और इशांत शर्मा पर चौका जड़ने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा पर भी दो चौके मारे। नारायण ने सिराज की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन राशिद खान की गेंद पर राहुल तेवतिया को कैच दे बैठे।

नाइट राइडर्स ने पावरप्ले में दो विकेट पर 45 रन बनाए। राशिद की अगुआई में गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर अंकुश लगाया जिससे नाइट राइडर्स की टीम 10 ओवर में दो विकेट पर 68 रन ही बना सकी। रहाणे ने वाशिंगटन सुंदर पर चौका और छक्का जड़कर रन गति बढ़ाने की कोशिश की लेकिन साई किशोर ने वेंकटेश अय्यर (14) को पवेलियन भेज दिया। रहाणे ने वाशिंगटन की गेंद पर एक रन के साथ 36 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया लेकिन एक गेंद बाद वाइड गेंद पर बटलर के हाथों स्टंप हो गए। उन्होंने 36 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। आंद्रे रसेल ने आते ही वाशिंगटन की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ 13 ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। नाइट राइडर्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 85 रन की जरूरत थी। राशिद ने रसेल (21) को बटलर के हाथों स्टंप कराके नाइट राइडर्स को बड़ा झटका दिया जबकि प्रसिद्ध ने रमनदीप सिंह (01) और मोईन अली (00) को पवेलियन भेजा। रघुवंशी ने 18वें ओवर में राशिद पर चौका जबकि रिंकू सिंह (17) ने छक्का जड़ा लेकिन इसके बावजूद नाइट राइडर्स को अंतिम दो ओवर में 60 रन की दरकार थी और टीम लक्ष्य से काफी दूर रही। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी के लिए गिल और सुदर्शन ने पावरप्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई।

# आरसीबी के खिलाफ मैच से भी बाहर रहेंगे संजू सैमसन

**नई दिल्ली।** राजस्थान रॉयल्स के नियमित कप्तान संजू सैमसन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले से भी बाहर रहेंगे। राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को इसकी पुष्टि कर दी है। सैमसन को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगी थी और वह तब से इससे उबर रहे हैं। सैमसन शनिवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ खेले गए मैच में भी नहीं खेल सके थे। राजस्थान के लिए चिंता की बात यह है कि फ्रेंचाइजी के मेडिकल स्टाफ ने सैमसन की वापसी कब तक होगी इसका जवाब नहीं दिया है। सैमसन की अनुपस्थिति में रियान पराग टीम की कमान संभालते रहेंगे। रियान ने टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में भी राजस्थान की कप्तानी की थी क्योंकि सैमसन सिर्फ पूर्ण बल्लेबाज के तौर पर खेल रहे थे और विकेटकीपिंग का जिम्मा नहीं संभाल रहे थे। सैमसन तीनों मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे और उन्होंने टीम के चौथे मैच से कप्तानी की थी। राजस्थान ने बयान जारी कर कहा, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन फिलहाल चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और वह राजस्थान रॉयल्स मेडिकल स्टाफ के साथ टीम के होम बेस पर ही रहेंगे। रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया के अंतर्गत वह आरसीबी के खिलाफ आगामी मैच के लिए बेंगलुरु नहीं जाएंगे। टीम प्रबंधन उनकी प्रगति पर बारीकी से नजर रख रहा है और उनकी वापसी के लिए मैच दर मैच का दृष्टिकोण अपनाएगा।

**जुरेल करेंगे विकेटकीपिंग**

सैमसन की अनुपस्थिति में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। अब तक खेले गए सात मैच में सैमसन ने एक अर्धशतक से 224 रन बनाए हैं। रियान के नेतृत्व में, रॉयल्स ने चार में से तीन मैच गंवाए और केवल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत हासिल की। राजस्थान रॉयल्स फिलहाल आठ मैच में छह हार के साथ अंक तालिका में आठवें नंबर पर है।

# साई सुदर्शन फिर ऑरेंज कैप पर कब्जा

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2025 की ऑरेंज कैप की दौड़ में आए दिन बदलाव हो रहा है। अब गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन एक बार फिर ऑरेंज कैप के हकदार बन गए हैं। उन्होंने केकेआर के खिलाफ मैच में 52 रन की पारी खेल ये मुकाम हासिल किया है। दरअसल, केकेआ बनाम गुजरात मैच से पहले सुदर्शन ने 365 रन बना लिए थे। केकेआर के खिलाफ मैच में 4 रन बनाते ही वो आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में निकोलस पूरन से आगे निकल गए थे। साई सुदर्शन ने कोलकाता के खिलाफ मैच में 36 गेंदों में 52 रन की पारी खेली, जिससे मौजूदा सीज में उनके कुल रन 417 हो गए हैं, वो इस मामले में निकोलस पूरन से 49 रन आगे निकल गए हैं। सुदर्शन ना केवल 52 के बेहतरीन औसत से बल्लेबाजी कर रहे हैं बल्कि उनका स्ट्राइक रेट भी 152 से ज्यादा है। सुदर्शन की लाजवाब फॉर्म का अंदाजा इसी बात सेलगाया जा सकता है कि वो अब तक 8 पारियों में पांच बार फिफ्टी लगा चुके हैं। इसके साथ ही साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में 400 रन का आकंड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मौजूदा समय में खेली 8 पारियों में सिर्फ एक मौके पर सुदर्शन 10 से कम के स्कोर पर आउट हुए थे। सुदर्शन की गजब की फॉर्म को देखते हुए साफ संकेत मिल रहा है कि वो अगले 2-3 मैचों में अपने आईपीएल 2024 के रनों की संख्या को पीछे छोड़ देंगे। बता दें कि, सुदर्शन ने पिछले सीजन 12 पारियों में 527 रन बनाए थे।

**अंक तालिका**

| टीम | मैच | जीते | हारे | रन रेट | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| गुजरात | 8 | 6 | 2 | +1.104 | 12 |
| दिल्ली | 7 | 5 | 2 | +0.589 | 10 |
| बंगलुरु | 8 | 5 | 3 | +0.472 | 10 |
| पंजाब | 8 | 5 | 3 | +0.177 | 10 |
| लखनऊ | 8 | 5 | 3 | +0.088 | 10 |
| मुंबई | 8 | 4 | 4 | +0.4 | 8 |
| कोलकाता | 8 | 3 | 5 | +0.212 | 6 |
| राजस्थान | 8 | 2 | 6 | -0.633 | 4 |
| हैदराबाद | 7 | 2 | 5 | -1.217 | 4 |
| चेन्नई | 8 | 2 | 6 | -1.392 | 4 |

# सेंसेक्स 855 अंक चढ़ा निफ्टी 24100 के पार पहुंचा

**नई दिल्ली।** अमेरिकी टैरिफ पर 90 दिन की पाबंदी के बाद बाजार का संभलना सोमवार को भी जारी रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजों के बाद बैंकिंग शेयरों में अच्छी तेजी दिखी। बैंकिंग शेयरों तेजी से निफ्टी बैंक अपने नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों और विदेशी पूंजी प्रवाह लौटने से बैंकिंग और आईटी शेयरों में भारी खरीदारी दिखी। इससे बेंचमार्क सेंसेक्स लगातार पांचवें दिन बढ़त के साथ 855 अंक उछलकर 79,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक या 1.09 प्रतिशत चढ़कर 79,408.50 अंक पर बंद हुआ। इसके 23 शेयर हरे निशान में बंद हुए। कारोबार के दौरान यह 1,081.85 अंक या 1.37 प्रतिशत चढ़कर 79,635.05 अंक पर पहुंच गया।

**नया आयाम :** कलर्स के आगामी ड्रामा 'मेरी भव्या लाइफ' ने दमदार कलाकारों की टीम बनाई है, और अब इसमें शामिल हुए हैं अनुभवी अभिनेता इक़बाल आज़ाद। वह शो में एक भावनात्मक और जटिल किरदार 'विनय सिंह' का रोल निभाएंगे, जो मुख्य किरदार भव्या के पिता हैं। यह परिपक्व सोच पर आधारित शो समाज में प्रचलित बॉडी इमेज, आत्म-मूल्य और स्वीकार्यता से जुड़ी धारणाओं को चुनौती देता है।

**व्यापार विस्तार :** कानपुर,डर्मीकूल, ईमामी लिमिटेड परिवार की ओर से भारत का प्रमुख प्रिक्ली हीट पाउडर घमौरियों के लिए डर्मोटोलॉजिस्ट द्वारा अनुमोदित एक समाधान है और इसमें नीम और तुलसी का डबल पावर है। इस साल की गर्मियों के लिए ब्राण्ड ने कानपुर में एक शानदार पहल की शुरुआत की है।कानपुर के श्याम नगर क्रॉसिंग में डर्मीकूल ओवरहेड ट्रैफिक सिग्नल शेड्स लगाए गए हैं।डर्मीकूल प्रिक्ली हीट टैल्क द्वारा भारत के 35 स्थानों पर यात्रियों के लिए।ओवरहेड ट्रैफिक सिग्नल शेड्स लगाया जाएगा।

# आईएसडब्ल्यूएआई ने एक्साइज़ नीतियां लागू करने के लिए राज्य सरकारों की सराहना की

**नई दिल्ली।** प्रीमियम एल्कॉलिक बेवरेज उद्योग की अधिकारिक संस्था, इंटरनेशनल स्पिरिट्स एण्ड वाईन्स एसोसिएशन आफ इंडिया ने आज प्रगतिशील एक्साइज़ नीतियां लागू करने के लिए राज्य सरकारों की सराहना की। जिसका उद्देश्य रीटेल फोर्मेट को आधुनिक बनाना, राजस्व बढ़ाना तथा उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है।

उत्तर प्रदेश के कम्पोज़िट रीटेल फोर्मेट से लेकर आन्ध्र प्रदेश के निजीकृत मॉडल, राजस्थान के प्रीमियम मॉल-आधारित स्टोर्स, मध्य प्रदेश के सिंगल-बॉटल बिलिंग सिस्टम और हरियाणा, तेलंगाना, कर्नाटक एवं उड़ीसा के प्रीमियम ओनली रीटेल फोर्मेट्स तक ये प्रगतिशील नीतियां देश भर में एल्कॉहल रीटेल इकोसिस्टम के संचालन को नया आयाम दे रही हैं। इस सकारात्मक बदलाव का स्वागत करते हुए संजीत पाधी, सीईओ, इंटरनेशनल स्पिरिट्स एण्ड वाईन्स एसोसिएशन आफ इंडिया ने कहा, ''भारत के विभिन्न राज्यों में किए गए सुधार एल्कोबेव सेक्टर की अवधारणा एवं प्रबन्धन में हो रहे आदर्श बदलावों का संकेत हैं।

**हायर :** हायर अप्लायंसेज़ इंडिया ने एयर कंडीशनर की बहुप्रतीक्षित ग्रेविटी सीरीज़ का अनावरण किया है। फ़ैब्रिक फ़िनिश वाले भारत के एकमात्र एआई क्लाइमेट कंट्रोल एयर कंडीशनर के रूप में, ये फ़ैब्रिक फ़िनिश वाले अभिनव एसी इंटेलिजेंट कूलिंग तकनीक को सहजता से एकीकृत करते हैं, जो आधुनिक घरों की जलवायु समाधानों के लिए नए मानक स्थापित करते हैं। हायर अप्लायंसेज़ इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने कहा, हायर इंडिया में, हम ऐसे उत्पाद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# एक लाख रुपये की दहलीज पर पहुंचा सोना, चांदी स्थिर

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव सोमवार को 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार को इसका भाव 20 रुपये घटकर 98,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

स्थानीय बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,600 रुपए उछलकर 99,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह मामूली गिरावट के साथ 97,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी का भाव 98000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर।

इस वर्ष अब तक पीली धातु की कीमतें पिछले वर्ष 31 दिसंबर से 20,850 रुपये या 26.41 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम बढ़ चुकी हैं। चांदी की कीमत भी 500 रुपये बढ़कर 98,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। शुक्रवार को चांदी की कीमत 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

**पोर्टफोलियो पहल :** मोटोरोला ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित एज 60 सीरीज़ में सबसे क्रिएटिव और एआई-संचालित नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 60 स्टाइलस को लॉन्च किया है। यह अपनी श्रेणी का पहला स्मार्टफोन है जिसमें इनबिल्ट स्टायलस दिया गया है। यह उन क्रिएटर्स, मल्टीटास्कर्स और विचारकों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो चलते-फिरते सटीकता, नियंत्रण और उत्पादकता की तलाश करते हैं। मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक, टी.एम. नरसिम्हन ने कहा, मोटोरोला में, हम नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाने और ऐसी तकनीक प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# भारतीय अर्थव्यवस्था में आईएमएफ और विश्व बैंक वैश्विक व्यापार के इंजन

**नई दिल्ली।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मौजूदा सरकार द्वारा प्रदान की गई स्थिरता के कारण %भारत' सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है।

अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, जब हम कहते हैं कि भारत एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है तो इस तथ्य को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) भी स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि अपनी विकास क्षमता के कारण भारत विश्व व्यापार को बढ़ाने वाले एक इंजन के रूप में काम कर सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि इस क्षमता के विकास के साथ हम वैश्विक स्तर पर विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण देखे जा रहे ट्रेंड को बदल सकते हैं। मौजूदा ट्रेंड में ग्रोथ और ट्रेड दोनों ही कम हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर मुद्रास्फीति अधिक है, जिसकी वजह से लोग सोच रहे हैं कि भविष्य में मंदी आने वाली है। उन्होंने आगे कहा, अगर इन मौजूदा परिस्थितियों में भी भारत की क्षमता को पहचाना जा रहा है और इसकी आर्थिक ताकत को स्वीकारा जा रहा है तो इस क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले लोग भारत के साथ व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से, कॉरपोरेशन टू कॉरपोरेशन की साझेदारी से लाभ पा सकते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की साझेदारी से दोनों ही देशों को लाभ मिलता है।

अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, साथ मिलकर, हम वैश्विक व्यापार और विकास को आगे बढ़ाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा योगदान है जो यहां रहने वाले भारतीय प्रवासी दे सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय प्रवासियों से अपील की कि वे अधिक रुचि लें और अपने चुने हुए क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करें। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के कदमों पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, कोविड-19 महामारी के दौरान, हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया था। लेकिन 2021 में, हम एक स्पष्ट संकेत के साथ आए कि हम अपने राजकोषीय घाटे का प्रबंधन किस तरह करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम हर साल बिना किसी चूक के इसका पालन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का प्राथमिक ध्यान 2047 तक विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इस दृष्टिकोण में महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों को प्रभावित करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में सुधार शामिल हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं। सैन फ्रांसिस्को पहुंचने पर उनका स्वागत भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने किया।

अपने विजिट के दौरान वित्त मंत्री स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में मुख्य भाषण देंगी और सैन फ्रांसिस्को में निवेश और तकनीकी प्रगति पर सीईओ के साथ चर्चा करेंगी। इस यात्रा में उनका प्रवासी कार्यक्रमों में भाग लेना भी शामिल होगा, जिससे भारत की वैश्विक सांस्कृतिक उपस्थिति बढ़ेगी। वाशिंगटन डीसी में, वित्त मंत्री सीतारमण आईएमएफ और विश्व बैंक स्प्रिंग मीटिंग्स और जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर्स की बैठकों में भाग लेंगी। वह अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब और अन्य देशों के समकक्षों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगी। अपनी अमेरिकी यात्रा पूरी करने के बाद, वित्त मंत्री 26 से 30 अप्रैल तक पेरू की यात्रा पर जाएंगी।

# भारत में जल्द आ सकती है स्टारलिंक इंटरनेट सेवा

**नई दिल्ली।** भारत में स्टारलिंक द्वारा सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा लॉन्च किए जाने की चर्चाएं पिछले कई महीनों से चल रही हैं, लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि देश में हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट कनेक्टिविटी का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। हाल ही में स्टारलिंक के कई बड़े प्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। इस मुलाकात के बाद से भारत में स्टारलिंक की एंट्री को लेकर कयास तेज हो गए हैं। स्टारलिंक की सैटेलाइट बेस्ड इंटरनेट कनेक्टिविटी का एक बड़ा फायदा यह होगा कि यह उन क्षेत्रों में भी आसानी से इंटरनेट उपलब्ध करा सकती है जहां पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क के टावर या केबल ब्रॉडबैंड की सुविधा नहीं है। इससे देश के दूरदराज और दुर्गम इलाकों में भी डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाई जा सकेगी।

हालांकि, भारत में स्टारलिंक कनेक्शन लेने के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी और इसका मासिक खर्च कितना होगा, इसकी फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी कंपनी या सरकार की तरफ से नहीं दी गई है। लेकिन कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो भारत में इसकी मासिक कीमत करीब 9,000 रुपये से लेकर 10,500 रुपये तक की हो सकती है। यह कीमत फिलहाल अमेरिका जैसे देशों में ली जाने वाली फीस के बराबर है। अगर भारत में इसी कीमत में इसे लॉन्च किया जाता है, तो यह आम नागरिकों के बड़े वर्ग की पहुंच से दूर हो सकता है।

**नवीन पेशकश :** अक्षय कुमार की केसरी चैप्टर 2 सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है - यह सिनेमा हॉल में देशभक्ति के जश्न की लहर बन गई है। फ़िल्म की रिलीज़ के बाद से ही दर्शक भावनात्मक और प्रभावशाली दृश्यों के दौरान तालियाँ, सीटियाँ और ÷भारत माता की जय÷ के नारे लगा रहे हैं।करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ आर माधवन और अनन्या पांडे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

**स्पैम अलर्ट :** एयरटेल अब ग्राहकों को कॉल और संदेश के लिए स्पैम अलर्ट उनकी मनचाही भारतीय भाषाओं में मिलेगा। यह नई सुविधा प्रारंभ में दस क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगी और भविष्य में अन्य भाषाओं को भी जोड़ा जाएगा। एयरटेल का एआई आधारित टूल अब अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कों से आने वाली सभी स्पैम कॉलों और संदेशों की पहचान कर उपभोक्ताओं को अलर्ट करेगा।सिद्धार्थ शर्मा, निदेशक मार्केटिंग एवं सीईओ कनेक्टेड होम्स, भारती एयरटेल ने कहा÷हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें ग्राहक और उनकी प्रतिक्रिया केंद्र में होती है।

# अब ईडी का गुस्सा चुनाव आयोग पर निकाल रहे हैं राहुल!

## भाजपा का आरोप : 'ईडी द्वारा भ्रष्टाचार के मास्टर प्लान का खुलासा कर दिए जाने से बौखला गए हैं राहुल'

**नई दिल्ली, ब्यूरो।** दो दिवसीय अमेरिका दौरे पर गए लोकसभा में विपक्ष के नेता व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बोस्टन में ब्राउन यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ बातचीत में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मसले पर अपनी बात रखते हुए चुनाव आयोग की भूमिका और मंशा पर उंगली उठाकर देश की आंतरिक राजनीति में खलबली मचा दी है। हालांकि अपने विदेश दौरे में राहुल भारतीय राजनीति को लेकर अक्सर विवादास्पद बयान देते रहे हैं जिसकी राजनीतिक लाभ के लिए विदेशी धरती पर जाकर भारत को नीचा दिखाने और भारत सरकार को शर्मसार करने का नाम देकर विरोधियों द्वारा तीखी आलोचना भी की जाती रही है। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक बार फिर राहुल ने भारत की चुनाव प्रक्रिया को लेकर अमेरिका की धरती से विवादास्पद बातें करते हुए चुनाव आयोग को निशाने पर लिया है जिसको लेकर इस बार भी उनकी रणनीति, मंशा और मानसिकता को लेकर तीखी बातें कही जा रही हैं। खास तौर से सत्तारूढ़ भाजपा का कहना है कि ऐसी बातें करके वह नेशनल हेराल्ड घोटाले में अदालत में दायर किए गए आरोप पत्र को लेकर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के प्रति पनपे आक्रोश का नजला चुनाव आयोग पर गिरा रहे हैं। भाजपा की मानें तो नेशनल हेराल्ड का पूरा मामला 'ओपन एंड शट' केस है जिसकी सजा से बचने का कोई विकल्प ही नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. संबित पात्रा ने चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में 'कॉम्प्रोमाइज' करने के राहुल गांधी के आरोपों पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि राहुल ईडी के गुस्से को चुनाव आयोग पर निकाल रहे हैं जिससे कुछ नहीं होने वाला है। ईडी इनको छोड़ेगी नहीं क्योंकि एजेंसियां तथ्य के आधार पर काम करती हैं। संबित की मानें तो नेशनल हेराल्ड का पूरा मामला एक ओपन एंड शट केस है जिसमें मां-बेटे ने लूट मचाई है जिसमें ये दोनों पकड़े जाएंगे और दोनों जेल जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के फंड से 50 लाख रुपये देकर नेशनल हेराल्ड की 5,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कब्जा करने का 'भ्रष्टाचार का मास्टरप्लान' बनाया गया था जिसका ईडी ने खुलासा कर दिया है और अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर राहुल और उनकी मां को मुख्य आरोपी के तौर पर नामित कर दिया है जिससे ना सिर्फ राहुल बल्कि पूरी कांग्रेस बौखला गई है। अमेरिका में राहुल द्वारा चुनाव आयोग को कॉम्प्रोमाइज्ड बताए जाने को संबित ने भारत के महान लोकतंत्र का अपमान करार देते हुए कहा है कि अगर उनसे हिंदुस्तान में राजनीति नहीं हो रही तो उन्हें किसी और देश से चुनाव लड़ना चाहिए। संबित ने ऐसे समय में राहुल द्वारा भारत की संवैधानिक संस्था के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी किए जाने को निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति भारत दौरे पर आए हुए हैं।

# आगजनी से तीन घर जले, गृहस्थी का सामान जलकर राख

**हलिया (मिर्जापुर)।** स्थानीय थाना क्षेत्र के भटवारी मुसहर बस्ती में सोमवार कि दोपहर तीन घरों में आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आगजनी कि घटना से तीनों घरों में रखा खाद्य सामग्री व गृहस्थी का सामान व दस हजार रूपये ये जलकर राख हो गया। मौके पर पहुँचे ग्राम प्रधान ने पीड़ितों को आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया है भटवारी गांव के मुसहर बस्ती निवासी नंद गोपल के कच्चे मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आग बगल के उनके भाई रामगोपाल व तिवारी के मकान तक पहुँच गई आग विकराल रूप धारण कर लिया। शोर मचाने पर मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन तक आग से तीनों भाइयो के घरों में रखा खाद्यान सामग्री व गृहस्थी का सामान व दस हजार रूपये नगद जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुँचे ग्राम प्रधान भटवारी राजेश कुमार ने आगजनी कि घटना से हुई क्षति के क्षतिपूर्ति दिलाने का आश्वासन दिया है। आगजनी कि घटना से तीनों लोगो के घर जल जाने से खुले आसमान के नीचे रहने के लिए विवश हो गए है। इस संबंध में ग्राम प्रधान भटवारी राजेश कुमार ने बताया की आगजनी कि घटना से तीन भाइयों का मकान जल गया है। आगजनी कि घटना से खाद्यान सामग्री व गृहस्थी व दस हजार रूपये जलकर राख हो गया है। मौके पर पहुंचकर आर्थिक आश्वासन दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

# ट्रेन की चपेट में आने से सिपाही समेत तीन की मौत, अलग-अलग स्थान पर हुये हादसा

**मिर्जापुर।** जिले के विंध्याचल और चुनार थाना क्षेत्र में अलग- अलग स्थानों पर हादसा हुआ और तीन की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार विंध्याचल के सगरा डाउन लाइन पर महानगरी से उतरते समय चपेट में सिपाही आया और चुनार के डगमगपुर के पास यात्री और मिर्जापुर स्टेशन पर 38 वर्षीय अज्ञात की मौत हो गई। वीआईपी ड्यूटी के लिए ट्रेन से विंध्याचल आ रहा सिपाही सगरा डाउन लाइन के पास सोमवार की दोपहर महानगरी ट्रेन से गिरकर चपेट में आने से कट गया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस परिजनों को सूचना देकर जांच पड़ताल में जुटी है। इसके अलावा रविवार की देर रात डगमगपुर के पास संघमित्रा ट्रेन से गिरकर कटने से मौत हा गई। सोमवार की सुबह रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के प्लेटफार्म नंबर दो पर डाउन लाइन पर सियालदह सुपरफास्ट एक्सप्रेस के सामने कूदने से अज्ञात की कटकर मौत हो गई। गाजीपुर के सिहावल थाना क्षेत्र के जोरजपुर गांव निवास दीपक कुमार सिंह (39) नरायनपुर पुलिस चौकी पर हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य के विंध्याचल आगमन पर दीपक की वीआईपी ड्यूट अमरावती चौराहे पर लगाई गई थी। वह महानगरी ट्रेन से विंध्याचल आ रहे थे। दोपहर 11 बजे के करीब विंध्याचल के पश्चिमी छोर डाउन लाइन पर सगरा गांव के पास ट्रेन से नीचे गिरकर चपेट में आ गए। हादसे में सिपाही की मौके पर ही मौत हो गई। स्टेशन अधीक्षक इरफान सिद्दीकी की सूचना पर जीआरपी प्रभारी सुनील गौड़ मौके पर पहुंचे।

जीआरपी सीमा से बाहर होने पर विंध्याचल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सूचना परिजनों को दी। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि विंध्याचल ड्यूटी पर आ रहे सिपाही की पैर फिसलने पर ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

# महिला से मारपीट करने वाले चार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

**हलिया (मिर्जापुर)।** स्थानीय थाना क्षेत्र के झगरहा गांव निवासी सरोज पत्नी फूलचंद धरकार ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर गांव निवासी चार लोगो के विरुद्ध गाली गलौज मारपीट जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेज दिया है। दिए गए तहरीर में बताया है की सरजू, नघू, छोटक, लल्लू निवासी झगरहा रविवार को 8 बजे रात तेरही में कहासूनी करने लगे मना करने पर मुझे व बहु निशा व बेटी रंजना को लाठी डंडे से मारने लगे जिससे हम सभी को चोटे आई है। गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दिए है। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेज दिया।जहां पर चिकित्सक द्वारा उपचार किया गया है इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया की महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

# लालगंज सीएचसी में शुरू हुई डिजिटल एक्सरे सेवा

**हलिया (मिर्जापुर)।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लालगंज में रविवार को डिजिटल एक्सरे सेवा शुरू हो गई। अब क्षेत्र के मरीजों को मिर्जापुर और प्रयागराज नहीं जाना पड़ेगा।लालगंज सीएचसी में रोज ढाई सौ से तीन सौ मरीज ओपीडी में आते हैं। लालगंज इलाके के साथ प्रयागराज के कोरांव और मध्य प्रदेश के हनुमना तक से मरीज यहां इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं। पिछले दिनों यहां निरीक्षण करने आई केंद्र सरकार की टीम ने डिजिटल एक्सरे की सुविधा की जरूरत बताई थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पताल को डिजिटल एक्सरे मशीन उपलब्ध कराई गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि डिजिटल एक्सरे की सुविधा शुरू कर दी गई है।

# गैस चूल्हे के पाइप में लगी आग, रसोइया झुलसी

**चुनार(मिर्जापुर)।** कोतवाली क्षेत्र के लरछुट ग्रामसभा स्थित प्राथमिक विद्यालय पर सोमवार सुबह एमडीएम बनाते समय गैस चूल्हे से निकली पाइप से लगी आग गई। मध्यान्ह भोजन बना रही रसोईयां झुलस गई। स्कूल के पास में मौजूद संविदा विद्युत कर्मी कमल किशोर पांडेय ने अपनी जान की परवाह न करतेहुए बगल में रखा भस्सी बाल्टी में लेकर जलते हुए गैस के आग पर फेंक कर आग को बुझाया। झुलसी रसोइया का प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र मगरहा में उपचार कराया गया। रोज की तरह रसोइया कृष्णावती गैस चूल्हे पर साढ़े दस बजे एमडीएम बना रहीं थी। इसी बीच चूल्हे से लगी पाइप में किसी तरह आग लग गई। जब तकरसोइया संभलती तब उसके हाथ, पैर झूलस गया। किचन में आग लगनेकी जानकारी होते ही फौरन बिजली आपूर्ति कटवाया गया। सूचना मिलतेही घटना स्थल पर पहुंचेसंविदा लाइनमैन नेबगल में रखे भस्सी डाल कर रसोइया की जान बचाई।

# अधिवक्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

**मड़ियाहूं जौनपुर।** सोमवार को तहसील परिसर में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्यमणि यादव व महामंत्री देवेंद्र कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया ।अधिवक्ताओं का आरोप था कि सुरेरी थाना क्षेत्र के नोनरा गांव निवासी अधिवक्ता संदीप दुबे पुत्र विंध्यवासिनी दुबे को रविवार रात 10ः00 बजे के लगभग एक वैवाहिक समारोह में उन्हें गोली मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए ।अधिवक्ताओं का आरोप था कि सुरेरी पुलिस मुकदमा पंजीकृत नहीं कर रही है। अधिवक्ताओं ने सबसे पहले उप जिला अधिकारी व सी ओ कार्यालय पहुंचे जहां पर दोनों अधिकारी नहीं थे। इसके बाद अधिवक्ता तहसीलदार कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी करने लगे ।तहसीलदार ने थाना अध्यक्ष सुरेरी को फोन कर मुकदमा पंजीकृत करने का निर्देश दिया।

# युवाओं के लिए हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान का अधूरा सपना

**हलिया (मिर्जापुर)।** जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में युवाओं के लिए खेल का मैदान बनाने की योजना पूरी नहीं हो पा रही है। सभी 12 विकास खंडों में पांच-पांच खेल मैदान बनाने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत जिले की 85 ग्राम पंचायतों को खेल मैदान के लिए चिह्नित किया गया था। इसमें से अभी तक सिर्फ19 गांवों में खेल मैदान बन पाए हैं। मझवां ब्लॉक के आही गांव में 30 लाख रुपये से बने खेल मैदान में सफाई नहीं है। शौचालय, पेयजल, बैठने के लिए बेंच, आदि की व्यवस्था नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे युवाओं को वर्जिश करते समय अथवा खेलते समय समस्या होती है।हलिया विकास खंड में मनरेगा योजना के तहत मटिहरा, नदौली पटेहरा, बेलाही, गौरवा व हथेड़ा सहित पांच ग्राम पंचायतों में खेल का मैदान बना है लेकिन खेल मैदान का कार्य पूरा नहीं है। आधा अधूरा कार्य कराने के बाद धन का बंदर बाट कर लिया गया है। 22 लाख से मटिहरा, नदौली पटेहरा, बेलाही और गौरवा में 10 लाख के बजट से खेल का मैदान बनवाया गया है। इसी प्रकार छानबे ब्लॉक के कलना गहरवार में खेल का मैदान बना है। यहां ओपन जिम की भी व्यवस्था है।

# असंतुलित बाइक सवार गिरकर घायल

**हलिया (मिर्जापुर)।** स्थानीय थाना क्षेत्र के सोठिया कला अदवा नदी पर सोमवार को दो बजे दिन थाना क्षेत्र के कोटार गाँव निवासी एक युवक बाइक से सोठिया गाँव की तरफ किसी कार्य से जा रहे थे कि रास्ते में असंतुलित हो कर सडक पर गिर कर घायल हो गये। ग्रामीणों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहाँ चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। हलिया थाना क्षेत्र के कोटार गाँव निवासी 28 वर्षीय आलोक सिंह किसी कार्य से सोठिया गाँव की तरफ जा रहे थे कि सोठिया कला अदवा नदी के पास रास्ते में असंतुलित हो कर बाइक से सडक पर गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गये। मौके पर पहुचे कोटार गाँव निवासी वीरेंद्र सिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद पैर में गम्भीर चोट देखते हुए मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया है।सूचना मिलने पर मौके पर पहुँचे ग्राम प्रधान कोटार विनोद सिंह व अंकित सिंह व सोठिया कला गांव निवासी सोनल सिंह ने सरस्वती हॉस्पिटल में लाकर एक्सरे कराया पैर फैक्चर हो गया है।

# बारात देखने जा रहा वृद्ध अंधेरे में कुएं में गिरा, गंभीर

**राजगढ़ (मिर्जापुर)।** थाना क्षेत्र के रामपुर बरहो गांव में रविवार की रात लगभग 10 बजे सूखे कुएं में गिरने से वृद्ध गम्भीर रूप से घायल हो गया। मौके पर इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने घायल वृद्ध को कुएं से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक जिला अस्पताल सोनभद्र रेफर कर दिए। रामपुर बरहो गांव निवासी 70 वर्षीय घमंडी पाल के घर सेकुछ दूर सुभाष के लड़की की शादी थी। रविवार की रात बारात आई थी। रात लगभग दस बजे अपने घर से घमंडी पाल बारात देखने के लिए खेत के रास्ते सुभाष के घर जा रहेथे। रात के अंधेरे में खेत में स्थित कुआ दिखाई नहीं पाए और कुए मेंगिर गए। सूखे कुंए में गिरने से गंभीर रूप से जख्मी हो गए। कुंए के अंदर से शोर मचाना शुरू किया। वृद्ध की करुण पुकार कुएं केपास सेगुजर रही कुछ महिलाओं को कुएं के अंदर आवाज सुनी। आवाज सुनते ही महिलाओं नेकुएं के अंदर टॉर्च जलाकर देखा तो कुएं के अंदर घायल अवस्था में पड़ा वृद्ध सहायता के लिए पुकार रहा था। महिलाओं ने कुएं मेंकिसी के गिरनेकी खबर ग्रामीणों को दी। कुएं में किसी के गिरनेकी खबर लगते ही ग्रामीण घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े और रस्सी के सहारे कुंए में उतरकर किसी तरह घमंडी को कुएं से बाहर निकाल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉ. महेंद्र चौधरी ने घायल वृद्ध को जिला अस्पताल सोनभद्र रेफर कर दिया।

# थाना प्रभारी ने दो गुम हुए मोबाइल मालिकों को सौंपे

**स्वतंत्र भारत मधुबन।** मधुबन थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी ने 2 गुम हुए मोबाइल को जब्त कर उनके असली मालिकों को सोमवार को सौंप दिया है। इससे मोबाइल धारक के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। मोबाइल पाकर धारकों ने पुलिस को धन्यवाद दिया। मोबाइल पाकर धारकों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए दोनों मोबाइलों की कुल कीमत करीब 20000 रूपये है। मोबाइल पाने के बाद धारकों ने बताया कि वे मोबाइल मिलने की आस छोड़ चुके थे। लेकिन पुलिस की मदद से उन्हें दोबारा उनका मोबाइल मिला है। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अपराध की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। आए दिन मोबाइल फोन गुम होने, छिनतई व मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आती है।

# शव को सड़क पर रखकर किन्नरों ने किया चक्का जाम

**मुंगराबादशाहपुर जौनपुर।** सोमवार की सुबह दुर्घटना में हुई किन्नर के शव को थाने के सामने सड़क पर रखकर किन्नरों ने चक्का जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किन्नरों का उग्र रूप देखकर पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। शनिवार की शाम को थाना क्षेत्र के सरायरूस्तम गांव निवासी अंजली किन्नर (30) आर्टिका गाड़ी से ड्राइवर कोदहूं निवासी अंबुज मौर्या के साथ प्रयागराज गई थी रविवार की सुबह लौटते समय पांडेयपुर गांव के पास आर्टिका गाड़ी खाई में चली गई।हादसे में किन्नर अंजली की मौत हो गई जबकि ड्राइवर अंबुज को गम्भीर हालत में वाराणसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मौत को लेकर रविवार की शाम हत्या करने का मुकदमा दर्ज किए जाने हेतु किन्नरों ने मुंगराबादशाहपुर थाना मे जमकर हंगामा किया था। सोमवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद अंजली का शव घर पहुंचते ही किन्नरों में आक्रोश फैल गया और शव को लेकर थाने पहुंच गए और शव को सड़क पर रखकर किन्नरों ने चक्का जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। किन्नरों के आक्रोश को देखकर पुलिस के पसीने छूट गए।किन्नरों के चक्का जाम के कारण के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। किन्नरों को समझाने के लिए पुलिस प्रशासन को पसीने बहाने पड़े। किन्नरों की बढ़ती संख्या एवं विरोध को देखते हुए पुलिस की सांस अटक गई । किन्नरों का आरोप है कि गाड़ी के ड्राइवर व उसके चार पांच साथियों द्वारा किन्नर अंजली का गैंग रेप किया गया फिर हत्या कर दी गई है।इस बाबत थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर चालक अंबुज मौर्या व उसके पांच अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी ड्राइवर अंबुज मौर्या को वाराणसी के अस्पताल में पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है।

# क्षेत्र में अमन चैन कायम रखने के लिए किया फ्लैग मार्च

**स्वतंत्र भारत मऊ।**मोहम्मदाबाद गोहना क्षेत्र में अमन चैन कायम रहे प्रत्येक व्यक्ति अस्वस्थ रहे जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक इलमारन जी ने सोमवार संध्या कोतवाली से मुख्य मार्ग पर कैलेंडर तिराहा शाहिद चौराहा आदि स्थानों पर फ्लैग मार्च किया फ्लैग मार्च के दौरान व्यापारियों दुकानदारों को स्वस्थ किया कि आप लोग नियमों का पालन करें प्रत्येक दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगे सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन तथा पुलिस सदैव आपके साथ है फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस उपाधीक्षक शीतला प्रसाद पांडे कोतवाल रविंद्र नाथ राय चौकी प्रभारी कस्बा लाल साहब गौतम उपनिरीक्षक खैराबाद जसवंत सिंह आदर्श दुबे उप निरीक्षक वलीदपुरा रोड सिंह वैभव कुमार पांडे सुरजीत सिंह अनिल सिंह महिला उप निरीक्षक माधुरी सागर प्रतिभा गुप्ता समेत महिला कांस्टेबल आदि पुलिसकर्मी फ्लैग मार्च के दौरान साथ रहे ।

# दस हजार से अधिक भक्तों ने किया मां शीतला के दर्शन

**मीरजापुर।** हलिया विकास खंड के सुप्रसिद्ध स्थल गड़बड़ा धाम में सोमवार को वैशाख कृष्ण पक्ष अष्टमी के पर्व पर लगभग दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला का दर्शन-पूजन किए। गड़बड़ा धाम मेला क्षेत्र की गलियां श्रद्धालुओं से पटी रहीं। जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। सेवटी नदी घाटों पर स्नान के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। गड़बड़ा धाम क्षेत्र में सेवटी नदी में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु माला फूल नारियल चुनरी प्रसाद लेकर मंदिर की तरफ जाने वाली कतार में खड़े हो गए। मां के जय-जयकार से देवी धाम की सभी गलियां गुंजायमान रहीं। भोर में मां की भव्य मंगला आरती के पूर्व से ही धाम की गलियों में नर, नारी और बच्चों की लंबी लाइन लग गई थीं। मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालु मां के दिव्य स्वरूप की झलक पाने के लिए उत्साहित नजर आए। देवी धाम पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने मां के भव्य स्वरूप के दर्शन किए। घर परिवार में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। देवी धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की लापरवाही दिखी। मंदिर पुजारी रामाश्रय मिश्रा व मंगलधारी मिश्रा ने बताया कि भोर मंगला आरती की पश्चात से ही मंदिर का पट खोल दिया गया था तब से अनवरत श्रद्धालुओं का ताता मंदिर परिसर में लगा रहा।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

# सरकारी लाभ पाने के लिए टीकाकरण कार्ड सर्टिफिकेट होगा आवश्यक : जिलाधिकारी

**स्वतंत्र भारत मऊ।** जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने समस्त जनपद वासियों से अपील किया है कि आपके बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहे इसके लिए यह जरूरी है कि उनको समय समय पर 0 से 5 वर्ष के बीच लगने वाले सभी टीके समय से लगे। भारत सरकार द्वारा संचालित नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 12 अतिगंभीर और जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिए 11 प्रकार के टीके लगाये जाते हैं। ये टीके पुरे जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार और शनिवार को अलग.अलग क्षेत्रो में एक कार्ययोजना के तहत लगाया जाता हैं। शहरी क्षेत्र मऊ में जिला महिला चिकित्सालय में प्रतिदिन टीकाकरण किया जाता हैं। इसी प्रकार से जिला चिकित्सालय पुरूष, अर्बन पी0एच0सी0 डोमनपुरा हनुमान नगर भरहु का पुरा भदेसरा और छोटी महरनिया में भी मंगलवार से रविवार तक प्रतिदिन सोमवार को छोड़ कर लगाया जाता हैं। एक बच्चे को 5 साल की उम्र तक सात बार (जन्म के समय 1.5 माह पर, 2.5 माह पर, 3.5 माह पर, 9-12 माह पर, 16 से 24 माह पर और आखिरी बार पांचवे साल पर) टीकाकरण कराने हेतु स्वास्थ्य केन्द्र या ए.एन.एम. बहन जी के पास जाना पड़ता हैं। ये टीके पूरी तरह सुरक्षित और असरदार हैं। ये सभी टीके पूर्ण रूप से निशुल्क लगाये जाते हैं। मऊ जनपद में कुछ परिवारों में विभिन्न भ्रांतियो के कारण अपने बच्चो का टीकाकरण नही कराया जा रहा है जो काफी खेद का विषय है। टीकाकरण के कारण ही पूरा भारत पोलियो और टिटनेस जैसी खतरनाक बीमारी से आज मुक्त है। पिछले कुछ महीनों से जनपद में खसरा और डिप्थीरिया (गला घोटू) के मरीज मिल रहे है और कुछ बच्चो की इसके कारण आकाल मृत्यु भी हो चुकी हैं। अधिकतर डिप्थीरिया;गला घोटूद्ध से मरने वाले अथवा संक्रमित होने वाले बच्चे 5 साल से 10 साल की उम्र के बीच के है जिनका बचपन में या तो टीकाकरण हुआ ही नही था या आधा अधुरा हुआ था। इन बीमारियों से बचाव हेतु टीकाकरण ही एक मात्र उपाय हैं। इसलिए यह जरुरी है की सभी बच्चो का पूरा टीकाकरण कराया जाये । भविष्य में बच्चो की पढाई और नौकरी पाने में या अन्य सरकारी लाभ पाने के लिए उसका टीकाकरण कार्ड/ सर्टिफिकेट उसके पास होना आवश्यक होगा। इसलिए सभी जनपदवाशियों से अपील है कि अपने बच्चो के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुये अपनी जिम्मेदारी निभाते हुये उनका सम्पूर्ण टीकाकरण करवाये।

# उसिया यूनियन बैंक की सेवाएं तीन दिन से बाधित, लेनदेन ठप

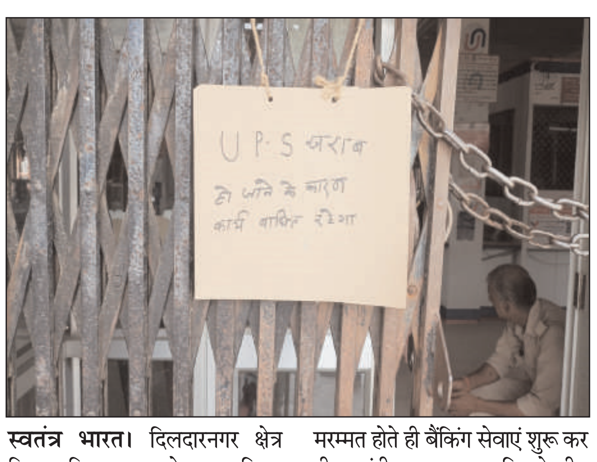


**स्वतंत्र भारत।** दिलदारनगर क्षेत्र स्थित उसिया महना मोड़ पर यूनियन बैंक की सेवाएं तीन दिनों से बाधित हैं। यूपीएस खराब होने के कारण बैंक में कोई भी लेनदेन नहीं हो पा रहा है। शनिवार शाम को यूपीएस खराब हुआ। रविवार को अवकाश था। सोमवार को भी मैकेनिक नहीं पहुंचा। शाखा प्रबंधक सुनील कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत करा दिया गया है। यूपीएस की मरम्मत होते ही बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। खाताधारक पिछले तीन दिनों से बैंक के चक्कर काट रहे हैं। बैंककर्मी ग्राहकों का कोई भी काम करने में असमर्थ हैं। इस गर्मी में पेयजल की समस्या ने ग्राहकों की परेशानी और बढ़ा दी है। बैंक परिसर में मौजूद हैंडपंप से दूषित पानी निकलता है। ग्राहकों को बाहर की दुकानों से महंगे दामों पर पानी की बोतलें खरीदनी पड़ रही हैं।

# अपर आयुक्त मंडल वाराणसी ने ज़मानिया तहसील का निरीक्षण किया

**स्वतंत्र भारत जमानिया (गाजीपुर)** स्थानीय तहसील में पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार अपर आयुक्त मंडल वाराणसी राकेश कुमार गुप्ता ने सोमवार की दोपहर करीब 12.30 बजे तहसील का निरीक्षण किया और राजस्वकर्मियों को निर्देशित किया। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपजिलाधिकारी कार्यालय में बैठकर काफी देर तक विभिन्न पटल के फाइलों की जांच पड़ताल की। इसके बाद उन्होंने अभिलेख भवन में सुरक्षित रखे गए दस्तावेजों के रख रखाव की जानकारी लेकर संबंधित को निर्देशित किया। तत्पश्चात उपजिलाधिकारी न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय, तहसील सभागार, निर्वाचन कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने सभागार में दोपहर 3 बजे लेखपाल, कानूनगो सहित अन्य राजस्वकर्मियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू होने से कर्मियों और जनता का बहुत से काम आसान हो गया है। ऐसे में लेखपाल को कोई गलतफहमी नहीं होना चाहिए कि मैं सर्वे सर्वा हूं, जिसका चाहें आय, जाती, निवास बनाएं और जिसका चाहें जैसे कर दें। यह जो राजस्व विभाग है, सबसे ज्यादा जनता से जुड़ा हुआ, जनता की सेवा करने वाला विभाग है। ऐसे बहुत से मामले सामने आते हैं जिनमें लेखपाल, कानूनगो द्वारा जनता का उत्पीड़न की बात सामने आती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम जनता के सेवक हैं, इस सेवा में किसी भी तहर का भेदभाव नहीं करना चाहिए। हमें अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी सेवा देनी चाहिए।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
**समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।**

आरएनआई रजि. नं 2012/57 डाक पंजीयन सं. एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू./एन.पी./313/2012-14
लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025

# रहस्यमयी है पोप की नियुक्ति प्रक्रिया

12 वर्षों तक दुनिया के 1.4 अरब रोमन कैथोलिकों के आध्यात्मिक नेता रहे पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से रोमन कैथोलिक चर्च में नए पोप की नियुक्ति की परंपरागत और रहस्यमयी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस प्रक्रिया को कॉन्क्लेव कहा जाता है। पोप कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च प्रमुख माने जाते हैं। उन्हें संत पीटर का उत्तराधिकारी माना जाता है, जो मसीह के शिष्यों में प्रमुख थे। इस कारण से पोप को चर्च के सिद्धांतों और आस्थाओं पर पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है।पोप चुनने की प्रक्रिया भी दिलचस्प होती है। पोप के निधन के बाद कॉलेज ऑफ कॉर्डिनल्स नए पोप के चुनाव की प्रक्रिया को शुरू करता है। कॉलेज ऑफ कॉर्डिनल्स में 252 वरिष्ठ कैथोलिक अधिकारी होते हैं, इनमें से केवल 138 कॉर्डिनल 80 वर्ष से कम उम्र के हैं, जो मतदान करने के योग्य होते हैं। बाकी सदस्य बहस में शामिल हो सकते हैं।

**सफेद धुएं के बाद होता है नाम का ऐलान**

वोटिंग वेटिकन की सिस्टीन चैपल में होती है, जहां माइकल एंजेलो की प्रसिद्ध पेंटिंग्स हैं। जब तक नया पोप नहीं चुन लिया जाता, तब तक चर्च का संचालन कार्डिनल्स करते हैं। सिस्टीन चैपल से जब काले धुएं के बजाय सफेद धुआं उठता है, तब दुनिया को संकेत मिलता है कि नया पोप चुन लिया गया है। सफेद धुएं के बाद एक वरिष्ठ कॉर्डिनल बालकनी पर आकर 'हबेमुस पापम' की घोषणा करते हैं, इसका अर्थ है- हमें एक पोप मिल गया है। इसके बाद नए पोप अपने चुने हुए नाम के साथ लोगों के सामने आते हैं।

## बेहद सादगी भरा था पोप का जीवन

पोप ने अपना जीवन बेहद सादगी से जिया था। इस कारण ही वो सुर्खियों में आए थे। ये उनके पोपत्व के अनुरूप था। बता दें कि उनके पोपत्व का सबसे सनसनीखेज पहलू यह था कि उन्होंने वेतन लेने से इंकार कर दिया, जिसे लेने का वे हकदार थे। पोप को मासिक भत्ता लगभग 32,000 डॉलर प्रति माह दिया जाता है। मगर पोप फ्रांसिस जैसे ही पद के लिए निर्वाचित हुए थे उन्होंने इस राशि को लेने से इंकार कर दिया था। वेटिकन के सूत्रों ने मीडिया को बताया कि ये राशि हो सकता है कि अलग अलग धर्मार्थ संस्थाओं को भेजी गई होगी। अगर ऐसा नहीं हुआ होगा तो इस राशि को भविष्य में उपयोग करने के लिए ट्रस्ट में रखा गया होगा या चर्च में उपयोग के लिए दिया गया होगा। पोप फ्रांसिस ने जिस समय वेतन लेने से इंकार किया था उस समय उनकी कुल संपत्ति लगभग 16 मिलियन डॉलर थी। ये राशि अधिकतर पोप की भूमिक से जुड़ी थी। उनके पास पांच आधिकारिक कारें थी, जो पोप को वेटिकन द्वारा दी गई थी। उन्हें रहने का स्थान भी दिया गया था व कुछ निश्चित लाभ भी उन्हें पद के साथ मिले थे। उन्होंने कोई व्यक्तिगत संपत्ति अर्जित नहीं की थी। वर्ष 2001 में वेटिकन ने पुष्टि की थी कि कार्डिनल रहने के दौरान भी पोप फ्रांसिस ने चर्च से धन प्राप्त नहीं किया था। इस फैसले से जीवन के प्रति सादगी को लेकर उनका दृष्टिकोण जाहिर होता था। उनके कार्यकाल के दौरान वेटिकन की वित्तीय स्थिति में भी सुधार देखने को मिला था। पादरी वर्ग के दुर्व्यवहार से निपटा गया था। अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा देने के प्रयास भी उनके कार्यकाल में हुए थे।

**इस समय जो नाम लिए जा रहे हैं उनमें प्रमुख ये हैं**

कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन, इटली : 70 वर्षीय इतालवी कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन पोप फ्रांसिस के विदेश मंत्री हैं और वर्तमान में उनके उत्तराधिकारी बनने के लिए सबसे मजबूत दावेदार हैं। उन्हें 10 साल पहले अमेरिका-क्यूबा के बीच संबंधों में आई दरार और 2018 के वेटिकन-चीन समझौते में मध्यस्थता के लिए जाना जाता है। कार्डिनल लुइस एंटोनियो टैगले, फिलीपींस : 67 वर्षीय फिलिपिनो कार्डिनल लुइस एंटोनियो टैगले लंबे समय से वेटिकन पर नज़र रखने वालों एक प्रमुख पापबिली रहे हैं। अमेरिकी कैथोलिक ने कहा कि वह मीडिया-प्रेमी, करिश्माई और खुशमिजाज़ हैं।

**कैसे होता है पोप का अंतिम संस्कार**

पोप फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहे. उनका निधन 21 अप्रैल, 2025 को 88 वर्ष की आयु में हुआ. उन्होंने वेटिकन के कासा सांता मार्टा में अपने निवास पर अंतिम सांस ली. अब यह जानने योग्य तथ्य है कि पोप का अंतिम संस्कार कैसे होता है। पोप के निधन के पश्चात उनके शव को लंबे समय तक खुले में रखने की परंपरा समाप्त हो गई है. नए नियमों के अनुसार, मृत्यु के तुरंत बाद उनके शरीर को ताबूत में रखना आवश्यक है. पहले तीन ताबूतों का उपयोग किया जाता था, लेकिन अब इस प्रथा को समाप्त कर दिया गया है. पोप के शव को ताबूत में रखने के बाद ही आम जनता को दर्शन की अनुमति दी जाएगी। पोप के निधन पर 9 दिनों का शोक मनाया जाएगा।

**इस कब्र में दफनाने की प्रक्रिया होगी पूरी**

पोप के निधन के बाद उन्हें आमतौर पर सेंट पीटर के कब्र में दफनाया जाता रहा है, लेकिन पोप फ्रांसिस ने अपने जीवनकाल में इस परंपरा को बदलने का निर्णय लिया था. अब पोप का अंतिम संस्कार किसी भी कब्र में किया जा सकता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, मैक्सिकन प्रसारक ने बताया है कि पोप फ्रांसिस अपने अंतिम संस्कार को रोम के सांता मारिया मैगीगोर बेसिलिका कब्र में कराना चाहते हैं. यह संभावना जताई जा रही है कि उनके अंतिम संस्कार के समय उनकी इस इच्छा का सम्मान किया जाएगा। दफन के समय कब्र में सिक्के रखे जाते हैं, हालांकि यह अनिवार्य नहीं है. दफन के समय एक 1000 शब्दों का दस्तावेज तैयार किया जाता है, जिसमें उनके कार्यकाल का विवरण होता है. यह प्रक्रिया इतिहास को संरक्षित करने के उद्देश्य से की जाती है।

**पोप फ्रांसिस की अंतिम विदाई भी रहेगी अलग**

पोप फ्रांसिस ने जीवनकाल में ही परंपराओं को सरल करने की कोशिश की थी, और अब उनकी अंतिम संस्कार भी उसी दिशा में होगी। वे वेटिकन में नहीं, बल्कि रोम के सैंटा मरिया मैगीओरे बेसिलिका में दफन किए जाएंगे। तीन परंपरागत ताबूतों की बजाय वे जिंक की परत वाली एक साधारण लकड़ी के ताबूत में के साथ दफन होंगे। उनका पार्थिव शरीर सार्वजनिक दर्शन के लिए काटाफलक पर नहीं रखा जाएगा, बल्कि ताबूत में ही श्रद्धांजलि दी जाएगी।

**जब पोप के छूने से बच्चे की कैंसर रिपोर्ट आई निगेटिव**

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद एक पुरानी घटना सुर्खियों में है, जिसे कई लोग ईश्वर का चमत्कार मानते हैं। 10 वर्षीय बच्चे की मां ने दावा किया कि डॉक्टर मेरे बेटे को ब्रेन ट्यूमर या मल्टीपल स्क्लेरोसिस जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित मान रहे थे, पोप फ्रांसिस के आशीर्वाद से उसकी कैंसर रिपोर्ट नेगेटिव आई। घटना अक्टूबर 2021 की है। सीबीएस न्यूज में छपी रिपोर्ट के अनुसार, इटली के 10 वर्षीय बालक पाओलो बोनाविटा ऑटिज़्म और मिर्गी से जूझ रहा था। वह अपनी मां के साथ वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मिलने पहुंचा। आमतौर पर चलने में असमर्थ पाओलो ने उस दिन बिना किसी सहारे के मंच की सीढ़ियां चढ़ीं। इस घटना ने उसकी मां एल्सा मोरा को पूरी तरह से चौंका दिया। पाओलो को पोप की सफेद टोपी भा गई थी। पोप न केवल उससे मिले, बल्कि उसे अपने बगल में बैठाया और अपने सिर की टोपी तक उसे दे दी। पाओलो की मां ने बताया कि पोप ने उनका हाथ पकड़कर कहा, तुम्हारे लिए असंभव जैसा कुछ नहीं।

**ब्यूनस आयर्स में हुआ था पोप फ्रांसिस का जन्म**

वेटिकन। पोप फ्रांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 में अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। उनका नाम जोर्गे मारियो बर्गोलियो था। पोप की उपाधि पाने वाले पोप फ्रांसिस पहले जेसुइट थे। धर्म की राह पर आने से पहले जोर्गे मारियो बर्गोलियो ने बतौर केमिकल टेक्निशियन अपने करियर का शुरुआत की और फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में लंबे समय तक काम किया। इसी दौरान उनका धर्म की तरफ झुकाव बढ़ा और वे चर्च से जुड़ गए। जब पोप 21 साल के थे, तो वे न्यूमोनिया से पीड़ित हो गए, इसके चलते उनके फेफड़े का एक हिस्सा भी निकालना पड़ा। साल 1958 में वे ईसाई धर्म की एक परंपरा जेसुइट से जुड़ गए और धार्मिक शिक्षा देना शुरू कर दिया। साल 1969 में वे पादरी बने।

**वेटिकन के प्रशासन में पारदर्शिता लाए**

पोप फ्रांसिस 1992 में वे ब्यूनस आयर्स में ऑक्सीलरी बिशप नियुक्त हुए। साल 1998 में वे आर्कबिशप बने और साल 2001 में कार्डिनल की उपाधि से नवाजे गए। साल 2013 में जब बेनेडिक्ट 16वें पोप पद से हटे तो पोप फ्रांसिस को उनकी जगह पोप बनाया गया। साल 2013 में जब पोप फ्रांसिस ईसाईयों के सबसे बड़े धर्मगुरु बने तो उन्होंने अपने कार्यकाल में वेटिकन की नौकरशाही में बड़े बदलाव किए और उसे पुनर्गठित किया। साथ ही वेटिकन के प्रशासन में पार्दर्शिता लेकर आए। पोप फ्रांसिस ने बतौर पोप चार बड़े धार्मिक दस्तावेज लिखे, 65 देशों का दौरा किया और 900 से ज्यादा संत बनाए। पोप फ्रांसिस ने वेटिकन में महिलाओं की अहम पदों पर नियुक्ति की। पोप फ्रांसिस ने आध्यात्मिक नवीनीकरण और गरीबों के कल्याण पर जोर दिया। उन्होंने चर्च की नीति में मदद के लिए आठ कार्डिनल्स की एक परिषद बनाने का अभूतपूर्व कदम उठाया।

**एक दिन पहले ही ईस्टर पर लोगों से की थी मुलाकात**

पोप फ्रांसिस ने अपने निधन से एक दिन पहले ही ईस्टर के मौके पर वेटिकन में श्रद्धालुओं से मुलाकात की थी। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पहली बार पोप फ्रांसिस लोगों से मिले थे। इस दौरान पोप फ्रांसिस ने लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं भी दी थीं। पोप फ्रांसिस ने ईस्टर के मौके पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की थी।

## कौन होगा अगला पोप?

हालांकि, सिद्धांत के अनुसार कोई भी बपतिस्मा (बैप्टिज्म) हासिल कर चुका रोमन कैथोलिक पुरुष पोप बन सकता है, लेकिन अब तक परंपरा यही रही है कि कॉर्डिनल्स में से ही किसी को चुना जाता है। 2013 में चुने गए पोप फ्रांसिस पहले दक्षिण अमेरिकी पोप थे लेकिन 266 पोपों में से अब तक 217 इटली से रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि अगला पोप भी यूरोपीय, और संभवतः इटली से हो सकता है।

## पोप ने की थी भारतीय संत श्री नारायण गुरु की प्रशंसा

दुनिया के सबसे बड़े ईसाई धर्मगुरु अपनी दयालु स्वभाव और मानव सेवा के लिए जाने जाते रहे हैं। उन्होंने पिछले साल के आखिर में यानी दिसंबर 2024 में एक भारतीय संत की भी जमकर तारीफ की थी। उस संत का नाम है श्री नारायण गुरु। पोप फ्रांसिस ने तब कहा था कि संत नारायण गुरु का सार्वभौमिक मानव एकता का संदेश आज बहुत प्रासंगिक है क्योंकि दुनिया में हर तरफ और हर जगह नफरत बढ़ रही है। पोप ने ये बातें तब कहीं थीं, जब केरल के एर्नाकुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के मौके पर धर्मगुरुओं का भारी जुटान हुआ था। पोप ने तब वेटिकन में भी जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए ये बातें कही थीं।

# अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम से मुलाकात की, मोदी बच्चों को प्यार से दुलारा

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अमेरिका की दूसरी महिला उषा वेंस का अपने आधिकारिक निवास पर स्वागत किया है। इस दौरान जेडी वेंस और उषा वेंस के साथ उनके तीनों बच्चे भी प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे थे। जिन्हें भी पीएम मोदी प्यार से दुलारते दिखे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का औपचारिक स्वागत किया। बता दें कि, जेडी वेंस सरपरिवार चार दिन के लिए भारत दौरे पर आएं हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की द्वितीय महिला और जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस का भी अपने आधिकारिक निवास पर स्वागत किया।

## अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी-बच्चों संग पहुंचे अक्षरधाम

**नई दिल्ली।** अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पत्नी उषा अपने तीन बच्चों के साथ सोमवार को दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर गए। सुबह दिल्ली पहुंचे वेंस का हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गर्मजोशी से स्वागत किया। वेंस, उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा चिलुकुरी और उनके बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल, तीनों भारतीय परिधान पहने हुए दिखाई दिए। मंदिर के बाहर उन्होंने तस्वीरें भी खिंचवाई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ भारत की अपनी चार दिवसीय यात्रा पर वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी है। वेंस की पहली भारत यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत सहित लगभग 60 देशों के खिलाफ व्यापक टैरिफ व्यवस्था लागू करने और फिर उसे स्थगित करने के हफ्तों बाद हुई है।

# अमेरिका में राहुल गांधी ने उठाए भारतीय चुनाव प्रक्रिया पर सवाल

**बोस्टन।** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। जैसा सोचा जा रहा था कि राहुल एक बार फिर विदेशी जमीन से देश की मोदी सरकार और देश के आतंरिक मुद्दों पर बोलेंगे, वैसा ही हुआ। उन्होंने बोस्टन में ब्राउन यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ एक सत्र में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने पिछले साल हुए महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने देश की चुनाव प्रणाली और निर्वाचन का आयोग की मंशा को कटघरे में खड़ा किया। कांग्रेस नेता ने छात्रों से कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में युवा मतदाताओं की संख्या से ज्यादा मतदान हुआ। यह एक तथ्य है। चुनाव आयोग ने हमें शाम 5.30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए। शाम 5.30 से 7.30 बजे के बीच जब वोटिंग बंद हो जानी चाहिए थी, 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया। अब ऐसा होना संभव नहीं है। दरअसल, एक मतदाता को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं। अगर आप हिसाब लगाएंगे तो इसका मतलब यह होगा कि रात 2 बजे तक मतदाताओं की कतारें लगी रहीं। वे पूरी रात मतदान करते रहे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग से हमने वीडियो मांगे, क्योंकि आयोग वीडियोग्राफी कराता है। हमारे मांगने के बाद उन्होंने सिर्फ हमारी अपील खारिज ही नहीं की बल्कि नियमों को ही बदल दिया। ऐसे में साफ पता चलता है कि चुनाव आयोग में सबकुछ ठीक है। कामकाज में समझौता किया जा रहा है। हमने सार्वजनिक मंचों से कई बार महाराष्ट्र चुनाव को लेकर सवाल उठाए हैं।

## कनाडा में खालिस्तानियों ने फिर मंदिर में की तोड़फोड़

**ब्रिटिश कोलंबिया (कनाडा)।** कनाडाई पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने दावा किया है कि खालिस्तानियों ने तीसरी बार हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की है। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक मंदिर में रविवार रात को तीसरी बार तोड़फोड़ की गई। सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में बोर्डमैन ने मंदिर के बाहर से एक वीडियो साझा किया, जिसमें घटना का विवरण दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि दो संदिग्ध लोगों ने मंदिर की दीवारों पर आपत्तिजनक तस्वीरें बनाईं। घटना सुबह 3 बजे के आसपास की है। उन्होंने एक सुरक्षा कैमरा भी चुरा लिया। बोर्डमैन ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं सरे में लक्ष्मी मंदिर गया था, जहां कल रात खालिस्तानियों ने तोड़फोड़ की थी।

# ट्रंप से डील की तो अंजाम बुरा होगा : चीन

**बीजिंग।** अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ वॉर ने नया मोड़ ले लिया है। चीन ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि कोई भी देश अगर अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करता है, जो चीन के हितों के खिलाफ हो, तो वह उसे कभी स्वीकार नहीं करेगा और कड़े जवाबी कदम उठाएगा। चीन की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब खबरें हैं कि ट्रंप प्रशासन कई देशों पर दबाव बना रहा है कि अगर वे अमेरिका से टैरिफ छूट चाहते हैं तो उन्हें चीन के साथ व्यापार सीमित करना होगा।

**टैरिफ वार के बीच ड्रैगन की बाकी देशों को खुली धमकी**

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर पर 10 प्रतिशत तक का समान टैरिफ लगाया है, लेकिन चीन के लिए यह दर 245 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जवाब में बीजिंग ने भी अमेरिका से आने वाले उत्पादों पर 125 प्रतिशत तक शुल्क लगा दिया है। अमेरिका की यह नीति अब वैश्विक व्यापार को संकट में डाल रही है और मंदी की आशंका भी गहराई है। इसी के बीच चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी कर कहा, कोई भी देश अगर चीन के हितों की अनदेखी कर अमेरिका से बड़ा सौदा करता है, तो ऐसा रवैया अंततः दोनों पक्षों को नुकसान ही पहुंचाएगा। बीजिंग ने अमेरिका पर सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ थोपने और प्रतिशोधी शुल्क की बातचीत के नाम पर उन्हें धमकाने का आरोप लगाया। मंत्रालय ने दो टूक कहा कि चीन अपने अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम है और इस लड़ाई को अंत तक लड़ेगा।

## ट्रंप ने भी दुनियाभर के देशों को दी चेतावनी

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब नया बम फोड़ा है। उन्होंने एक आठ सूत्रीय गैर टैरिफ धोखाधड़ी की सूची जारी की है। इस सूची में ट्रंप ने दुनियाभर के देशों को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने कोई गैर टैरिफ धोखाधड़ी लागू की तो उनके अमेरिका के साथ संबंध खराब हो सकते हैं। ट्रंप की ताजा धमकी से कई देशों की परेशानी बढ़ सकती है और व्यापार युद्ध का जो खतरा दुनिया पर मंडरा रहा है, उसकी आशंका और मजबूत हो गई है। ट्रंप की आठ सूत्रीय गैर टैरिफ धोखाधड़ी की सूची में मुद्रा अवमूल्यन शामिल है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि कुछ देश जानबूझकर अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करते हैं ताकि उनके निर्यात अमेरिका में प्रतिस्पर्धी बने रहें और अमेरिका के उत्पाद उनके बाजार में महंगे हो जाएं। अन्य गैर टैरिफ धोखाधड़ी में ट्रंप ने वैट का जिक्र किया है और कहा कि किस तरह से कुछ देश आयात पर वैट लगाते हैं और निर्यात पर उसे वापस कर देते हैं। ट्रंप ने कम कीमत पर दूसरे देशों में सामान डंप करने की भी आलोचना की। साथ ही निर्यात पर सरकारों द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी और अन्य सरकारी सब्सिडी को भी गलत बताया।

# ऑन-स्क्रीन दुश्मन, ऑफ-स्क्रीन ज़बर्दस्त यार!

**छोटा पर्दा**

'जागृति - एक नई सुबह' में जहां कालीकांत (आर्य बब्बर) और आकाश (सागर पारेख) का रिश्ता बाप-बेटे के तनाव और टकराव से भरा हुआ है, वहीं कैमरे के पीछे दोनों की बॉन्डिंग कुछ और ही कहती है। सेट पर ये जोड़ी हंसी-मजाक, मज़ेदार मस्ती और बेफिक्र पलों से दिन को खुशनुमा बना देती है।

सागर और आर्य के बीच कैमरे के पीछे गहरी दोस्ती हो गई है, जिसमें लगातार मस्ती, अचानक शुरू होने वाले धमाल और ऐसे पल शामिल हैं जो सेट पर काम को मज़ेदार बना देते हैं। जहां उनके किरदार स्क्रीन पर एक-दूसरे से टकराते रहते हैं, वहीं पर्दे के पीछे उनकी दोस्ती हंसी और मज़ेदार लम्हों से जुड़ी है। यही आपसी समझ शूटिंग के लंबे घंटों को भी अच्छा बना देती है। सागर ने अपने सोशल मीडिया पर इस रिश्ते को बिल्कुल सहज और ज़िंदादिल बताया। वो कहते हैं कि उन्हें अक्सर आर्य की जोश भरी एनर्जी से खुद भी उत्साह मिल जाता है। फिर अचानक होते हैं डांस ब्रेक्स और चुटीले हंसी-मज़ाक, जो पूरे सेट का माहौल खुशनुमा बना देते हैं।

सागर पारेख ने कहा, ''ऑनस्क्रीन आर्य सर और मैं बाप-बेटे के रूप में हमेशा एक-दूसरे से भिड़ते रहते हैं, लेकिन कैमरे के पीछे की कहानी बिल्कुल अलग है। उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है - उनकी एनर्जी कमाल की है और जब वो सेट पर होते हैं तो कभी भी माहौल बोरिंग नहीं होता। कभी अचानक कोई मज़ाक, तो कभी बिना प्लान के डांस मूव्स ... वो सेट पर एक अलग ही रौनक ले आते हैं। हम दोनों एक-दूसरे की टांग खींचते रहते हैं, टेक्स के बीच हंसते हैं और ऐसे मज़ेदार पलों में काम भी खेल जैसा लगने लगता है। बहुत कम लोग होते हैं जो गंभीर सीन से सीधा मस्ती में उतर जाएं, और आर्य सर ये बखूबी कर लेते हैं।'' मालूम हो कि 'जागृति - एक नई सुबह' शो रोज रात साढ़े आठ बजे ज़ी टीवी पर प्रसारित है।

## हूतियों पर नए अमेरिकी हमलों में 12 की मौत

**दुबई।** यमन में अमेरिका द्वारा किए जा रहे लगातार हवाई हमलों ने एक बार फिर राजधानी सना को दहला दिया। सोमवार को हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह हमला सना के शूब ज़िले के व्यस्त फरवा बाज़ार को निशाना बनाकर किया गया है। हूती विद्रोहियों ने बताया कि रविवार को भी यमन के कई अन्य इलाकों पर बमबारी की गई थी, लेकिन सबसे बड़ा हमला सना के बाज़ार क्षेत्र में हुआ, जिसे अमेरिका पहले भी निशाना बना चुका है। हालांकि, अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने इन ताजा हमलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। इससे पहले किए गए हमलों की ज़िम्मेदारी अमेरिका ने ली थी, लेकिन इस बार चुप्पी बनी हुई है।

## बाजार दर्पण